- प.बंगाल की मुख्यमंत्री बोलीं- वो आज वोट का अधिकार छीन रहे कल नागरिकता छीन लेंगे - 12

- घरों में रखे सोने को वित्तीय प्रणाली में लाना चाहिए - 12

- विश्व के 50 शीर्ष शिक्षण संस्थानों में देश के छह संस्थान शामिल - 13

- ट्रॉफी जीतने वालों को ही सम्मान मिलेगा : संजीव गोयनका - 14

आज का मौसम

36.0⁰ अधिकतम तापमान

22.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.06

सूर्यास्त 06.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी 11:49 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2083

गुरुवार, 26 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 214, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

कच्चे तेल में नरमी

सेंसेक्स में 1,205 अंकों का उछाल

मुंबई। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद के बीच वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 5 .07 प्रतिशत टूटकर 99 .19 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आने से स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 1,205 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 394 अंक के लाभ में रहा। सेंसेक्स एक समय 1,781 .31 अंक चढ़कर 75,849 .76 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन, इंटरग्लोब एविएशन और ट्रेंट आदि कंपनियां प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

चांदी 11,250 रुपये उछली : चांदी की कीमत 11,250 रुपये यानी 4 .89 प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 2,41,250 रुपये किलो हो गई, जो मंगलवार के बंद भाव 2,30,000 रुपये किलो से अधिक है।

सोना भी 4,900 रुपये चढ़ा : सोने की कीमत 4,900 रुपये यानी 3 .38 प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 1,49,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछला बंद भाव 1,44,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

पीएनजी कनेक्शन लेने से इन्कार किया तो बंद होगी एलपीजी आपूर्ति

- केंद्र सरकार ने जारी किया आदेश, जहां पीएनजी आपूर्ति नहीं वहीं मिलेगा सिलेंडर, मगर लेनी होगी एनओसी

नई दिल्ली, एजेंसी

पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सुविधा उपलब्ध होने पर भी इसका कनेक्शन न लेने वालों की घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति तीन महीनों के अंदर बंद कर दी जाएगी। सरकार ने गैस नेटवर्क के विस्तार को तेज करने और एक ही ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए कदम उठाते हुए यह आदेश जारी किया है।

पश्चिम एशिया संकट के कारण देश में एलपीजी की कमी के बीच सरकार पीएनजी अपनाने को बढ़ावा दे रही है। इसी को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'प्राकृतिक गैस तथा पेट्रोलियम उत्पाद वितरण (पाइपलाइन बिछाने, निर्माण, संचालन व विस्तार तथा अन्य सुविधाएं) आदेश, 2026' अधिसूचित किया है, जिसका उद्देश्य पाइपलाइन अवसंरचना के विकास में तेजी लाना, मंजूरियों को आसान बनाना तथा एलपीजी से पीएनजी की ओर बदलाव को बढ़ावा देकर ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। आदेश में कहा गया है कि यदि पीएनजी उपलब्ध होने के बावजूद कोई परिवार इसे नहीं अपनाता है तो तीन महीने बाद एलपीजी की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी।

एलपीजी संकट के खिलाफ विपक्ष ने संसद के बाहर प्रदर्शन किया।

पाइप लाइन बिछाने से नहीं कर सकेंगे इन्कार

आदेश के मुताबिक तेजी से क्रियान्वयन के लिए सार्वजनिक प्राधिकरणों को निर्धारित समयसीमा के भीतर अनुमतियां देनी होंगी, अन्यथा उन्हें स्वीकृत माना जाएगा। मंजूरी मिलने के चार महीने के भीतर पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू न करने पर अधिकृत इकाइयों पर दंडात्मक कार्रवाई होगी।

डीजल-पेट्रोल की कोई कमी नहीं: पेट्रोलियम कंपनियां

सरकारी तेल कंपनी आईओसी और बीपीसीएल ने अपील जारी की है कि देश में पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। इसलिए लोग सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर भरोसा कर घबराहट में ईंधन खरीदने से बचें। आईओसी) ने कहा, उसके पेट्रोल पंप पर्याप्त ईंधन से भरे हैं और चालू हैं। बीपीसीएल ने भी ईंधन की कमी की खबरों को पूरी तरह निराधार बताया है।

चेतावनी: गैस-एलपीजी शुल्क न वसूल करें होटल-रेस्तरां

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने होटल और रेस्तरांओं को चेतावनी दी कि वे एलपीजी शुल्क और ईंधन लागत वसूली जैसे अतिरिक्त शुल्क न लगाएं। अनुचित व्यापार गतिविधियों के ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने होटलों और रेस्तरांओं में बिलों में एलपीजी शुल्क, गैस अधिभार और ईंधन लागत जैसे अतिरिक्त शुल्क लगाने की शिकायतों यह आदेश जारी किया है।

उज्ज्वला के नियमों में कोई बदलाव नहीं, सरकार ने किया साफ

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए सिलेंडर रिफिल बुकिंग का कोई अलग प्रावधान नहीं किया गया है। मंत्रालय ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि शहरी क्षेत्रों में उज्ज्वला लाभार्थी 45 दिन बाद ही अगला एलपीजी सिलेंडर बुक करा सकेंगे। मंत्रालय ने कहा, एलपीजी रिफिल बुकिंग की सिर्फ दो समय सीमा हैं। एक, शहरी क्षेत्रों में 25 दिन बाद और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन बाद।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली में विदेशी हथियारों का जखीरा बरामद 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने बड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार इस नेटवर्क के तार पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश से जुड़े हुए हैं। इन लोगों के कब्जे से विदेश निर्मित अत्याधुनिक हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। इनमें चेक गणराज्य में बना सबमशीन गन, विदेशी कंपनियों की सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल और 200 से अधिक कारतूस शामिल हैं। सरगना बुलंदशहर (यूपी) का शाहबाज अंसारी है जो बांग्लादेश से यह नेटवर्क चला रहा था।

महादेव एप: ईडी ने 1,700 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। ईडी ने अवैध महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप के मुख्य प्रवर्तकों में एक सौरभ चंद्राकर से जुड़े संगठनों की दुबई स्थित 1,700 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त की। एजेंसी ने पहले बताया था कि मामले में छत्तीसगढ़ के कई बड़े राजनेता और नौकरशाह शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि रायपुर स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय ने पीएमएलए के तहत एक अंतरिम आदेश जारी कर दुबई में बुर्ज खलीफा में कुछ संपत्तियों सहित कई विला और महंगे घरों को कुर्क करने का आदेश दिया है।

अब शर्तों की जंग... अमेरिका के 15 सूत्री प्रस्ताव के जवाब में ईरान ने रखीं अपनी शर्तें

ईरान ने ट्रंप का मखौल उड़ाया, अपने प्रस्ताव में क्षतिपूर्ति-होर्मुज पर संप्रभुता की मांग की

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने महत्वपूर्ण राजनयिक पहल के तहत पाकिस्तानी मध्यस्थों के जरिए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए ईरान को 15 सूत्री प्रस्ताव दिया है। हालांकि, ईरान ने अमेरिका के साथ बातचीत होने के दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। साथ ही, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कड़े शब्दों में मजाक उड़ाते हुए कहा है कि वार्ता तभी संभव है जब वह ईरान की शर्तों के अनुरूप होगी। ईरान ने इसके साथ संघर्षविराम का अपना प्रस्ताव भी जारी किया, जिसमें युद्ध क्षतिपूर्ति और होर्मुज जलडमरूमध्य पर संप्रभुता की मांग की है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका की ओर से 15 सूत्री प्रस्ताव पाकिस्तान के मध्यस्थों के माध्यम से भेजा गया था। रॉयटर्स ने भी इस योजना की पुष्टि की है। ईरान की ओर से बातचीत होने के दावे को पूरी तरह खारिज किए जाने के बावजूद ट्रंप ने कहा है तेहरान समझौते पर पहुंचने के लिए उत्सुक है। दोनों पक्ष 15 बिंदुओं पर सहमत हुए हैं जिनमें ईरान की ओर से परमाणु हथियार हासिल न करने का वादा भी शामिल है। ट्रंप ने कहा, अगर समझौता हो जाता है तो होर्मुज जलडमरूमध्य जल्द फिर से खुल सकता है और ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को अमेरिका अपने कब्जे में ले सकता है।

ट्रंप के दावों का मजाक उड़ाते हुए ईरान के संयुक्त सैन्य कमान के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फगारी ने कहा, क्या आपके आंतरिक संघर्ष का स्तर उस चरण तक पहुंच गया है जहां आप खुद से ही बातचीत कर रहे हैं। हमारे जैसे लोग आप जैसे लोगों के साथ कभी नहीं रह सकते और हमारे जैसा कोई भी आपके साथ सौदा नहीं करेगा। अभी नहीं। कभी नहीं। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसे अब अमेरिकी कूटनीति पर भरोसा नहीं है।

ईरान के ड्रोन हमले के बाद कुवैत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के ईंधन टैंक में भीषण आग लग गई।

ट्रंप को जवाब... हार को समझौते का नाम मत दीजिए

ईरानी सैन्य प्रवक्ता जुल्फाघारी ने ट्रंप की शर्तों के जवाब में कहा, जिस रणनीतिक ताकत की बात आप किया करते थे, वह अब रणनीतिक विफलता में बदल गई है। जो देश खुद को वैश्विक महाशक्ति कहता है, अगर संभव होता तो वह इस संकट से अब तक निकल चुका होता। अपनी हार को समझौते का नाम मत दीजिए। खोखले वादों का आपका दौर अब समाप्त हो चुका है।

ईरान ने बरसाए ड्रोन और मिसाइलें कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आग

दुबई। युद्ध विराम के दावों को दावों को खारिज करने के साथ ईरान ने बुधवार को इजराइल और खाड़ी अरब देशों पर हमले जारी रखे। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान ने दूसरे पड़ोसी खाड़ी देशों पर भी दबाव बनाए रखा। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने ईरान की ओर से अपने तेल-समृद्ध पूर्वी प्रांत में दागे गए आठ ड्रोन नष्ट कर दिए हैं। बहरीन में मिसाइल हमले के अलर्ट संबंधी सायरन सुनाई दिए। कुवैत ने कहा, उसने ईरान के कई ड्रोन मार गिराए, लेकिन उनमें से एक कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ईंधन टैंक से टकरा गया, जिससे भीषण आग लग गई। इस बीच इजराइली सेना ने घोषणा की कि उसने बुधवार तड़के ईरान में सरकारी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए व्यापक पैमाने पर फिर से हमले शुरू कर दिए हैं।

- इजराइल ने ईरान के सरकारी बुनियादी ढांचों को बनाया निशाना

अमेरिका ने युद्ध क्षेत्र में तैनाती बढ़ाई

इस बीच, अमेरिका की सेना 82वीं 'एयरबोर्न डिवीजन' से 1,000 और सैनिकों को तैनात करने की तैयारी कर रही है ताकि क्षेत्र में पहले से मौजूद करीब 50,000 सैनिकों को और बल मिल सके। पेंटागन दो मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट की भी तैनाती कर रहा है जिसके तहत क्षेत्र में करीब 5,000 मरीन एवं नौसेना के हजारों अन्य कर्मी और तैनात किए जाएंगे।

हम पाकिस्तान की तरह दलाल राष्ट्र नहीं: सरकार

- सर्वदलीय बैठक में बोले जयशंकर कहा- पाकिस्तान का अमेरिका 1981 से कर रहा इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत में पश्चिम एशिया में युद्ध जल्द खत्म होने पर जोर दिया है क्योंकि इससे सभी को नुकसान हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष में मध्यस्थता के संदर्भ में पाकिस्तान को 'दलाल' राष्ट्र करार दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बैठक में कहा कि पाकिस्तान के मध्यस्थता प्रयासों में कुछ भी नया नहीं है क्योंकि उस देश को 1981 से अमेरिका इस्तेमाल कर रहा है।

बताया गया कि जयशंकर ने पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा के लिए संसद परिसर में बुलाई गई बैठक में मौजूद नेताओं से कहा, हम दलाल राष्ट्र नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने विपक्ष के इस आरोप का खंडन किया कि भारत सरकार इस मामले पर चुप है और कहा कि हम टिप्पणी कर रहे हैं और जवाब दे रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने पर जल्द शोक व्यक्त न करके नैतिक कमजोरी दिखाई है। सरकार का पक्ष था कि जब ईरान दूतावास खोला गया तो विदेश सचिव ने तुरंत वहां दौरा किया और शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए।

बैठक से निकलते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह।

पाकिस्तान मध्यस्थ हम मूकदर्शक: विपक्ष

बैठक के बाद विपक्ष ने यह मांग फिर दोहराई कि लोकसभा में नियम 193 और राज्यसभा में नियम 176 के तहत पश्चिम एशिया संकट को लेकर चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने कहा, बहुत सारे मुद्दे थे, जिन पर सरकार का जवाब संतोषजनक नहीं था। कहा, पाकिस्तान जो हमसे हर तरह से कमजोर है, वो मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है और हम मूकदर्शक बने हुए हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में पश्चिम एशिया संकट पर पर्याप्त जानकारी दी गई।

निलंबित किए गए जल निगम के 12 इंजीनियर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जल जीवन मिशन में लापरवाही पर 26 इंजीनियरों-कर्मचारियों पर गाज
- चार के खिलाफ विभागीय जांच, तीन को नोटिस और सात के तबादले

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही को लेकर 26 इंजीनियरों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सरकार ने 12 इंजीनियरों को निलंबित कर दिया है, जबकि चार के खिलाफ विभागीय जांच, तीन को कारण बताओ नोटिस और सात इंजीनियरों के तबादले कर दिए हैं।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव के निर्देश पर यह कार्रवाई हुई। विभाग के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के कार्य में देरी, लापरवाही और शिकायतों के आधार पर यह कदम उठाया गया है। हाल के समय में यह जल निगम कर्मियों के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा है कि यदि संबंधित अधिकारी अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं करते हैं तो बर्खास्तगी तक की जाएगी। सरकार ने दोहराया है कि जल जीवन मिशन को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जा रहा है और इसमें पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

इन इंजीनियरों को किया गया निलंबित

लखीमपुर खीरी के अधिशासी अभियंता अविनाश गुप्ता, जौनपुर के अधिशासी अभियंता सौमित्र श्रीवास्तव, गाजीपुर के अधिशासी अभियंता मो. कासिम हाशमी, चंदौली के कार्यवाहक अधिशासी अभियंता अमित राजपूत, चंदौली के सहायक अभियंता सीताराम यादव, बिजनौर के सहायक अभियंता अकबर हसन, औरैया के जेई अनुराग गोयल, हाथरस के जेई कुलदीप कुमार सिंह, आजमगढ़ के जेई राजेन्द्र कुमार यादव, बरेली के जेई रूप चन्द्र, बाराबंकी के जेई अवनीश प्रताप सिंह और कुशीनगर के कार्यवाहक खंडीय लेखाकार धर्मप्रकाश महेश्वरी।

इन पर बैठी विभागीय जांच : औरैया के अधिशासी अभियंता अमन यादव. मैनपुरी के अधिशासी अभियंता अंकित यादव, प्रयागराज के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुट्टी और शामली के कार्यवाहक अधिशासी अभियंता फूल सिंह यादव।

इन्हें कारण बताओ नोटिस : गाजियाबाद के अधिशासी अभियंता भारत भूषण, आगरा के अधिशासी अभियंता अमित कुमार, मिर्जापुर के अधिशासी अभियंता राजेश कुमार गुप्ता।

योगी सरकार का बड़ा फैसला रामनवमी पर दो दिन अवकाश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकार ने रामनवमी पर दो दिन अवकाश की घोषणा की है। पहले 26 मार्च को अवकाश की घोषणा की गई थी, अब 27 मार्च को भी अवकाश रहेगा।

मुख्यमंत्री ने यह निर्णय मंदिरों में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों, खासकर अयोध्या सहित विभिन्न मंदिरों में रामनवमी के दौरान हर वर्ष भारी भीड़ उमड़ती है। इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यह फैसला लिया गया है, ताकि व्यवस्थाओं को बेहतर तरीके से संभाला जा सके। सरकार के अनुसार अतिरिक्त अवकाश से यातायात, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को सुचारु रूप से संचालित करने में भी सहायता मिलेगी।

शिलान्यास

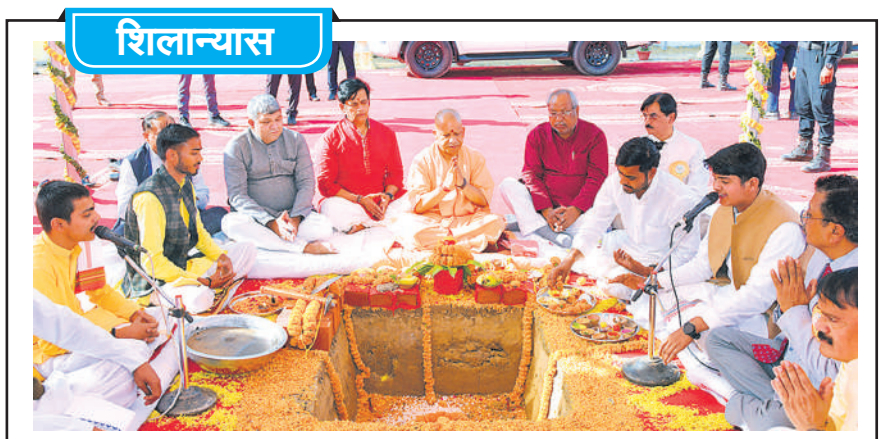

गोरखपुर स्थित मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के सीएसआर फंड से 144 छात्राओं के लिए छात्रावास का निर्माण होगा। नवरात्र के शुभ दिनों के बीच बुधवार को मुख्यमंत्री योगी ने इसके लिए के लिए भूमि पूजन किया। इसके बाद यहां शिलान्यास भी किया गया।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को राहत, गिरफ्तारी पर लगी रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यौन शोषण मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी को अग्रिम जमानत दे दी है। अदालत ने यह फैसला सुनाते हुए दोनों पक्षों को मीडिया के समक्ष कोई बयान नहीं देने का भी निर्देश दिया।

इससे पहले, अदालत ने 27 फरवरी को अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर अगले आदेश तक रोक लगाते हुए कहा था कि नाबालिगों के कथित यौन उत्पीड़न मामले और झूंसी थाने में दर्ज मामले में अविमुक्तेश्वरानंद को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। अग्रिम जमानत देते हुए अदालत ने याचिकाकर्ताओं पर कई शर्तें लगाईं जैसे कि वे साक्ष्य से छेड़छाड़ नहीं करेंगे और सुनवाई की तिथि पर संबंधित अदालत के समक्ष पेश होंगे।

अकबर रोड और रायसीना रोड कार्यालय खाली करे कांग्रेस

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने कांग्रेस को अकबर रोड और रायसीना रोड स्थित कार्यालयों को 28 मार्च तक खाली करने का नोटिस जारी किया है।

कांग्रेस का मुख्यालय 1978 से 24 अकबर रोड पर था, लेकिन अब यह 9ए कोटला मार्ग स्थानांरित हो चुका है। पार्टी अकबर रोड स्थित अपने पुराने मुख्यालय का इस्तेमाल कार्यालय के रूप में कर रही है। कांग्रेस संगठन भारतीय युवा कांग्रेस और एनएसयूआई का मुख्यालय 5 रायसीना रोड पर है। बताया गया कि नोटिस में पार्टी को एक सप्ताह का भी समय नहीं दिया गया।

कैबिनेट फैसले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूर की 10 वर्ष अवधि के लिए 28,840 करोड़ रुपये की योजना

देश में बनेंगे 100 नए एयरपोर्ट और 200 हैलीपैड

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संशोधित 'उड़े देश का आम नागरिक' (उड़ान) योजना को 2035-36 तक 10 वर्ष की अवधि के लिए 28,840 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ बुधवार को मंजूरी दे दी। योजना के तहत देश में 100 नए हवाई अड्डे और 200 हैलीपैड बनाए जाएंगे।

संशोधित क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना के लिए सरकार की ओर से बजटीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना के तहत मौजूदा अनुपयोगी हवाई पट्टियों (एयरस्ट्रिप) से 100 हवाई अड्डों का विकास किया जाएगा। अगले आठ वर्ष में इन हवाई अड्डों के विकास पर कुल 12,159 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। योजना के तहत 200 आधुनिक हेलीपैड विकसित करने का भी लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए अगले आठ वर्ष में कुल 3,661 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

इसके अलावा, इस योजना के तहत एयरलाइन कंपनियों को 10 वर्ष की अवधि में परियोजना को व्यावहारिक बनाने के लिए (वीजीएफ) 10,043 करोड़ रुपये का वित्तपोषण प्रदान किया जाएगा। 'उड़ान' योजना को अक्टूबर, 2016 में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाना और हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाना है।

5 वर्ष के लिए बढ़ी आव्रजन, वीजा, विदेशी पंजीकरण एवं पहचान योजना

नई दिल्ली। सरकार ने आव्रजन, वीजा, विदेशी पंजीकरण एवं पहचान (आईवीएफआरटी) योजना को 1800 करोड़ रुपये की लागत से अगले पांच वर्ष 2031 तक जारी रखने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह मंजूरी आगामी एक अप्रैल से 31 मार्च 2031 तक के लिए दी गई है और इसके लिए 1800 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। आईवीएफआरटी प्लेटफॉर्म देश में आव्रजन, वीजा जारी करने और विदेशियों के पंजीकरण से संबंधित कार्यों को आपस में जोड़ने का काम करता है। इसका मुख्य उद्देश्य सुरक्षित और एकीकृत सेवा वितरण ढांचे के भीतर आव्रजन और वीजा सेवाओं का आधुनिकीकरण और उन्नयन करना है।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 26 मार्च 2026

टेंपल इकोनॉमी से बदली यूपी की तस्वीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह।

- 9 वर्षों में पर्यटन बना विकास की धुरी
- 1.56 अरब पर्यटक पहुंचे 36,681 करोड़ रुपये निवेश से 5 लाख रोजगार की संभावना

अमृत विचार: प्रदेश में बीते 9 वर्षों में पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब "ग्रेवयार्ड इकोनॉमी" से आगे बढ़कर "टेंपल इकोनॉमी" की ओर अग्रसर है, जहां आस्था और पर्यटन विकास का आधार बन रहे हैं।

लोकभवन में बुधवार को प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश में 1.56 अरब से अधिक पर्यटक आए, जिनमें 36 लाख विदेशी सैलानी शामिल हैं। घरेलू पर्यटन में यूपी देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और अयोध्या में राम मंदिर के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि दीपोत्सव, देव दीपावली और ब्रज रंगोत्सव जैसे आयोजन अब आर्थिक गतिविधियों के बड़े केंद्र बन गए हैं। इनसे स्थानीय व्यापार, होटल और परिवहन क्षेत्र को सीधा लाभ मिल रहा है। पर्यटन नीति-2022 के तहत 36,681 करोड़ रुपये से अधिक निवेश धरातल पर उतर चुका है, जिससे करीब पांच लाख रोजगार सृजित होने की संभावना है। 1,757 पर्यटन इकाइयों को पंजीकरण दिया गया है। सरकार ग्रामीण और इको-टूरिज्म पर भी फोकस कर रही है। 234 गांवों को पर्यटन से जोड़ा गया है और 50,000 होम-स्टे विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

एसआई, एएसआई के 1933 पदों पर होगी सीधी भर्ती

अमृत विचार, लखनऊ : पुलिस भर्ती बोर्ड 1933 पदों के लिए एसआई, एएसआई आदि पदों पर सीधी भर्ती करेगा। पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक उप निरीक्षक (गोपनीय), सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) और सहायक उप निरीक्षक (लेखा) के 537 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अलावा कंप्यूटर आपरेटर ग्रेड-ए के लिए 1352 पदों के साथ ही सहायक परिचालक के 44 पदों के लिए भी भर्ती होगी। परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक, सभी पदों के लिए लिखित परीक्षा अक्टूबर या फिर नवंबर-26 में आयोजित कराना प्रस्तावित है।

गंगा एक्सप्रेसवे के लिए फिर खोला खजाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

1235 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि मंजूर

- मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर को रफ्तार, अब तक दिए 5907 करोड़

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1235 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत कर दी है। इस संबंध में वित्त विभाग की ओर से शासनादेश जारी किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार, परियोजना के लिए इस साल बजट में कुल प्रस्तावित धनराशि 3835 करोड़ थी, जिसके सापेक्ष अब तक 5907 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी जा चुकी है। नई स्वीकृति के तहत 1235 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है। सरकार ने निर्देश दिया है कि स्वीकृत राशि का उपयोग केवल परियोजना कार्यों में ही किया जाए और सभी व्यय वित्तीय नियमों के अनुरूप हों। संबंधित विभागों को समय पर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

शासनादेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी अन्य कार्य में धनराशि का उपयोग नहीं किया जाएगा और यदि धन पर कोई ब्याज प्राप्त होता है तो उसे राजकोष में जमा करना अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि गंगा एक्सप्रेसवे प्रदेश की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल है।

यूपी डिफेंस कॉरिडोर के लिए 24.49 करोड़ जारी, कानपुर-झांसी में खरीदी जाएगी जमीन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर परियोजना को गति देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कानपुर नगर और झांसी जिले में भूमि क्रय के लिए 24 .49 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। इस संबंध में शासन स्तर से आदेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश के अनुसार, कानपुर नगर के लिए 15 करोड़ और झांसी के लिए 9 .49 करोड़ रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है। यह राशि डिफेंस कॉरिडोर के तहत औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से भूमि उपलब्ध कराने में खर्च की जाएगी। सरकार ने जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भूमि क्रय की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमसम्मत तरीके से पूरी की जाए। धनराशि का उपयोग केवल स्वीकृत मद में ही किया जाएगा और किसी भी प्रकार की अनियमितता या दुरुपयोग की स्थिति में संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

न्यूज ब्रीफ

रामनवमी पर राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रामनवमी के पावन अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को

हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने बधाई संदेश में कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, धर्म और आदर्शों का उदाहरण है। उन्होंने समाज में मर्यादा, त्याग, कर्तव्य परायणता और नैतिक मूल्यों की स्थापना की, जो आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं सद्भाव लेकर आए।

शांति व सौहार्द के साथ रामनवमी मनाने की अपील

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सीएम योगी ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया जाए। मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और सतत निगरानी के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस पर्व को श्रद्धा, उल्लास और अनुशासन के साथ मनाएं तथा सामाजिक सौहार्द और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करें।

लोक-संस्कृति को पहचान दिलाने के लिए एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश की लोक और जनजातीय संस्कृति को नई पहचान दिलाने के लिए उप्र. लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान और स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम का आयोजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के आवास पर हुआ। इस समझौते के तहत दोनों संस्थाएं शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगी। लोक और जनजातीय कला के संरक्षण के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे कलाकारों और छात्रों को सीधा लाभ मिलेगा। पहल का उद्देश्य पारंपरिक कलाकारों और शिल्पकारों को सशक्त बनाना, उनके कौशल का दस्तावेजीकरण और प्रचार-प्रसार करना है।

रामनवमी पर ड्रोन से होगी निगरानी

प्रदेशभर में अलर्ट जारी, अति संवेदनशील जिलों में उतारी गई पैरा मिलिट्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रसिद्ध मंदिरों में श्रद्धालुओं के वेश में तैनात रहेंगे महिला-पुरुष पुलिस कर्मी

अमृत विचार: ईद का पर्व शांति से संपन्न हो गया तो अब राम नवमी को लेकर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। राम नवमी पर प्रदेश को अलर्ट कर दिया गया है, वहीं प्रदेश के अति संवेदनशील जिलों के साथ ही जहां-जहां प्रसिद्ध देवी मंदिर हैं, उन शहरों में पैरा मिलिट्री की टुकड़ियां उतार दी गई हैं। प्रमुख मंदिरों की सुरक्षा ड्रोन से की जाएगी, वहीं श्रद्धालुओं के भेष में महिला और पुरुष पुलिस कर्मी तैनात किए जाएंगे।

पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, प्रदेश भर में राम नवमी को लेकर खासी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। प्रमुख देवी स्थलों जैसे मिर्जापुर की विंध्यवासिनी मंदिर, प्रयागराज के मां ललिता देवी मंदिर, कल्याणी देवी मंदिर और मां अलोप शंकरी देवी मंदिर, बलरामपुर जिले के तुलसीपुर स्थित मां पाटेश्वरी देवीपाटन मंदिर, चित्रकूट के ज्वाला देवी मंदिर, गोंडा के बाराही मंदिर, सहारनपुर के मां शाकंभरी देवी मंदिर और देवबंद के मां बाला सुंदरी देवी मंदिर, लखनऊ के चंद्रिका देवी मंदिर, गोरखपुर के मां तरकुलहा मंदिर और बाराबंकी के कोटवा धाम मंदिर, सीतापुर के नैमिषारण्य में ललिता देवी मंदिर, वृंदावन के उमाशक्ति समेत सभी मंदिरों की कड़ी सुरक्षा करने के निर्देश जारी किए हैं। अयोध्या धाम में भी रामनवमी पर भारी भीड़ रहने का इनपुट मिला है तो वहां पर भी लगातार ड्रोन से निगरानी और सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

छतों पर ईंट-पत्थर मिले तो होगी कार्रवाई

इसके अलावा प्रदेश के अति संवेदनशील जिले अलीगढ़, बरेली, मुरादाबाद, संभल, रामपुर, मेरठ, बहराइच, सहारनपुर के देवबंद, आजमगढ़, मथुरा, आगरा आदि में भी पैरा मिलिट्री, आरआरएफ और पीएसी को उतार दिया गया है। जुलूस निकलने से पहले पुलिस ड्रोन के जरिए छतों पर ईंट-पत्थर आदि पर भी नजर रखेगी। यदि छतों पर ईंट-पत्थर पाए जाते हैं तो संबंधित मकान मालिक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जुलूस मार्ग पूर्व निर्धारित ही रहेंगे। इस दौरान छतों पर संगीनों के साथ फोर्स तैनात भी रहेगी।

सोशल मीडिया पर भी रहेगी कड़ी नजर

पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, राम नवमी पर सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। यदि किसी ने सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाकर शांति व्यवस्था में बाधा डालने का कार्य किया तो तुरंत ही सख्त कार्रवाई होगी। इसके अलावा पूर्व की घटनाओं में संलिप्त रहे लोगों को खुफिया टीमें रडार पर रखेंगी।

ऋण शिविर में लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक सौंपते वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और एमएसएमई मंत्री राकेश सचान।

शिविर में 112 लाभार्थियों को 370 करोड़ का ऋण वितरित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार के 9 साल पूरे होने पर वृहद ऋण शिविर आयोजित

अमृत विचार : प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित ऋण शिविर में 112 लाभार्थियों को लगभग 370 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और विशिष्ट अतिथि एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने लाभार्थियों को चेक और टूलकिट वितरित किए। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के स्टालों का निरीक्षण भी किया गया।

राजधानी स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में संपन्न ऋण शिविर में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, युवा स्वरोजगार योजना, ओडीओपी वित्त पोषण, टूलकिट योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत सहायता प्रदान की गई। प्रशिक्षार्थियों को उन्नत टूलकिट देकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचे। वहीं मंत्री राकेश सचान ने कहा कि सरकार युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना चाहती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो रहा है।

वीबी-जी राम जी अधिनियम प्रतियोगिताओं की तारीख बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने युवाओं की रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं की अंतिम तिथि अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक बढ़ा दी है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अधिक से अधिक युवाओं और नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग जीएस प्रियदर्शी ने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी MyGov या MYBharat पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी)' योजना के तहत तीन प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य युवाओं की कला, ज्ञान और डिजिटल कौशल को बढ़ावा देना और ग्रामीण भारत को नई पहचान देना है।

गो संरक्षण कार्यों में लापरवाही हुई तो सख्त कार्रवाई : धर्मपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोवंशों को गर्मी और लू से बचाने के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं : धर्मपाल

अमृत विचार: पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने अफसरों से कहा है कि गो संरक्षण के कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आने समय में गर्मी और लू से बचाने के लिए निराश्रित गोवंश से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी के लक्ष्य को हासिल करने में पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग की अहम भूमिका रहेगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि गो-संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए सरकार द्वारा पर्याप्त धनराशि की व्यवस्था की जा रही है। गौशालाओं में स्वच्छ पेयजल, चारा तथा तिरपाल आदि की व्यवस्था की जाए। प्रदेश में नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम तथा लघु पशुपालन जैसी लाभार्थीपरक योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए, जिससे किसानों, पशुपालकों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी लोगों को इसका लाभ मिल सके। पशुधन मंत्री ने कहा है कि पर्याप्त मात्रा में गो संरक्षण केंद्र बना दिए गए हैं, इसलिए कोई भी गोवंश सड़कों पर घूमता हुआ नहीं पाया जाए। समय-समय पर अधिकारी गोसंरक्षण केंद्रों का निरीक्षण करें, जिससे सभी पशु पूरी तरह से स्वस्थ रह सकेंगे।

28,864 करोड़ के औद्योगिक विकास बजट का करें प्रभावी उपयोग : नंदी

अमृत विचार, लखनऊ : औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने विभागीय अधिकारियों को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित 28,864.98 करोड़ रुपये के बजट का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले बजट का अधिकतम और प्रभावी उपयोग किया जाए।

मंत्री नंदी ने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग की समीक्षा बैठक में विभिन्न प्राधिकरणों द्वारा बजट उपयोग की स्थिति का आकलन किया और निर्देश दिया कि धनराशि का उपयोग केवल उपयोगी और परिणामकारी परियोजनाओं में किया जाए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी सहित बुनियादी सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी जाए। इसके साथ ही औद्योगिक विकास प्राधिकरणों को जरूरत के अनुसार जमीन अधिग्रहण और लंबित परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

फसल बीमा योजना के लिए 71.44 करोड़ मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- किसानों को राहत देने के लिए सरकार का अहम फैसला

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने किसानों को फसल नुकसान से सुरक्षा देने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए बुधवार को नेशनल क्रॉप इंश्योरेंस प्रोग्राम के तहत 71 करोड़ 44 लाख 60 हजार की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है।

शासनादेश के अनुसार, यह धनराशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए फसल बीमा (सब्सिडी मद) में स्वीकृत की गई है। यह राशि कुल निर्धारित बजट 450 करोड़ के सापेक्ष जारी की गई है, जिससे किसानों को बीमा कवरेज के तहत लाभ मिल सकेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल फसल बीमा योजना के निर्धारित कार्यों में ही किया जाएगा। इसके साथ ही कृषि निदेशक को निर्देश दिए गए हैं कि खर्च की आवश्यकता और औचित्य सुनिश्चित किया जाए तथा योजना की गाइडलाइंस का कड़ाई से पालन हो। शासन ने यह भी निर्देश दिया है कि धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार किया जाए, एकमुश्त निकासी से बचा जाए और इसे किसी बैंक या अन्य खाते में अनावश्यक रूप से न रखा जाए।

साधारण आपराधिक मामला नियुक्ति से इनकार का आधार नहीं

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि मात्र लंबित आपराधिक मामला, जो साधारण प्रकृति का है, के आधार पर किसी अभ्यर्थी को सरकारी नौकरी से वंचित नहीं किया जा सकता, विशेष तौर तब जब उसने मामले की जानकारी स्वयं दी हो।

उक्त निर्णय न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने राकेश कुमार वर्मा की सेवा सम्बंधी याचिका को मंजूर करते हुए पारित किया। याची का चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कनिष्ठ सहायक पद पर हुआ था और वह चिकित्सकीय रूप से भी उपयुक्त पाया गया था। इसके बावजूद लंबित एक आपराधिक मुकदमे के आधार पर उसे नियुक्ति से

इनकार कर दिया गया था। याची के विरुद्ध धारा 498-ए, 323, 504, 506 आईपीसी तथा दहेज निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज था, जो उसके बड़े भाई के वैवाहिक विवाद से जुड़ा हुआ था। कोर्ट ने पाया कि याची इस मामले में मुख्य आरोपी नहीं, बल्कि सह-आरोपी है और उसके खिलाफ कोई विशिष्ट आरोप भी नहीं है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवतार सिंह मामले में दिए निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि यदि अभ्यर्थी ने आपराधिक मामले की जानकारी स्वयं दी है और मामला गंभीर प्रकृति का नहीं है, तो उसे केवल इसी आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि पारिवारिक विवाद से जुड़े मामलों में सामान्य आरोपों के आधार पर किसी व्यक्ति के भविष्य को प्रभावित करना उचित नहीं है। ऐसे मामलों में सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, न कि दंडात्मक। इसी आधार पर न्यायालय ने नियुक्ति से इनकार सम्बंधी छह जुलाई 2020 के आदेश को निरस्त करते हुए, संबंधित विभाग को याची को तत्काल नियुक्ति पत्र जारी करने का आदेश दिया है।

गुमशुदा व्यक्तियों को ढूंढने में पुलिस 80 प्रतिशत सफल, हलफनामा दाखिल

अमृत विचार, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच गुमशुदा व्यक्तियों के संबंध में दर्ज स्वत : संज्ञान याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से दावा किया गया है कि उसने एक जनवरी 2024 से 17 मार्च 2026 तक लापता हुए व्यक्तियों में से 79 .84 प्रतिशत व्यक्तियों का पता लगा चुकी है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद व पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा ने व्यक्तिगत हलफ़नामा भी दाखिल किया है। इस पर कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तिथि नियत की है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान व न्यायमूर्ति जफ़ईर अहमद की खंडपीठ ने उक्त मामले में दर्ज स्वत : संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। सुनवाई के दौरान उपरोक्त दोनों अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे। शासकीय अधिवक्ता डॉ. वीके सिंह ने उनकी हलफनामों के आधार पर बताया कि 1 जनवरी 2024 से 17 मार्च 2026 तक 1,19,070 लोग लापता हुए थे, जिनमें से 95,061 लोगों का पता लगाया जा चुका है। यह भी बताया गया है कि 2013 से अब तक गुमशुदा बच्चों व वयस्कों के संबंध में राज्य सरकार की ओर से 11 बार दिशा निर्देश जारी किए जा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि एक गुमशुदा व्यक्ति से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट के संज्ञान में आया कि प्रदेश में पिछले लगभग दो साल में 1,08,300 लोग लापता हो चुके हैं, जिनके संबंध में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज हैं। कोर्ट ने इस स्थिति को बेहद चिंताजनक व गंभीर करार देते हुए, मामले को 'प्रदेश में गुमशुदा व्यक्तियों के संबंध में' शीर्षक से जनहित याचिका दर्ज करने का आदेश दिया था।

नर्सिंग शिक्षा को लेकर करार

20 हजार छात्र-छात्राओं को मिलेगा आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी में जपाइगो इंडिया संस्था से हुए करार के दस्तावेज के साथ अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार : नर्सिंग शिक्षा को आधुनिक और व्यावहारिक बनाने की दिशा में अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी (एबीवीएमयू) ने जपाइगो इंडिया के साथ करार किया है। इस पहल के तहत प्रदेश के 280 नर्सिंग कॉलेजों में अध्ययनरत करीब 20 हजार बीएससी, एमएससी, एएनएम और जीएनएम छात्र-छात्राओं को अत्याधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कुलपति डॉ. अमित देवगन ने बताया कि इस करार के अंतर्गत छात्रों को केवल कक्षा आधारित शिक्षा तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि अस्पतालों में उपयोग होने वाली डिजिटल प्रणालियों का भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। डीन नर्सिंग अशोक विश्नोई और परीक्षा नियंत्रक डॉ. देवाशीष शुक्ला के अनुसार, इस पहल से न केवल नर्सिंग शिक्षा का स्तर ऊंचा होगा, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

इस कार्यक्रम के तहत वर्चुअल और सिमुलेशन आधारित शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने गाजियाबाद पहुंचकर हरीश को दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बुधवार को गाजियाबाद पहुंचे। उन्होंने वहां पर हरीश राणा के शव पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके माता-पिता तथा परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त कीं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनके माता-पिता के त्याग और सेवा को शब्दों में बयां करना कठिन है। उन्होंने इतने वर्षों तक साये की तरह अपने बेटे का साथ निभाया। उनके इस असीम धैर्य और ममता को मेरा शत-शत नमन। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कोमा में रहे हरीश राणा को मंगलवार को एम्स के डाक्टरों ने इच्छा मृत्यु दी थी।

बढ़ेंगे अवसर | गोशालाएं बनेंगी अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन, बायो-सीएनजी पर जोर

'पंचगव्य' आधारित बाजार मॉडल की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आईआईटी तकनीक से हाईटेक मॉडल, छोटे पशुपालकों की आय बढ़ाने की तैयारी

अमृत विचार: प्रदेश में गोशालाओं को अब सिर्फ पशुओं के आश्रय स्थल तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार का मजबूत केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ने 'पंचगव्य वैल्यू चेन' (गोमूत्र, गोबर, दूध, दही और घी) पर आधारित एक बड़े मॉडल को लागू करने की तैयारी की है, जिसके तहत 100 से अधिक ऑर्गेनिक उत्पादों का निर्माण किया जाएगा।

इस महत्वाकांक्षी योजना में आईआईटी दिल्ली, और आईआईटी खरगपुर के विशेषज्ञ भी तकनीकी सहयोग दे रहे हैं। गोशालाओं में आधुनिक तकनीक के जरिए बायोगैस प्लांट स्थापित कर बायो-सीएनजी तैयार की जाएगी, साथ ही जैविक खाद और अन्य उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होगा। इस योजना का पहला प्रयोग जालौन जिले की गोशालाओं में किया जा रहा है। यहां हाईटेक मॉडल के तहत उत्पादन, प्रबंधन और मार्केटिंग की पूरी प्रक्रिया विकसित की जाएगी। सफल होने पर इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा।

ट्रेनिंग से बढ़ेगी स्थानीय क्षमता : प्रो. विजय

आईआईटी दिल्ली के प्रो. वीके विजय के नेतृत्व में तकनीकी टीम गांवों में जाकर लोगों को प्रशिक्षण देगी, जिससे बायोगैस प्लांट संचालन और उत्पाद निर्माण में स्थानीय युवाओं को दक्ष बनाया जा सके। वहीं आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र यशराज और उनकी टीम ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग में सहयोग करेंगे।

छोटे पशुपालकों को सीधा लाभ

इस मॉडल से छोटे पशुपालकों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलेगा और गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार, यह पहल गोसंरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण दोनों को एक साथ आगे बढ़ाएगी। सरकार का लक्ष्य गोशालाओं को स्वावलंबी, व्यावसायिक और टिकाऊ मॉडल में बदलना है, जिससे उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी 'टेक्नोलॉजी बेस्ड गोसंरक्षण राज्य' बन सके।

न्यूज ब्रीफ

कालरात्रि पूजन को मंदिरों में उमड़ी भीड़

रसूलाबाद। बुधवार को देवी भक्तों ने मां कालरात्रि को फूल, माला, नारियल, मिठाई और चुनरी अर्पित की। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। विद्वानों का मत है कि मां कालरात्रि की पूजा करने से भय और संकटों से मुक्ति मिलती है तथा मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस मौके पर कस्बे के प्रसिद्ध श्री धर्मगढ़ बाबा मंदिर स्थित दुर्गा मंदिर, खेड़ा कुर्सी तोरना बाजार स्थित मां पंथामाई मंदिर, कहिंजरी स्थित मां काली मंदिर, विकास नगर स्थित दुर्गा मंदिर, लालाभगत स्थित मां कौमारी मंदिर और उसरी स्थित काली माता मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। अनेक स्थानों पर भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया। नवरात्रि व्रत में आस्था रखने वाली महिलाओं, पुरुषों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की।

फरियादियों से मिले जिलाधिकारी

कानपुर देहात। बुधवार को डीएम कपिल सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई की गई। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं को उनके प्रकरण की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे जनसामान्य का प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। जनसुनवाई को अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने के उद्देश्य से जनपद स्तर के समस्त अधिकारी, उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (ज़ूम) के माध्यम से जुड़े रहे।

खेतों की मिट्टी के अवैध खनन का आरोप

रसूलाबाद। नीमहार थाना बेला जनपद औरैया निवासी एक व्यक्ति ने गोपालपुर मजरा माल का पुरवा थाना रसूलाबाद निवासी एक व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम के तहत उसके खेत की मिट्टी का अवैध खनन कर उसकी भूमि को क्षति पहुंचाने का मुकदमा दर्ज कराया है। नीम हर थाना बेला जनपद औरैया निवासी सुघर सिंह ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि गत 20 मार्च को माल का पुरवा निवासी मदन पुत्र तेज सिंह द्वारा उसके खेत से मिट्टी का अवैध खनन कर उसकी भूमि को क्षति पहुंचाई गई है इस पर वह इसकी रिपोर्ट दर्ज करने आया। थाना प्रभारी शिवनारायण सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट संबंधित धाराओं में दर्ज कर ली गई है। जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने कई लोगों के खिलाफ कायम कराया मुकदमा

रसूलाबाद। चित्ता नवादा निवासी एक महिला ने गांव के ही आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध उसे अपशब्द कहने विरोध करने पर घर में घुसकर उसे उसके पति व बेटे के साथ मारपीट करने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। चित्ता नवादा निवासी लौंगश्री पत्नी सुखदेव ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि मंगलवार शाम गांव के ही विकास, उसके भाई विपिन, बहन रचना, पिता राजकुमार, मां रेखा व मुकेश एक राय होकर उसके यहां आए और उसे अपशब्द कहने लगे। विरोध करने उसे और उसके पति सुखदेव एवं पुत्र को मारा पीटा। गांव वालों के आने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। तब वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने थाने आई। थाना प्रभारी शिव नारायण सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट संबंधित धाराओं में दर्ज कर ली गई है। कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं को किया गया जागरूक

कानपुर देहात। बुधवार को महिला पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस अभियान के माध्यम से सैकड़ों महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण, कानूनी अधिकारों तथा अपराधों से बचाव के उपायों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अभियान के दौरान महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 18 1महिला हेल्पलाइन, 1090 महिला शक्ति लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 इमरजेंसी हेल्पलाइन, 1076 पुलिस कंट्रोल रूम आदि की जानकारी दी गई।

बढ़ती गर्मी और हीट वेव को लेकर सतर्कता बरतें अधिकारी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः मार्च के आखिरी दिनों हीट वेव (लू) का असर दिखने लगा है। आगे इससे किसी को कोई दिक्कत या बीमारी न हो, इसे लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट में अहम बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता डीएम कपिल सिंह ने की। उन्होंने जनपद में बढ़ती गर्मी एवं संभावित हीट वेव की स्थिति को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को सतर्कता बरतने तथा समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि हीट वेव से बचाव हेतु क्या करें और क्या न करें का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा आमजन को जागरूक करने के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग किया जाए। उन्होंने पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तैयारी के साथ सक्रिय रखने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि गर्मी से उत्पन्न बीमारियों के उपचार हेतु आवश्यक दवाओं एवं ओआरएस पैकेट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी अस्पतालों में ठंडे कक्ष, अतिरिक्त बेड एवं पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था की जाए तथा सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर हीट वेव से संबंधित जागरूकता सामग्री प्रदर्शित की जाए। पशुपालन विभाग को पशुओं की सुरक्षा हेतु हीट वेव एक्शन प्लान तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, पशुओं के लिए चारा एवं पानी की उपलब्धता बनाए रखने तथा पशुपालकों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग को मृदा में नमी संरक्षण, वैकल्पिक फसलों के प्रचार-प्रसार, खाद एवं बीज की उपलब्धता तथा फसलों को रोगों से बचाव हेतु कीटनाशकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्ट्रेट में अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम। अमृत विचार

- डीएम की अध्यक्षता में बैठक, लू से बचाव को एडवायजरी जारी

श्रम विभाग को औद्योगिक एवं निर्माण श्रमिकों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित करने, कार्य के समय में परिवर्तन कराने, स्वास्थ्य परीक्षण एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग को सभी विद्यालयों में पेयजल एवं छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने, विद्यालय समय में आवश्यकतानुसार परिवर्तन करने तथा विद्यार्थियों की आउटडोर गतिविधियों को सीमित करने के निर्देश दिए गए। पंचायतीराज एवं ग्राम्य विकास विभाग को मनरेगा कार्यों की समयावधि में परिवर्तन, कार्यस्थलों पर छाया एवं पेयजल की व्यवस्था तथा जल स्रोतों की मरम्मत एवं उपयोग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही सिंचाई संसाधनों के माध्यम से तालाबों एवं पोखरों में जल भराव की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, विद्युत दुर्घटनाओं की समय पर रिपोर्टिंग तथा अस्पतालों के लिए मोबाइल ट्रांसफार्मर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। वन विभाग को हरियाली बढ़ाने, जंगल की आग से बचाव हेतु सतत निगरानी तथा वन्य जीवों एवं पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

दहेज हत्या में पति को उम्र कैद

कानपुर देहात। दहेज हत्या के मामले में बुधवार को कोर्ट ने आरोपी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

पांच अक्टूबर 2014 को दहेज हत्या के आरोपी जितेंद्र सिंह कुशवाहा उर्फ नरेंद्र निवासी ग्राम शाही थाना रूरा के खिलाफ मुकदमा कायम कराया गया था। पुलिस की ओर से 31 दिसंबर 2014 को आरोप पत्र दाखिल कर दिया। सुनवाई के दौरान साक्ष्यों के आधार पर एडीजे कोर्ट ने आरोपी को दोष सिद्ध करार दिया। बुधवार को जितेंद्र सिंह कुशवाहा उर्फ नरेंद्र को आजीवन कारावास की सजा और 15 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने पर उसे एक वर्ष के अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा भुगतनी होगी।

बौद्ध कथा के समापन पर बवाल, पथराव

कथा वाचक को घेर कर पीटने और डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा खंडित करने का लगाया गया इल्जाम

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः सदर तहसील क्षेत्र के गांव संगसियापुर में बौद्ध कथा के समापन पर जमकर बवाल हुआ। कार्यक्रम के दौरान मंच से देवी-देवताओं के प्रति अभद्र टिप्पणी को लेकर गांव के लोगों ने हंगामा किया। आरोप है कि इस दौरान कथा वाचक के साथ मारपीट की गई। डा अंबेडकर की प्रतिमा भी क्षतिग्रस्त कर दी गई।

संगसियापुर गांव में 18 मार्च से बौद्ध कथा प्रारंभ हुई थी। बीते दिवस समापन था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मंच के माध्यम से हिंदू देवी-देवताओं के बारे में अपमान जनक बातें कही गई। इसे लेकर गांव में तनाव पनपा। बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और आपत्ति जताई। इसके बाद कुछ अराजक तत्वों ने माहौल खराब करने के उद्देश्य से ईंट-गुम्मे चलाने शुरू कर दिए। कुछ घरों पर भी पथराव हुआ। दोनों पक्ष के लोग एक-दूसरे के सामने आ गए। भारी तनाव के बारे में जानकारी पुलिस को दी गई। तब आनन-फानन में कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा और उत्तेजित लोगों को समझाना शुरू किया।

दोनों ही पक्ष के लोगों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए। गांव के देवेंद्र कुमार ने बताया कि कथा के समापन के दौरान रात करीब 11 बजे के बाद कथा वाचक मिलन बौद्ध व उनकी टीम की विदाई ग्राम वासियों द्वारा की गई थी। कथा वाचक व उनकी टीम अपनी गाड़ी से संगसिया पुर से लगभग दो किलोमीटर दूर रूरा से गौरियापुर मार्ग पर पहुंचे ही थे कि करीब दो दर्जन से ज्यादा लोगों ने लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस दौरान कथा वाचक समेत करीब पांच लोग घायल हो गये। आरोप है कि इस दौरान अराजकतत्वों ने डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की जानकारी के बाद सैकड़ों की तादाद में ग्रामीण एकत्र हो गए और हंगामा शुरू कर दिया। उधर, दूसरे पक्ष का कहना है कि आयोजन के दौरान वाचक ने देवी-देवताओं और सामान्य वर्ग के लोगों के खिलाफ अशोभनीय बातें कहीं। 23 मार्च को समाधान दिवस पर इसकी शिकायत की गई थी।

घटना को लेकर धनीराम बौद्ध से बात करते एएसपी राजेश पांडेय। अमृत विचार

धरने पर बैठे दलित पैंथर नेता धनीराम

- बौद्ध कथा को लेकर दो पक्षों के बीच तनाव और डा अंबेडकर की प्रतिमा खंडित किए जाने की जानकारी पर दलित पैंथर के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनीराम पैंथर भी अपने कार्यकर्ताओं के साथ गांव पहुंच गए। घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए वह धरने पर बैठ गए। उन्होंने आंदोलन की चेतावनी दी। हालांकि दूसरी प्रतिमा लगने और मुकदमा कायम होने के बाद वह मान गए।

पल-पल की खबर लेते रहे अधिकारी

- गंभीरता को भांपते हुए पुलिस प्रशासन चौकन्ना रहा। अधिकारी भी पल-पल की खबर लेते रहे। एएसपी राजेश पांडेय ने बताया कि घटना को लेकर कार्यक्रम आयोजक से तहरीर लेकर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। अब किसी भी तरह की कोई भी तनावपूर्ण स्थिति नहीं है।

घटना के बाद गांव में खाकी का पहरा

- बवाल के बाद गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति में बताया गया कि घटना के संबन्ध में नौ लोगों के खिलाफ धारा 298, 191(2), 126(2), 115(2)द्व352द्व 351(3) बीएनएस व 3(1)द,ध एवं 3(2)(अं) एससीएसटी एक्ट का मुकदमा कायम किया गया है। 20-25 अज्ञात लोगों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। दोषियों की गिरफ्तारी हेतु टीमो का गठन किया गया है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

इन लोगों के खिलाफ कायम हुआ मुकदमा

- घटना को लेकर मिली तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने रोहित सिंह सेंगर, केशव सिंह, मोहन सिंह सेंगर, छुटकउ सिंह, बड़कउ सिंह, बउवन पांडेय, प्रभाकर मिश्रा, पापे तिवारी और अंकित सिह के खिलाफ नामजद मुकदमा कामय किया है। इसके अलावा करीब दो दर्जन अज्ञात लोग भी आरोपित किए गए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

जमीन विवाद की जांच में खनन पकड़ा, होगी कार्रवाई

संवाददाता, रसूलाबाद

- लेवलर जब्त, खनन करने वालों ने किया जमकर हंगामा

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र के मनावां ग्राम में जमीन संबंधी विवाद की जांच करने गई राजस्व और पुलिस टीम ने अवैध खनन करते हुए एक ट्रैक्टर और लेवलर मशीन को पकड़ लिया। स्पार्क ट्रैक्टर मालिक और निर्माणाधीन मकान से जुड़े लोग मौके पर पहुंचकर हंगामा करने लगे। इसके बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और ट्रैक्टर को कोतवाली ले आई।

मानवां गांव में कानूनगो अनिल कुमार, असालतगंज चौकी प्रभारी केशव देव, पुलिस टीम और क्षेत्रीय लेखपाल जांच के लिए जा रहे थे। इसी दौरान गोपालपुर गड़रिया के पास उन्होंने एक ट्रैक्टर को मिट्टी का भराव करते देखा। पूछताछ में चालक ने अपना नाम राहुल बताया और बताया कि उसके पास मिट्टी खनन की अनुमति है। खनन अनुमति के कागजों की जांच में 100 घन मीटर मिट्टी मजदूरों के माध्यम से उठाने की अनुमति होने की बात सामने आई। जबकि मौके पर ट्रैक्टर और लेवलर मशीन का उपयोग किया जा रहा था। इसके बाद टीम ने ट्रैक्टर और मशीन को जब्त कर लिया। इस पर ट्रैक्टर चालक ने चौकी प्रभारी से कुछ अपशब्द कह दिए।

ट्रैक्टर पकड़े जाने की जानकारी मिलने पर ट्रैक्टर मालिक के परिजन और निर्माणाधीन मकान से जुड़े लोग मौके पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे। चालक राहुल ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया। कानूनगो अनिल कुमार ने बताया कि क्षेत्रीय लेखपाल की जांच में गाटा संख्या 162, रकबा 0.574 पर अवैध रूप से मिट्टी खनन की पुष्टि हुई है।

ग्रामीणों द्वारा हंगामा किए जाने की जानकारी थाने दिए जाने पर एसएसआई राम सिंह मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर शांत कराया। थाना प्रभारी एसएन सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर और खनन यंत्र को सीज कर दिया गया है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों को असत्य और निराधार बताया।

एथलेटिक्स ट्रॉयल्स के बाद आठ खिलाड़ियों का चयन

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः डीएम कपिल सिंह के निर्देश पर जिला खेल अधिकारी नीलम सिद्दीकी की देखरेख में बुधवार को माती के स्पोटर्स स्टेडियम माती में खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत एथेलेटिक्स चयन ट्रॉयल हुए। इस चयन प्रक्रिया में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभाशाली बालक एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

चयन ट्रायल के दौरान 100 मीटर, 200 मीटर, शॉट पुट एवं जैवलिन थ्रो जैसी प्रमुख एथेलेटिक्स स्पर्धाओं में प्रतिभागियों का परीक्षण किया गया। प्रतियोगिता के उपरांत उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कुल आाठ खिलाड़ियों का चयन किया गया, जिसमें पांच बालक एवं तीन बालिकाएं शामिल हैं। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

साथ ही उन्हें ट्रैक सूट, कट शूज, स्पाइक बैग सहित अन्य आवश्यक खेल सामग्री भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष खिलाड़ियों को किट वितरण की सुविधा भी दी जाती है, जिससे उनकी खेल तैयारी और अधिक सुदृढ़ हो सके। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास एवं अनुशासन के माध्यम से वह भविष्य में जनपद, प्रदेश एवं देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

पेड़ से लटका मिला युवती का शव

रनियां। रनियां थाना क्षेत्र के पामा स्टेशन रोड के किनारे एक युवती का संदिग्ध परिस्थितियों में शव पेड़ से लटका मिला।

रनियां-सरवनखेड़ा रोड पर जरिहा मोड़ के पास बुधवार की शाम ग्रामीणों ने एक युवती का शव पेड़ की डाल पर लटकता देखा। घटना की जानकारी पर थानाध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम तथा फील्ड यूनिट टीम घटनास्थल पर पहुंची और मृतका के शव को नीचे उतारकर लोगों से शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन उसे कोई पहचान नहीं सका।शव को लावारिस में दाखिल कर मोर्चरी भिजवाया गया है। ग्रामीणों ने हत्या के बाद शव पेड़ की नाजुक सी डाल में टांगने की बात कही। युवती का धड़ से नीचे का आधा शरीर जमीन पर रखा हुआ था।

जितेंद्र प्रताप सिंह बने जिला बार अध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के दिशा निर्देश और मॉडल बायलॉज के नियमों उपनियमों के तहत एक बार एक वोट के सिद्धांत के तहत जिला बार एसोसिएशन कानपुर देहात के वार्षिक चुनाव संपन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान की बड़ी जीत हुई। प्रतिद्वंद्वी को उन्होंने 89 वोटों के अंतर से हराया।

महामंत्री के पद पर नरेंद्र सिंह सेंगर का निर्वाचन हुआ। निर्वाचन समिति अध्यक्ष संपत लाल यादव ने बताया कि बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शिव किशोर गौड़ द्वारा पारित आदेश दिनांक 27 फरवरी के अनुपालन में सारी चुनाव प्रक्रिया संचालित की गई। इसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर प्रभा कुमारी कनिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र यादव कोषाध्यक्ष श्रीकान्त राठौर मंत्री पद पर क्षमता सिंह सेंगर मंत्री जय गोपाल संयुक मंत्री प्रकाशन अवधेश कुमार संयुक मंत्री पुस्तकालय शशिविंदु बने।इसी तरह, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य हेतु रहीस अहमद, राहुल कुमार, गोपी सिंह, चंद्रलता, संतोष सिंह एवं जगन्नाथ प्रसाद तथा कनिष्ठ सदस्य हेतु श्याम कुमार, अजीत सिंह, प्रमोद कुमार अनुज प्रताप सिंह, श्याम सुन्दर एवं संजय सिंह ने एकल रूप से नामांकन किया था। जिन्हें निर्विरोध विजई घोषित किया गया।निर्वाचन समिति में अध्यक्ष सम्पत लाल यादव प्रभारी रमेश चन्द्र सिंह गौर एवं सहायक सदस्य विश्वनाथ सिंह रवि वर्मा विकास मिश्रा जय गोविंद यादव रणवीर सिंह यादव हिमांशु गुप्ता जितेन्द्र बाबू रहे।

निर्वाचन के बाद पदाधिकारियों का हुआ सम्मान। अमृत विचार

युवक पर दुष्कर्म का आरोप, केस दर्ज

कानपुर देहात। डेरापुर क्षेत्र के एक गांव में युवती ने युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया।

पीड़िता के अनुसार आरोपी ने पहले उसका मोबाइल नंबर लिया और बाद में फोन पर बातचीत के दौरान पति के मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने का भरोसा दिया। इसी दौरान उसने बीपी की दवा बनवाने के बहाने उसे डेरापुर बुलाया। मंगलवार को आरोपी ने उसे डेरापुर बुलाया और दवा बनवाने के बाद करीब दोपहर दो बजे अपने घर ले गया। वहां आरोपी ने कमरे का दरवाजा बंद कर जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। डेरापुर थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

निपुण सम्मान समारोह | नव निर्माण के 9 वर्ष कार्यक्रम के तहत राजपुर में हुआ समारोह संपन्न

छह सौ से अधिक प्रधानाध्यापक हुए सम्मानित

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः निपुण घोषित किए गए जनपद के 661 परिषदीय विद्यालयों शिक्षकों-प्रधानाध्यापकों को प्रशस्ति भेंट कर सम्मानित किया गया। राजपुर में आयोजित निपुण सम्मान समारोह में काफी लोग पहुंचे। बेसिक शिक्षा विभाग कार्यक्रम का आयोजक और माध्यमिक शिक्षा विभाग को नोडल रहा। इस अवसर पर सभी संबंधित विभागों ने अपनी विभागीय योजनाओं के स्टाल भी लगाए।

समारोह की अध्यक्षता कर रही भारतीय जनता पार्टी की जिलाध्यक्ष रेणुका सचान ने निपुण विद्यालय के प्रधानाध्यापकों एवं सहायक अध्यापकों की प्रशंसा करते हुए आगे भी अपने विद्यालय का स्तर बरकरार रखने को कहा। ऐसे बच्चे जो आज आंगनबाड़ी और परिषदीय विद्यालयों में हैं, वही विकसित भारत की संकल्पना को साकार करेंगे। जिला महामंत्री सत्यम सिंह चौहान ने भाजपा सरकार की नव वर्ष की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने समाज के सभी वर्गों के हित में योजनाएं चला रही। अंत्योदय की नीति पर आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि निपुण सर्वे में जनपद मंडल में प्रथम और प्रदेश में आठवें स्थान पर रहा है। ब्लॉक प्रमुख राकेश कटियार ने परिषदीय विद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं की वृद्धि के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में एसआरजी एआरपी और शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

इस दौरान डीआईओएस बृज भूषण चौधरी, अनिल पोरवाल, खंड शिक्षा अधिकारी अशोक सिंह, डीसी सौरभ श्रीवास्तव, देवेश धर दुबे, एसएन कटियार, एसआरजी अनंत त्रिवेदी, संत कुमार दीक्षित, अजय कुमार गुप्ता, एआरपी शोमिल कटियार, प्रदीप निरंजन, कुलदीप सैनी, अश्विनी कटियार, अजय वर्मा, मनोज पाल आदि उपस्थित रहे।

शिक्षिका को सम्मानित करतीं भाजपा जिलाध्यक्ष। अमृत विचार

- समारोह की अध्यक्षता भाजपा की जिलाध्यक्ष रेणुका सचान ने की
- एसआरजी एआरपी और शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा

एक अप्रैल से हाईवे पर 190 में सिंगल और 285 रुपये में होगी रिटर्न जर्नी!

हनुमान गुप्ता, कानपुर देहात

- 31 मार्च की रात 12 बजे से बढ़ने जा रहीं टोल टैक्स की दरें
- एक से ही टोल प्लाजा पर खत्म होगी नकद लेन-देन की व्यवस्था

अमृत विचारः नकद लेन-देन खत्म करने और तीन हजार के सालाना पास की फीस में बढ़ोत्तरी के साथ टोल का नार्मल टैक्स भी एक अप्रैल से बढ़ जाएगा। कार, जीप और वैन की सिंगल जर्नी 190 और रिटर्न जर्नी 285 रुपए की हो जाएगी। अभी यह दर क्रमशः 185 और 275 रूपए है। 20 किलोमीटर रेडियस का मंथली पास भी एक अप्रैल से दस रूपए महंगा हो जाएगा। अभी 350 देने पड़ रहे। 31 मार्च की रात 12 बजते ही इसके लिए 360 रुपए चुकाने होंगे।

टोल प्लाजा की बात करें तो नया वित्तीय वर्ष कई बदलाव लेकर आ रहा है। एक अप्रैल से टोल प्लाजा पर टोल टैक्स का नकद लेन-देन बिल्कुल बंद हो जाएगा। पूरी व्यवस्था ऑन लाइन की जा रही है। कलेक्शन बूथों को यूपीआई पेमेंट सुविधा से जोड़ दिया गया है। यदि आपके वाहन पर फास्टैग नहीं है, या फास्टैग है पर एक्टिव नहीं है तो नकद टैक्स अदा नहीं कर सकेंगे। मोबाइल फोन पर इंस्टाल ऑन लाइन ट्रांजेक्शन एप्लीकेशन से ही टैक्स चुका पाएंगे। इसके लिए टोल ने खास तरह का साफ्ट वेयर बनाया है। बूथ की स्क्रीन पर क्यूआर दिखेगा। इसे स्कैन कर निर्धारित टोल टैक्स और सवा गुनी पेनाल्टी अदा की जा सकेगी। दूसरी तरफ, एक अप्रैल से ही दो सौ फेरों वाले सालाना पास की फीस भी तीन हजार से बढ़कर 3075 रुपये होने जा रही।

इसके अलावा, इस साल 31 मार्च की रात 12 बजे के बाद से टोल की दरों में भी बदलाव हो रहा है। टोल दरों में बहुत अधिक बढ़ोत्तरी नहीं की गई है फिर भी चाय और स्नैक्स जितने पैसे तो अतिरिक्त चुकाने ही होंगे। लाइट कमर्शियल वेहिकिल्स के लिए अब तक एक फेरे का 290 रुपये टैक्स पड़ रहा था। एक अप्रैल से यह 295 रुपये हो जाएगा। रिटर्न जर्नी के लिए 435 की जगह 445 रुपये चुकाने होंगे। सिंगल और रिटर्न जर्नी के लिए बस और ट्रक का टोल एक अप्रैल से क्रमशः 605 और 910 रुपये हो जाएगा। इसमें 15 और 25 रुपए की वृद्धि की जा रही है। ओवर साइज वाहनों की सिंगल जर्नी 1180 और रिटर्न जर्नी 1770 रूपए में हो सकेगी। इस श्रेणी के वाहनों का मंथली पास पहले 38365 रुपए का था। अब 39345 का होगा। टोल प्रबंधक मनोज शर्मा ने बताया कि नई दरें एक अप्रैल से लागू हो जाएंगी।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 26 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

किशोरी का शव फांसी के फंदे से लटका मिला

शिवराजपुर। थाना क्षेत्र के प्रधानपुर गांव में किशोरी का शव कमरे के कुंड से दुपट्टे के सहारे संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता मिला। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। दिव्यांशी उर्फ दीपिका 17 वर्ष पुत्री धीर सिंह का शव फंदे से लटक रहा था। सूचना पर पहुंचे थाना अध्यक्ष अमित सिंह ने अपनी निगरानी में शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

जय कुमार बने राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष

चौबेपुर। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश (प्राथमिक संवर्ग) के कानपुर नगर जिलाध्यक्ष चंद्रदीप यादव को उनके पदीय दायित्वों से मुक्त करते हुए जयकुमार सिंह को जिलाध्यक्ष पद का संपूर्ण दायित्व दिया गया है। जानकारी देते हुए मंडल अध्यक्ष प्रताप कटियार व मंडल महामंत्री संजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि उक्त कार्रवाई संगठन की कार्य पद्धति एवं रीति नीति का अनुपालन न करने को लेकर की गई है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लॉक चौबेपुर की निर्वाचन प्रक्रिया में पूर्व जिलाध्यक्ष द्वारा जिला कार्य समिति की सहमति बगैर मनमानी ढंग से एकल हस्ताक्षरित जारी कर निर्णय लिए जाने से कार्यकर्ताओं के मध्य संगठन की छवि धूमिल हुई।

कान्हा गौशाला में हुआ कन्या भोज

घाटमपुर। नवरात्रि पर मंगलवार को कान्हा गौशाला में कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 51 कन्याओं को श्रद्धा भाव के साथ दही और जलेबी खिलाई गई। आयोजकों ने कन्याओं का विधिवत पूजन कर उन्हें दक्षिणा और फल भी भेंट किए। कार्यक्रम में सभी ने सेवा भाव से सहयोग किया। इस अवसर पर गोशाला परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। कार्यक्रम का आयोजन गोसेवक डब्बू शुक्ला की ओर से किया गया। इसमें नगर पालिका ईओ डॉ. महेंद्र कुमार, चीन पब्लिक स्कूल के चेयरमैन डॉ. पंकज चीना गुप्ता, विहिप मठ मंदिर प्रमुख पूतू पांडेय, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रोहित सोनी, बजरंग दल के जिला संयोजक रमन अवस्थी आदि रहे।

कमरा दिलाने के बहाने वाराणसी की किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म

तीन युवकों ने घटना को दिया अंजाम, पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार: बिठूर थाना क्षेत्र के मंधना कस्बे में रहने वाले एक हॉस्टल संचालक के 18 वर्षीय बेटे व उसके दो साथियों ने कमरा दिलाने के बहाने वाराणसी से आई की एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार बिठूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंधना कस्बे में रहने वाले हॉस्टल संचालक के 18 वर्षीय पुत्र पदम त्रिपाठी, उसके दो साथी निहाल सिंह व नितेश दुबे किशोरी को कमरा दिलाने के बहाने अपने हॉस्टल के एक कमरें में ले गए, वहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके बाद तीनों लड़के वहां से निकल गए। जिसके बाद बुधवार सुबह हॉस्टल में किराये पर रह रहे जगदीप कुमार ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की और किशोरी को मंधना चौकी ले आई। जहां किशोरी ने आरोप लगाते हुए बताया कि वह मंगलवार कि रात वाराणसी से आई थी। रात हो जाने के कारण सवारी नहीं मिली तो कमरे की तलाश में भटक रही थी तभी पदम् त्रिपाठी पुत्र अजय त्रिपाठी निवासी विरतियान व निहाल सिंह पुत्र संजय सिंह और नितेश दुबे निवासी मंधना ने कमरा देने के बहाने अपने कमरे में बुलाया। तीनों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए पदम को गिरफ्तार कर लिया। घटना को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए घटनास्थल का निरीक्षण करने के लिए एसीपी आशुतोष कुमार मौके पर पहुंचे और जांच करने के लिए फॉरेन्सिक टीम को बुलाया और साक्ष्य एकत्रित किए। उधर पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजकर रिपोर्ट दर्ज की।

एसीपी आशुतोष कुमार ने बताया कि मामले में सामूहिक दुष्कर्म व पॉस्को एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया। एक आरोपी को गिरफ्तार कर अन्य दो की तलाश जारी है।

जांच-पड़ताल करती पुलिस। अमृत विचार

मां कूष्मांडा मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

घाटमपुर। चैत्र नवरात्रि की सप्तमी को मां कूष्मांडा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। सुबह से ही भक्तों ने विधि-विधान से मां कालरात्रि स्वरूप की पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर जयकारों से गूंजता रहा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पारंपरिक अनुष्ठानों के तहत बच्चों का मुंडन और कर्ण छेदन संस्कार कराया। श्रद्धालु लंबी दूरी तक दंडवत करते हुए मां के दरबार पहुंचे, जिससे उनकी आस्था और भक्ति साफ झलकती रही। मंदिर परिसर में सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर स्थानीय प्रशासन भी मुस्तैद रहा। दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं, वहीं प्रसाद वितरण और भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया।

समुदाय और विद्यालय के बीच बेहतर समन्वय हो

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनसहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीआरसी बिल्हौर में एक दिवसीय उन्मुखीकरण हुई। उद्घाटन मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर और खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

कार्यक्रम में विधायक ने कहा कि शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए अभिभावकों, समुदाय और विद्यालय के बीच बेहतर समन्वय अनिवार्य है। तीन घंटे चले इस विशेष सत्र में प्रधानाध्यापकों और यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्कूल बैग और स्टेशनरी के लिए सीधे बैंक खाते में भेजी जाने वाली धनराशि के बारे में बताया। साथ ही प्राथमिक कक्षाओं में आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान सुनिश्चित के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम संचालन आरती सिंह एवं डॉ. डीएन यादव ने किया। इस दौरान प्रधान संघ अध्यक्ष व अधिवक्ता अजीत सिंह राजावत, राजकुमार सिंह, रमन सिंह चंदेल, रामेंद्र कुमार, धीरेंद्र प्रताप सिंह, प्रिया कटियार, अतुल कुमार, कुश अग्निहोत्री, अनूप यादव, नियाज अहमद, प्रशांत मिश्रा, अरविन्द त्रिवेदी, मो. ताहिर, नीलम कन्नौजिया, रेखा सिंह, आदित्य द्विवेदी, अजय कटियार, पंकज कटियार आदि रहे।

पिछड़ा आयोग की अध्यक्ष का घाटमपुर में हुआ स्वागत

पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष निरंजन ज्योति का स्वागत करते भाजपाई। अमृत विचार

घाटमपुर। पिछड़ा आयोग की अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार घाटमपुर आगमन पर साध्वी निरंजन ज्योति का घाटमपुर में भव्य स्वागत किया गया। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रोहित सोनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान शाध्वी निरंजन ज्योति ने पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मिशन 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ता अभी से तैयार हो जाएं। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सरकार द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्यों एवं विकास की चर्चा को लेकर गांव-गांव पहुंचे और सरकार की उपलब्धियां भी गिनाई। स्वागत के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश सोनी, दीपक वर्मा, सभासद शोभित सेंगर, शैलेन्द्र सक्सेना, विकाश सैनी, हिमांशु सचान, विक्रम गोस्वामी, प्रशांत खरे, ओम प्रकाश शर्मा, डब्बू शुक्ला एवं घाटमपुर भारतीय जनता पार्टी नगर के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यायालय तहसीलदार सुकमा जिला सुकमा (छ0ग0)

राजस्व मामले में नोटिस प्रकाशन

प्रति,

श्रीमती प्रमीला कुलदीप पति श्री बीरबल कुलदीप पिता स्व. संकटा सिंह उम्र–64 वर्ष निवासी साकेत नगर गोविंदपुर कांकेर तहसील जिला उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

विषयः– राजस्व अभिलेख में खाता विभाजन किये जाने बाबत्।

आपको सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती प्रमीला कुलदीप पति श्री बीरबल कुलदीप पिता स्व. संकटा सिंह उम्र–64 वर्ष निवासी साकेत नगर गोविंदपुर कांकेर तहसील जिला उ.ब. कांकेर (छ.ग.) अनावेदकगण (1) श्री अरूण सिंह भदौरिया पिता स्व. संकटा सिंह उम्र 69 वर्ष निवासी मेन रोड गादीरास, तहसील गादीरास, जिला सुकमा (छ.ग.) (2) श्रीमती प्रशीला पति श्री चन्द्रपाल सिंह कुशवाह, उम्र–71 वर्ष निवासी सिकन्दरा कानपुर देहात उ.प्र. (3) संतोष सिंह मृत विधिक वारिस पत्नी श्रीमती ज्ञानवती भदौरिया पति स्व. संतोष सिंह, उम्र 59 वर्ष निवासी बगीचापारा सुकमा, जिला सुकमा (छ.ग.) (4) श्री विनोद सिंह भदौरिया पिता स्व. संकटा सिंह, उम्र–59 वर्ष, निवासी बोधघाट कालोनी जगदलपुर जिला बस्तर (छ.ग.) (5) श्री प्राजल सिंह भदौरिया पिता स्व. अशोक सिंह उम्र 23 वर्ष, मेन रोड राजवाड़ा, सुकमा जिला सुकमा (छ.ग.) (6) श्री अनिल सिंह भदौरिया पिता स्व. संकटा सिंह उम्र–53 वर्ष निवासी बस स्टैण्ड के पास किरन्दुल जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.) वगैरह के विरूद्ध राजस्व अभिलेख में दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। ग्राम सुकमा प0ह0नं0 13/ सुकमा, राजस्व निरीक्षक मण्डल सुकमा, तहसील सुकमा में स्थित भूमि खसरा नंबर. 943 रकबा 0.220 हेक्टेयर भूमि आवेदिका के पिता स्व. संकटा सिंह पिता स्व. श्री रामचन्द्र सिंह के द्वारा स्वअर्जित भूमि है। उक्त भूमि को उनके वैध वारिसों में सामान बटवारा किया जाकर आवेदिका को उसका का भूमि और आवेदिका के द्वारा उक्त खसरे में से एक हिस्से में मकान का निर्माण किया है, आवेदिका को खाता विभाजन कर दिलाये जाने के लिए आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 178 छ.ग. भू–राजस्व संहिता के तहत् फार्म बी–1, किस्तबंदी खतौनी, खसरा पांचशाला, खसरा नक्शा की प्रति एवं अन्य दस्तावेज के साथ पेश किया गया है। उक्त खाता विभाजन के संबंध में आवेदन की आगामी सुनवाई दिनांक 09/04/2026 को नियत है। आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 09.04.2026 को न्यायालय तहसीलदार सुकमा को समय 11.00 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। उपस्थित नहीं होने की स्थिति में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जाकर प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी

प0क्रमांक/418/प्रस्तु./तह./2026 सुकमा, दिनांक 16/03/2026

तहसीलदार
सुकमा, जिला सुकमा

कार्यालय कलेक्टर / लाइसेंस प्राधिकारी, कानपुर नगर

संख्या–2530 / जि0आ0अ0–का0न0/व्यवस्थापन / 2026–27/ दिनांकः 25 मार्च, 2026

विज्ञप्ति

सम्बन्धित / अर्ह अनुज्ञापी देशी मदिरा दुकान निम्नवत् को सूचित किया जाता है कि आबकारी नीति वर्ष 2026–27 के प्रस्तर 1.1.3 (ख) के अनुसार आपकी देशी मदिरा दुकान की 03 कि0मी0 की परिधि में कोई कम्पोजिट शॉप अथवा मॉडल शॉप व्यवस्थित / संचालित नहीं है। अतः आबकारी नीति 2026–27 के उक्त प्रस्तर के अनुसार आपकी देशी मदिरा की फुटकर दुकान से बियर की बिकी को अनुमन्य किया जा सकता है। आबकारी नीति में उल्लिखित प्राविधानों के अनुसार वर्ष 2026–27 में सी0एल0–5सीसी अनुज्ञापन नवीनीकृत / प्रदान किये जाने हेतु अर्ह देशी मदिरा की दुकानों का विवरण निम्नवत् है–

क्र0 सं0	शॉप आई0डी0	देशी मदिरा दुकान का नाम	क्र0सं0	शॉप आई0डी0	देशी मदिरा दुकान का नाम
1	22518	कुरेह	12	23707	बरईगढ
2	22693	उठ्ठा	13	24189	बरनाव
3	22709	दलेलपुर	14	24216	बावन
4	22966	पिहानी	15	24371	कोरो
5	22994	कसिगवां	16	24417	बौहारा
6	23010	शाम्भी	17	24544	दौलतपुर (निमधा की सीमा तक)
7	23023	शुक्लापुर ए	18	24696	कटरी
8	23051	तरीपाठकपुर	19	24729	गोपालपुर साढ़
9	23265	भदेवना	20	35677	गदनपुर चोरसा
10	23481	पतरसा	21	35704	पारा रायब चौराहा
11	23617	कोटरा मकरंदपुर	22	36412	मनिहारपुर

इच्छुक अर्ह देशी मदिरा दुकान के अनुज्ञापीगण नवीनीकरण शुल्क रू0 2000/–, लाइसेंस फीस (लाइसेंस फीस–3) रू0 55,000/– एवं प्रतिभूति धनराशि रू0 5500/– जमा करते हुये वार्षिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व (एम0जी0आर0–सी0एल0 बीयर) रू0 6,45,000/– का त्रैमासिक विभाजन के अनुसार उपभोग सुनिश्चित करने के शपथ पत्र के साथ नवीनीकरण / नवीन सी0एल0–5सीसी अनुज्ञापन के लिये आवेदन पत्र जिला आबकारी अधिकारी, कानपुर नगर के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। इच्छुक अर्ह अनुज्ञापी/आवेदक विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी/क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षकों से प्राप्त कर सकते हैं।

(राजेश सिंह)
जिला आबकारी अधिकारी
कानपुर नगर

(जितेन्द्र प्रताप सिंह)
कलेक्टर / लाइसेंस प्राधिकारी
कानपुर नगर

सती अनुसुइया के चरित्र से दी संस्कारों की सीख

ककवन। ककवन कस्बे के ऐतिहासिक दुर्गा मंदिर परिसर में चैत्र नवरात्रि पर आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा का बीते दिन भावपूर्ण समापन हुआ। कथा के अंतिम दिन क्षेत्रीय श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ा। कथावाचक आचार्य आलोक पाण्डेय ने अपनी ओजस्वी वाणी से सती अनुसुइया के प्रसंग का वर्णन किया और समाज में गिरते नैतिक मूल्यों पर चिंता व्यक्त करते हुए संस्कारों के महत्व पर जोर दिया।

कहा कि सती अनुसुइया का पतिव्रत्य धर्म इतना अडिग था कि उन्हों ने अपनी शक्ति से त्रिदेवों (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) को बालक बना दिया था। कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी का चरित्र और उसकी तपस्या ही राष्ट्र की असली शक्ति है। सती अनुसुइया का जीवन हमें धैर्य, सेवा और अटूट विश्वास की प्रेरणा देता है।

कथा के दौरान आचार्य आलोक पाण्डेय ने वर्तमान पीढ़ी और अभिभावकों को संबोधित करते हुए एक गंभीर संदेश दिया। उन्होंने कहा आज की चकाचौंध वाली दुनिया में हम बच्चों को आधुनिक शिक्षा तो दे रहे हैं, लेकिन संस्कार पीछे छूट रहे हैं। यदि बच्चों को बचपन में ही सही आचरण और नैतिकता का पाठ नहीं पढ़ाया गया, तो समाज का भविष्य अंधकारमय होगा।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह से अपने स्वयं के व्यवहार में बदलाव लाने का आह्वान किया। आचार्य जी ने स्पष्ट किया कि बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने बड़ों को करते हुए देखते हैं।

जुल्फिकार इलेवन ने एडवोकेट इलेवन को हराया

घाटमपुर। स्व. सूर्यभान सिंह की स्मृति में आयोजित जीपीएल सीजन वन टूर्नामेंट में बुधवार को जुल्फिकार इलेवन ने एडवोकेट इलेवन को चार विकेट से हरा दिया।

जुल्फिकार इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग की एडवोकेट इलेवन ने पहले खेलते हुए 248 रनों का विशाल स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जुल्फकार इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैन ऑफ द मैच कपिल अवस्थी को भाजपा नेता विजय सचान द्वारा दिया गया।

ककवन सीएचसी में स्थापित हुई टू-नॉट मशीन, क्षय रोगियों को मिलेगी राहत

बिल्हौर। क्षय रोग उन्मूलन की दिशा में सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अत्याधुनिक टू-नॉट मशीन स्थापित की है। लगभग 9 लाख रुपये की लागत वाली इस मशीन के आने से अब टीबी के संदिग्ध मरीजों को जांच के लिए लंबा इंतजार नहीं करना होगा।

अब तक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी की जांच पारंपरिक स्लाइड और माइक्रोस्कोप पद्धति से की जाती थी। इस पुरानी प्रक्रिया में अक्सर मानवीय त्रुटि की गुंजाइश रहती थी, जिससे कई बार मरीजों की रिपोर्ट सटीक नहीं आ पाती थी। परिणामस्वरूप, सही समय पर बेहतर इलाज शुरू करने में बाधा आती थी। नई टू-नॉट मशीन डीएनए आधारित तकनीक पर काम करती है, जो न केवल संक्रमण की तुरंत पुष्टि करती है, बल्कि यह भी बताती है कि मरीज पर दवाइयों का कितना असर होगा। इससे मरीजों को तत्काल और बेहतर उपचार मिलना संभव होता है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष क्षेत्र में टीबी के लगभग 200 सक्रिय मरीज थे। वर्तमान सत्र में प्रभावी निगरानी और उपचार के कारण यह संख्या घटकर केवल 42 रह गई है। इसे टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सरकार की एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। हर सीएचसी पर ऐसी मशीनों की उपलब्धता से भविष्य में टीबी को जड़ से खत्म करने में मदद मिलेगी

नई मशीन दिखाते टेक्निशियन। अमृत विचार

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

(श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय, भारत सरकार)
क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर
भविष्य निधि भवन, सर्वोदय नगर कानपुर– 208005
दूरभाष: 0512-2217464, ई मेल: ro.kanpur@epfindia.gov.in,
वेबसाइट: www.epfindia.gov.in

पत्रांक–95/क.भ.नि.सं./क्षे.का./कानपुर/प्रेस विज्ञप्ति/2025–26/ दिनांक–23.03.2026

प्रेस विज्ञप्ति

निधि आपके निकट 2.0 प्रोग्राम का आयोजन

विदित है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा निजी, संगठित, असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों / कर्मचारियों एवं पेंशनरो की समस्याओं के निराकरण करने के लिए प्रत्येक माह की 27 तारीख को (अवकाश की स्थिति में अगले कार्यदिवसों में) निधि आपके निकट 2.0 को डिस्ट्रिक्ट आउटरीच प्रोग्राम के रूप में शुरू किया गया है।

इस हेतु दिनांक 27 मार्च 2026 को क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के परिक्षेत्र में आने वाले सभी 15 जिलों (औरैया, बाँदा, चित्रकूट, इटावा, फर्रूखाबाद, फतेहपुर, हमीरपुर, जालौन, झाँसी, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, ललितपुर, महोबा एवं उन्नाव) में क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर की 15 टीमें निधि आपके निकट 2.0 का आयोजन करेंगी, जहां पर उन क्षेत्रों में निवास करने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सदस्यों, पेंशनरों, नियोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास करेंगी। इस आयोजन में **प्रधान मंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PMVBRY), निष्क्रीय खाते, उपभोक्ता फोरम प्रकरण एवं कर्मचारी नामांकन अभियान (EEC), 2025** की विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी एवं APP के माध्यम से **स्वयं जीवन प्रमाण करना** भी बताया जायेगा। जिलेवार **''निधि आपके निकट 2.0''** प्रोग्राम के स्थल निम्न प्रकार हैं:–

जिला	आयोजन स्थल के नाम	नोडल अधिकारी का नाम	मोबाइल न.
औरैया	नगर पालिका, औरैया	श्रीमती रेनू नेगी	9935318776
बांदा	विद्यावती निगम मेमोरियल पब्लिक स्कूल, नारायणी रोड, बांदा	श्री धीरज श्रीवास्तव	8874556600
चित्रकूट	जिला स्वास्थ्य समिति, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, चित्रकूट	श्री संतोष कुमार गुप्ता	6392294076
इटावा	यशवर्धन चौरिटेबल सोसायटी, विजयपुरा, कचौरा रोड, इटावा	श्री राजेश कुमार सोनकर	7007717625
फर्रूखाबाद	मेसर्स राठौर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड, राजपुताना होटल के पास, फर्रूखाबाद	श्री राजेश कुमार मिश्रा	9454031217
फतेहपुर	मैसर्स राज राजेश्वरी टेक्नो फैब प्राइवेट लिमिटेड, चौडगरा, फ़तेहपुर	श्री गजेन्द्र तिवारी	9450221677
हमीरपुर	नगर पालिका परिषद, हमीरपुर	श्री संत राम	9451422743
जालौन	विकास भवन उरई, कक्ष संख्या–36, जालौन	श्री राहुल गुप्ता	8787202011
झांसी	मेसर्स बीएचईएल (भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड), झांसी	श्री अजय कुशवाहा	9161929448
कन्नौज	कन्हैयालाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मकरंद नगर, कन्नौज	श्री चन्द्र शेखर सिंह	6386066022
कानपुर देहात	डीआईसी कार्यालय, रनिया, कानपुर देहात	श्रीमती वंदना पाण्डेय	8009425395
कानपुर नगर	तिरुबाला इंटरनेशनल, सी–7, साइट 1, पनकी औद्योगिक क्षेत्र, कानपुर नगर	श्री संजय कुमार निगम	9839027917
ललितपुर	सी.एम.ओ. कार्यालय, सिविल लाइंस, ललितपुर	श्री प्रखर पुरवार	9617521403
महोबा	साहू इंटरनेशनल स्कूल, कबरई, महोबा	कु. नंदिनी राय	7309233628
उन्नाव	मैसर्स मिर्जा इंटरनेशनल लिमिटेड (यूनिट–II), प्लॉट नंबर 1221 से 1227 और 1265, सहजनी, मगरवारा, उन्नाव	श्री आलोक दीक्षित	8840007940

अतः कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सभी सदस्यों, पेंशनरो, नियोक्ताओं से अनुरोध है कि वह अपने जिले में आयोजित होने वाली निधि आपके निकट 2.0 प्रोग्राम में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निराकरण कराएं एवं किसी व्यक्ति के नियोक्ता/कंपनी/ठेकेदार/विभाग के द्वारा यदि पी.एफ. अधिनियम का लाभ नहीं दिया जा रहा है तो वह उसकी शिकायत भी कर सकता है।

(प्रतीश सिंह)
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त–II

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा आधार कार्ड में नाम इरशाद पुत्र मेहदी हसन अंकित है जो कि शुद्ध व सही है। इसे विधिक – विभागीय मान्यता प्रदान की जाए। इरशाद पुत्र मेहदी हसन निवासी ग्राम दाडवापुर रुरगांव कानपुर देहात

सूचना

मैने अपना नाम Shagun Srivastava से बदलकर Pratigya Srivastava कर लिया है। मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **Shagun Srivastava D/O Lavlesh Srivastava, R/O 32, Vrindavan Vihar, Kalyanpur, Vikas Nagar, District - Lucknow, Uttar Pradesh-226022.**

सूचना

मैने अपना नाम SAIRA BANO से बदलकर SAYRA BANO रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **W/O-MOHAMMAD RAFI ADD-BASAIHIYA TOLA, LAHARPUR, DIST -SITAPUR - 261135 (U.P)**

सूचना

मैं KAMLESH KUMAR पुत्र GAYA PRASAD, निवासी–43, सेक्टर–जे, एलडीए कालोनी, कानपुर रोड, आशियाना, लखनऊ, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर KAMLESH KUMAR YADAV S/O GAYA PRASAD YADAV कर लिया है, अतः आज से मुझे KAMLESH KUMAR YADAV S/O GAYA PRASAD YADAV के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

सूचित हो कि कुछ जगहों पर मेरा नाम त्रुटिवश MADHURI MISRA तथा जन्मतिथि 27.11.1953 अंकित है। जबकि मेरा सही नाम MADHURI MISHRA व जन्मतिथि 27.11.1954 है। अतः भविष्य में मुझे MADHURI MISHRA व जन्मतिथि 27.11.1954 नाम व जन्मतिथि से जाना व पहचाना जाये। **MADHURI MISHRA W/o RAVINDRA KUMAR MISHRA R/o 128/16 Y Block Kidwai Nagar, Kanpur.**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सत्यम शर्मा (नं0 5036851M RFN/GD), पुत्र श्री ओम प्रकाश शर्मा, वर्तमान में ग्राम कछपुरा, पोस्ट रुरुगंज, थाना बिधूना, तहसील बिधूना, जनपद औरैया के निवासी है। पूर्व में सरकारी अभिलेखों में उनका पता ग्राम मालूग्राम, पोस्ट मालूग्राम, मेला रोड, थाना सिलचर, तहसील सिलचर, जनपद कछार, पिन कोड 788002, राज्य असम अंकित था। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अब उनका वर्तमान पता ग्राम कछपुरा, पोस्ट रुरुगंज, थाना विधूना, तहसील विधूना, जनपद औरैया, पिन कोड 206249, राज्य उत्तर प्रदेश ही मान्य किया जाए तथा इसी पते को सेना अभिलेखों में दर्ज/संशोधित किया जाना प्रस्तावित है।

सार्वजनिक सूचना

यह कि भूखण्ड संख्या 312 ब्लाक ई स्कीम नम्बर द्वितीय सुजातगंज (श्याम नगर) कानपुर नगर के फ्री होल्ड विलेख दि0 02/09/2005 क्र0सं0 20030 के खोने के सम्बन्ध में सार्वजनिक सूचना समाचार पत्र अमृत विचार में दिनांक 24/03/2026 को प्रकाशित करवाया था, जिसमें त्रुटिवश भूखण्ड संख्या 313 अंकित हो गया था जो कि भूखण्ड संख्या 312 है। **भारत भटनागर एडवोकेट कार्यालय – कमरा नम्बर 14 द्वितीयतल मुदगल अधिवक्ता भवन सिविल कोर्ट कम्पाउण्ड कानपुर नगर, मो0: 9839034426**

सूचना

पहले मेरा नाम SHAFEEKUR RAHMAN था अब मैंने बदलकर अपना नाम SHAFIKUR RAHMAN रख लिया है। अब भविष्य में मुझे SHAFIKUR RAHMAN के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-ABDUL HANNAN R/O, H. NO. 210, VILL BAIJPUR, POST DEVARIYA ALAWAL, GONDA**

सूचना

मैं GULAM SABIR RAYEEN पुत्र श्री HAJI MOHAMMAD SIDDIQUE RAYEEN, निवासी मोहल्ला–सुटहटी, अमेठी, लखनऊ, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर GULAM SABIR S/O MOHD SIDDIQ कर लिया है, अतः आज से मुझे GULAM SABIR S/O MOHD SIDDIQ के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अनम (Anam), पत्नी आदिल जफर खान, निवासी गोरखपुर (उ.प्र.) यह घोषित करती हूँ कि विवाहोपरांत मैंने अपना नाम अनम से बदलकर अनम खान (Anam Khan) रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे सभी सरकारी/गैर–सरकारी अभिलेखों, दस्तावेजों में इसी नाम से ही जाना व लिखा जाए।

सुविचार

अत्याचार और अनाचार को सिर झुकाकर वे ही सहन करते हैं जिनमें नैतिकता और चरित्र का अभाव होता है।

- कमलापति त्रिपाठी

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- सेप्टिक टैंक की जहरीली गैस से पिता-पुत्र की मौत-II
- गैस संकट से 50 फीसदी उद्योग बंद-III
- 9 वर्ष में जिले की 252 परियोजनाएं हुईं पूरी-IV

कानपुर, गुरुवार, 26 मार्च 2026

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

कचहरी की सात मंजिला पार्किंग बनकर हुई तैयार

अगले माह हो सकती औपचारिक शुरुआत, वीआईपी रोड पर नहीं खड़े होंगे वाहन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

300 से अधिक चार पहिया वाहन खड़े होंगे

200 लगभग दो पहिया वाहन पार्क हो सकेंगे

48 करोड़ रुपये आई है निर्माण की लागत

अमृत विचार। कचहरी और पुलिस लाइन से लगी तहसील की भूमि पर आखिरकार बहुप्रतीक्षित मल्टी लेवल वाहन पार्किंग बनकर तैयार हो गई है। यह सात मंजिला पार्किंग स्मार्ट सिटी मिशन से 48 करोड़ रुपये लागत से बनाई गयी है। इसका निर्माण कार्य साल 2024 में शुरू किया गया था, डेडलाइन अगस्त, 2025 थी, लेकिन काम सात माह विलंब से पूरा हुआ है।

इस मल्टीलेवल पार्किंग में 300 से अधिक चार पहिया और करीब 200 दो पहिया वाहन पार्क किए जा सकेंगे। माना जा रहा है कि अगले माह से इस पार्किंग की औपचारिक शुरुआत हो सकती है, जिससे वीआईपी रोड और कचहरी मार्ग पर वाहन पार्क करने की व्यवस्था समाप्त हो जाएगी। वीआईपी रोड और कचहरी के चारों ओर लगने वाले यातायात जाम से निजात दिलाने के लिए कानपुर स्मार्ट सिटी के वित्त पोषण से सात मंजिला मल्टीलेवल पार्किंग बनाने का फैसला लिया गया था। कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 12वीं बोर्ड बैठक में इस काम को मंजूरी देकर गंगा इन्फ्राबिल्ट प्रा. लि. को काम का ठेका दिया गया था। पुरातत्व विभाग की आपत्ति के कारण मल्टीलेवल पार्किंग को तय स्थान से 10 मीटर पीछे हटाते हुए बनाया गया है। मल्टीलेवल कार पार्किंग के बेहतर एवं कुशल संचालन के लिए आपरेशन एवं मेन्टीनेंस ऑपरेटर का चयन किया जा रहा है। इसके लिए तैयार आरएफपी की एचबीटीयू वेटिंग कर रहा है।

बनकर तैयार पार्किंग। अमृत विचार

अभी वीआईपी रोड पर इस तरह खड़े होते हैं वाहन। अमृत विचार

ग्रामीण अंचलों को शहरी क्षेत्रों से जोड़ने के लिए चलेंगी निजी बसें

- ग्राम पंचायत चुनाव से पहले योगी सरकार ने फेंका पासा
- प्रातः 6 बजे से रात 8 बजे तक गांव-गांव पहुंचेंगी प्राइवेट बसें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के शासनकाल में उत्तर प्रदेश में लोहिया ग्रामीण बस सेवा शुरू की गई थी और अब योगी सरकार की ओर से ग्राम पंचायत चुनाव से पहले ग्रामीण अंचल तक मजबूत पकड़ बनाने के उद्देश्य से तहसील, ब्लॉक, गांवों एवं शहरी क्षेत्रों को ग्रामीण अंचलों से जोड़ने के लिए बसें चलाने की योजना बनाई है। ये रोडवेज बसें प्रातः 6 बजे से रात 8 बजे तक संचालित होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि ये बसें परिवहन की नहीं बल्कि प्राइवेट बसों मौका दिया जा रहा है। कानपुर में भी इसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना 2026 के तहत गांवों को ब्लाक, तहसील और जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए सुगम और सुरक्षित बस सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में योगी सरकार ने ये कदम उठाया है। प्राइवेट बसों का संचालन कैसे करना है। इस संबंध में संभागीय परिवहन कार्यायल में बैठक हुई, जिसमें कानपुर के संभागीय परिवहन अधिकारी राकेंद्र कुमार सिंह (प्रशासन) एवं राहुल श्रीवास्तव (प्रवर्तन) के अतिरिक्त, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन आलोक कुमार एवं प्रवर्तन के एआरटीओ विंध्याचल गुप्ता के अतिरिक्त परिवहन के कई अधिकारी एवं उत्तर प्रदेश बस आपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव पाठक, संजय कुमार वाजपेयी आदि मौजूद रहे। तय हुआ कि प्राइवेट बसों को ग्रामीण अंचलों में संचालित किया जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधन की कमी का पटापेक्ष हो सके।

योजना का उद्देश्य

- ग्राम पंचायतों को ब्लाक, तहसील और जिला मुख्यालय से जोड़ना।
- ग्रामीण क्षेत्रों के फल, सब्जी व अन्य कारोबार को बढ़ावा देना।
- ग्रामीण क्षेत्रों को सीधे शहरी क्षेत्र से कनेक्टिविटी देना।
- ये बसें प्रातः 6 बजे से रात 8 बजे तक संचालित की जाएंगी।
- दिव्यांगजनों के लिए बसों के पायदान लो होंगे।
- दिव्यांजनों के लिए बसों में दो सीटें भी आरक्षित होंगी।

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना 2026 के मानक

- इस योजना के तहत खरीदी गई बसों की खरीद पर सब्सिडी भी मिलेगी।
- बस में परमिट और मोटर वाहन कर (टैक्स) के भुगतान का प्रमाणपत्र होना चाहिए।
- परमिट के साथ ऑथराइजेशन स्लिप भी बस स्वामी के पास होना अनिवार्य है।
- बस आपरेटरों को सख्त सुरक्षा उपायों का पालन करना होगा।
- बसें कम पायदान वाली हों ताकि ग्रामीणों, विशेषकर दिव्यांगजनों के लिए चढ़ना आसान हो।
- बसें गांव से ब्लॉक, तहसील, जिला मुख्यालय तक की कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।
- 2026 में उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव को इस योजना से जोड़ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 का मकसद ग्रामीण अंचलों में ब्लाक, तहसील, जिला मुख्यालय को आपस में जोड़ना है। अभी जनपद के दूरदराज गांवों में कोई संसाधन नहीं होने के कारण ग्रामीणों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। ये बसें ग्रामीणों के लिए वरदान साबित होंगी।

-राकेंद्र कुमार सिंह, आरटीओ (प्रशासन) कानपुर नगर

अष्टम महागौरी

मां दुर्गा की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है। दुर्गापूजा के आठवें दिन महागौरी की उपासना का विधान है। इनकी शक्ति अमोघ और सद्य: फलदायिनी है। इनकी उपासना से भक्तों के सभी कल्मष धुल जाते हैं। पूर्वसंचित पाप भी विनष्ट हो जाते हैं। भविष्य में पाप, संताप, दैन्य-दु:ख उसके पास कभी नहीं जाते। वह सभी प्रकार से पवित्र और अक्षय पुण्यों का अधिकारी हो जाता है। देवी महागौरी की पूजा से राहु का बुरा प्रभाव खत्म होता है।

बीज मंत्र...

माँ महागौरी: श्री क्लीं ह्रीं वरदायै नमः

सिटी ब्रीफ

हैदराबाद, नई दिल्ली के लिए विशेष ट्रेन

कानपुर। रेलवे ने बरौनी से नई दिल्ली के मध्य दैनिक विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। उत्तर मध्य जोन के पीआरओ मनोज कुमार ने बताया कि गाड़ी संख्या 07075 हैदराबाद-गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल का अवधि का विस्तार किया गया है। यह गाड़ी 27 मार्च तक संचालित होनी थी, जो अब 3,10,17 व 24 अप्रैल को भी संचालित होगी। गोरखपुर से 5, 12, 19 और 26 अप्रैल को हैदराबाद के लिए प्रस्थान करेगी।

नई दिल्ली से कटिहार तक विशेष ट्रेन कल

कानपुर। रेलवे ने यात्रियों की भीड़ को देखते हुए नई दिल्ली से गोविंदपुरी होते हुए कटिहार तक विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। यह विशेष ट्रेन 27 मार्च को नई दिल्ली से चलेगी, जबकि कटिहार से 28 मार्च को रवाना होगी।

सर्वोदय नगर में ही रहेगा श्रम विभाग का मुख्यालय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- लखनऊ शिफ्टिंग की अटकलों पर लगा विराम, शासन से नहीं मिला कोई आदेश

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश के श्रमायुक्त कार्यालय को लखनऊ स्थानांतरित किए जाने की चर्चाओं के बीच अब स्थिति स्पष्ट हो गई है। शासन स्तर से मुख्यालय के स्थानांतरण को लेकर कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। ऐसे में श्रम विभाग का मुख्यालय फिलहाल कानपुर में ही संचालित होता रहेगा। इस जानकारी के बाद विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों में राहत का माहौल है।

श्रमायुक्त कार्यालय जीटी रोड स्थित सेवायोजन कार्यालय के पास बने भवन से संचालित हो रहा है और आगे भी विभागीय कार्य यहीं से किए जाएंगे। पिछले कुछ समय से मुख्यालय लखनऊ स्थानांतरित किए जाने की चर्चाएं सामने आ रही थीं, जिसे लेकर श्रम संगठनों ने भी विरोध दर्ज कराया था। विभागीय सूत्रों के मुताबिक मुख्यालय के स्थानांतरण को लेकर शासन स्तर से कोई आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसे में विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी यथास्थान कार्य करते रहेंगे। किसी भी कर्मचारी या अधिकारी के आवास को हटाया नहीं जाएगा, अधिकांश कर्मचारी और अधिकारी कानपुर के ही निवासी हैं। मुख्यालय परिसर में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए बने आवास तथा पास स्थित श्रम निकुंज में अधिकारियों के रहने की व्यवस्था पहले की तरह बनी रहेगी। इन आवासों में भी किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। मुख्यालय के कानपुर में ही बने रहने से विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों ने राहत की सांस ली है।

अब 6 अप्रैल को केस्को की जनसुनवाई

कानपुर। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने केस्को के टैरिफ जनसुनवाई की तारीख में बदलाव किया है। अब जनसुनवाई 27 मार्च की जगह 6 अप्रैल को सुबह 11 बजे से आर्य नगर स्थित पालिका स्टेडियम में होगी। आयोग ने उपभोक्ताओं और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे सुनवाई में सुझाव, आपत्तियां और विचार साझा करें।

हिन्दू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

शारदीय या चैत्र नवरात्रि के आठम दिन अष्टमी को आठम या अठमी भी कहते हैं। नवरात्रि की अष्टमी को महाष्टमी या दुर्गाष्टमी कहते हैं जो कि बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। इस दिन माता के आठवें रूप महागौरी की पूजा और आराधना की जाती है। आओ जानते हैं कि महा अष्टमी का क्या है विशेष महत्व। 1. नवरात्रि के 8वें दिन की देवी मां महागौरी हैं। मां गौरी का वाहन बैल और उनका शस्त्र त्रिशूल है। परम कृपालु मां महागौरी कठिन तपस्या कर गौरवर्ण को प्राप्त कर भगवती महागौरी के नाम से संपूर्ण विश्व में विख्यात हुईं। भगवती महागौरी की आराधना सभी मनोवांछित कामना को पूर्ण करने वाली और भक्तों को अभय, रूप व सौंदर्य प्रदान करने वाली है अर्थात शरीर में उत्पन्न नाना प्रकार के विष व्याधियों का अंत कर जीवन को सुख-समृद्धि व आरोग्यता से पूर्ण करती हैं। 2. कलावती नाम की यह तिथि जया संज्ञक है। मंगलवार की अष्टमी सिद्धिदा और बुधवार की मृत्युदा होती है। इसकी दिशा ईशान है। ईशान में शिव सहित सभी देवताओं का निवास है इसीलिए इस अष्टमी का महत्व अधिक है। यह तिथि परम कल्याणकारी, पवित्र, सुख को देने वाली और धर्म की वृद्धि करने वाली है।

3. अधिकतर घरों में अष्टमी की पूजा होती है। देव, दानव, राक्षस, गंधर्व, नाग, यक्ष, किन्नर, मनुष्य आदि सभी अष्टमी और नवमी को ही पूजते हैं।

4. कथाओं के अनुसार इसी तिथि को मां ने चंड-मुंड राक्षसों का संहार किया था।

5. नवरात्रि में महाष्टमी का व्रत रखने का खास महत्व है। मान्यता अनुसार इस दिन निर्जला व्रत रखने से बच्चे दीर्घायु होते हैं।

6. अष्टमी के दिन सुहागन औरतें अपने अचल सुहाग के लिए मां गौरी को लाल चुनरी जरूर चढ़ाती हैं।

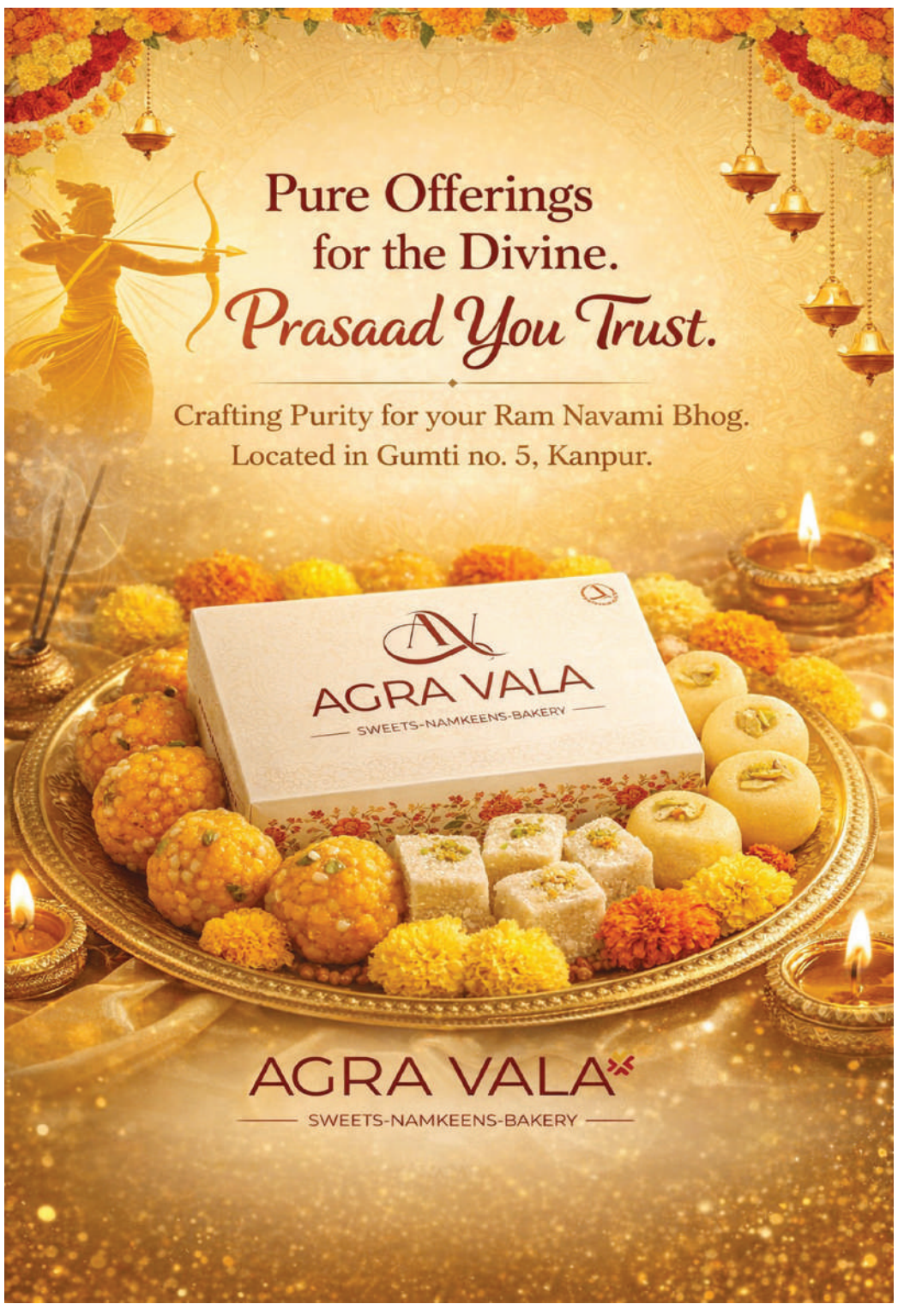

सिटी ब्रीफ

कैंटीन में सिलेंडर लीक होने से भड़की आग

कानपुर। बर्रा के शास्त्री चौक स्थित शराब ठेके की कैंटीन में गैस सिलेंडर में लीकेज से अचानक आग लग गई जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की आवाज सुनकर पहुंचे ठेके के सेल्समैनों ने अग्निशामक यंत्र की मदद से आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा लेने से बड़ा हादसा टल गया और वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। बर्रा थानाप्रभारी रवींद्र कुमार श्रीवास्तव ने घटना की जानकारी नहीं होने की बात की।

सात अपराधी 6 माह के लिए हुए जिलाबदर

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने सात अपराधियों को जिलाबदर किया है। पुलिस ने बताया कि बिल्हौर पुलिस ने आरोपी शिवम उर्फ शिवम कटियार, बिठूर पुलिस ने आदित्य उर्फ गुलई, पनकी पुलिस ने राहुल उर्फ मलखान शंखवार, कल्याणपुर पुलिस ने विनीत शर्मा उर्फ बऊवा उर्फ बरूआ, रावतपुर पुलिस ने देवांश उर्फ दानव उर्फ कृष्णा, ग्वालटोली पुलिस ने मोहित पाल, चौबेपुर पुलिस ने ब्रजेंद्र सिंह उर्फ विजेंद्र उर्फ आदी यादव उर्फ हिमांशू को छह माह के लिए जिलाबदर किया गया है।

फाल्ट ठीक करते गिरा कर्मी, थम गईं सांसें

कानपुर। महाराजपुर के रहनस निवासी 51 वर्षीय राजू केस्को में सविंदा पर लाइनमैन थे। परिवार में पत्नी विनीता, दो बेटी और एक बेटा हैं। परिजनों ने बताया कि बीती आठ मार्च को वह नवोदय विद्यालय के पास स्थित 11 हजार वोल्टेज की केबिल में फाल्ट को ठीक करने गए थे। तभी करंट की चपेट में आकर वह सीढ़ी से नीचे गिरकर घायल हो गए। साथियों की सूचना पर परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई।

बाइक सवार बदमाशों ने लूटा मोबाइल

कानपुर। गुजैनी के जरौली इलाके में सोमवार देर रात फोन पर बात करते हुए घर जा रहे युवक से बाइक सवार बदमाशों ने झपट्टा मारकर मोबाइल लूट लिया और भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू की है। जरौली गांव निवासी मनोज सिंह प्रॉपर्टी डीलर हैं और घर से कुछ दूरी पर उनका कार्यालय है। वह रात करीब 11:30 बजे कार्यालय से पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक परिचित का फोन आने पर वह मोबाइल पर बात करने लगे। जैसे ही वह चौरसिया आटा चक्की के पास पहुंचे, तभी पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों में से एक ने झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन लिया। दोनों तेज रफ्तार में बाइक भगाकर फरार हो गए। पीड़ित की सूचना पर गुजैनी पुलिस ने मामले की जांच की। थाना प्रभारी राजन शर्मा ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सड़क पर मिला रिक्शा चालक का शव

कानपुर। जूही में ओ-ब्लॉक सब्जी मंडी के पास बुधवार दोपहर सड़क किनारे रिक्शा चालक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की। जूही थाना प्रभारी केके पटेल ने बताया कि मृतक की पहचान सिद्धार्थनगर के खीसरहा धोरारा निवासी राधेश्याम उर्फ राधे के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 56 वर्ष होगी। परिजनों के अनुसार वह लंबे समय से बीमार था और इसी कारण उसकी मौत हुई। मौके पर मौजूद मृतक की बहन कान्ति ने इलाज के पर्चे भी पुलिस को दिखाए। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

सेप्टिक टैंक की जहरीली गैस से पिता-पुत्र की मौत

गोवा गार्डन स्थित शिव कृपा अपार्टमेंट में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय हुआ हादसा, इलाज से तीसरे की हालत सुधरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर में अपार्टमेंट के सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस से पिता-पुत्र की मौत हो गई, जबकि तीसरे व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना बुधवार तड़के तीन बजे की है। पिता-पुत्र नीचे ज्यादा गहराई में चले गए थे, वहीं तीसरा व्यक्ति कुछ ऊपर था। सूचना पर पहुंची पुलिस, एसडीआरफ, फायर ब्रिगेड टीम ने एक घंटे रेस्क्यू कर तीनों को निकाला और अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने दो को मृत बताया। टीम ने रेस्क्यू के दौरान टैंक में पानी डालकर गैस के प्रभाव को कम किया। जिससे आसपास गैस नहीं फैली। सूचना पर डीसीपी वेस्ट, एसीपी कल्याणपुर, सीएफओ पहुंचे। पिता-पुत्र की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

कर्नलगंज के बकरमंडी आला बक्श की तकिया निवासी 52 वर्षीय मो. जाबेद, 21 वर्षीय अपने बेटे मो. आबिद व दामाद इरफान के साथ कल्याणपुर के गोवा गार्डन में बने शिव कृपा अपार्टमेंट में सेप्टिक टैंक साफ करने पहुंचे थे। इरफान के अनुसार मंगलवार रात करीब 12 बजे उन्होंने पूरा सेटअप लगाया। इसके बाद वह तीनों लोग टैंक के अंदर सफाई करने उतरे। पहले राउंड की सफाई करने के बाद तीनों बाहर निकल आए। इसके बाद तड़के करीब तीन बजे दोबारा सफाई के लिए सेप्टिक टैंक में उतरे।

दूसरे राउंड में ससुर व साला गहराई में चले गए। जिससे दोनों वहां फंस गए। इरफान के अनुसार काफी देर आहट न मिलने पर वह भी नीचे गया। नीचे जाते ही उसका सिर चकराने लगा तो तुरंत बाहर निकल आया और तत्काल डॉयल 112 पर सूचना दी। इरफान ने बताया कि टैंक से जहरीली गैस निकल रही थी। सूचना पर कल्याणपुर थाने का फोर्स पहुंचा। कुछ देर बाद एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार, डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी, एसडीआरएफ व फायर ब्रिगेड टीम पहुंची। टीमों ने मिलकर रेस्क्यू चलाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद टीम ने दोनों को बाहर निकाला व तत्काल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत बता दिया। मौत की खबर पर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजा।

परिजनों से घटना के बारे में जानकारी करती पुलिस। अमृत विचार

रेस्क्यू करने पहुंची एसडीआरएफ टीम। अमृत विचार

बेहोश होकर गिरी पत्नी, फफक पड़े परिजन

- बकरमंडी निवासी जाबेद के परिवार में पत्नी सूफिया, 12 साल का छोटा बेटा अब्दुल्ला व बेटी मंत्शा है। जिसकी शादी हो चुकी है। मां-बेटी अस्पताल पहुंचीं तो परिवार का दो शव देखकर चींख पड़ीं। सूफिया रोते-रोते बेहोश हो गईं। यहीं हाल बेटी का रहा। अब्दुल्ला के आंसू भी नहीं रुके। परिजनों ने किसी तरह शांत कराया।

लापरवाही के कारण होते रहे हादसे

- सेप्टिक टैंक में उतरने व जहरीली गैस की चपेट में आकर मौतों का मामला कोई पहला नहीं है। पहले भी लापरवाही के कारण ऐसे हादसे हुए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार पिता-पुत्र की मौत जहरीली गैस की वजह से हुई है। मीथेन व पानी का संपर्क होने से जहरीली गैस उत्पन्न होने लगती है। इसके प्रभाव से दोनों को फेफड़े व हार्ट जवाब दे गए।

टैंक की सफाई के समय बरतें सावधानी

- टैंक में नीचे जहरीली गैस से बचने के लिए उतरने से पहले सुरक्षा के तौर पर मास्क, चश्मा, दस्ताना आदि का प्रयोग करें।
- सेप्टिक टैंक का ढक्कन खोलने के बाद तुरंत न उतरें, पहले गैस को बाहर निकलने दें। इसलिए कुछ देर ढक्कन खुला छोड़ें।
- कोशिश करें की टैंक के अंदर उतरे बिना ही सफाई का प्रयास करें। मशीन से भी सफाई की जा सकती है। चेन के रूप में उतरें। एक साथ नहीं।
- हमेशा अनुभवी ठेकेदार से ही सफाई कराए। कठोर रसायनों का उपयोग न करें, क्योंकि यह अच्छे बैक्टीरिया को मारने के साथ नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- इस बात का ध्यान रखे कि टैंक का निकास खुला होना चाहिए, जिससे गैस बाहर निकल सके। प्लास्टिक आदि टैंक में न डालें।

- **पुलिस, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड टीम ने रेस्क्यू कर बाहर निकाला, शव देख मचा कोहराम**

मो. आबिद।

मो. जावेद।

कर्नलगंज के तीन लोग देर रात में शिव कृपा अपार्टमेंट में सेप्टिक टैंक की सफाई कर रहे थे। तड़के दूसरे राउंड की सफाई शुरू होने पर दो लोग गहराई में चले गए, तभी हादसा हुआ है। एक युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गहराई में गए दोनों पिता-पुत्र को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जांच-पड़ताल की जा रही है।

-आशुतोष कुमार, एसीपी कल्याणपुर

आत्महत्याएं रोकने के लिए अब फोन पर काउंसिलिंग

- **आईआईटी की ओर से 24 घंटे फोन पर बात करेंगे काउंसलर**

कानपुर। आत्महत्या जैसे कदम रोकने के लिए आईआईटी कानपुर ने बड़ा फैसला किया है। संस्थान में अब 24 घंटे काउंसिलिंग सुविधा संभव हो सकेगी। इसके लिए संस्थान की ओर से हरी झंडी मिल गई है।

इस सुविधा के तहत छात्र व संस्थान से जुड़े सभी सदस्य किसी भी समय काउंसिलिंग के लिए फोन कर सकेंगे। उधर एक अन्य निर्णय में संस्थान के पंखों में स्प्रिंग लगाई जाएगी। यह स्प्रिंग पंखे के रॉड को हटाकर लगाए जाने का निर्णय लिया गया है। संस्थान के सीएमएचडब्लू के एडमिन हेड प्रो सुधाशू शेखर सिंह ने बताया कि संस्थान में काउंसिलिंग की सुविधा के लिए पहले से ही संसाधन व सुविधाएं मौजूद हैं। इन सुविधाओं को संस्थान की ओर से विस्तार दिया गया है। खास बात यह है कि सुरक्षा के कदम उठाते हुए पंखों में 'स्प्रिंग लोडेड डिवाइस' लगाई जाएगी। यह डिवाइस सभी 15 हॉस्टल के कमरों में लगाई जानी है। 24 घंटे फोन पर काउंसिलिंग की सुविधा शुरू होने के बाद से विशेषतौर पर छात्रों को समस्याएं होने पर तुरंत ही फोन पर काउंसलर से संपर्क कर सकेंगे।

महिला को ट्रक ने रौंदा, मौके पर मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **पति-पत्नी, बेटे के साथ रेस्टोरेंट में खाना खाने जा रह थे, तभी रास्ते में हुआ हादसा**
- **पिता-पुत्र सुरक्षित, ट्रक चालक को पकड़कर भीड़ ने पीटा व पुलिस के हवाले किया**

अमृत विचार। चकेरी में ईद के बाद परिवार संग रेस्टोरेंट जा रहे बाइक सवार को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक की ठोकर से पिता-पुत्र संभल गए, लेकिन महिला दूसरी तरफ गिर गई। भागने के प्रयास में ट्रक ने कुचल दिया। जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद लोग व राहगीरों ने ट्रक चालक को पकड़कर जमकर पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

शुजातगंज के नई बस्ती निवासी मो. शकील सिलाई कारीगर हैं। परिवार में बेटा उजैर व हुसैन और 35 वर्षीय पत्नी शबाना थीं। परिजनों ने बताया कि ईद के बाद मंगलवार को शकील ने पत्नी व बेटे हुसैन के साथ रोस्टोरेंट जाने का मन बनाया था। तीनों बाइक से रात करीब आठ बजे श्यामनगर स्थित छप्पनभोग रेस्टोरेंट जा रहे थे। भाई मो. इमरान ने बताया कि तीनों श्यामनगर चौकी के समीप ही पहुंचे थे, तभी पीछे से आए एक रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। बाइक लहराई, लेकिन शकील ने खुद व बेटे को संभाल लिया।

जबकि पीछे सीट पर बैठी भाभी दूसरी तरह गिर गईं। कुछ कदम दूर जाकर दोनों भी गिरे, लेकिन बाल-बाल बच गए। इसके बाद भागने के चक्कर में चालक शबाना को कुचलते हुए निकला गया। हादसा देखकर लोगों की भीड़ जुट गई और ट्रक छोड़कर भागे चालक को दौड़ाकर पकड़ लिया। चालक को जमकर पीटने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शकील से पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज के कार्रवाई की जाएगी। चालक हिरासत में है। पिता-पुत्र को मामूली खंरोच आई थी।

शबाना।

ई-रिक्शों को 31 मार्च ही तक मिलेगी छूट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कानपुर। अपने शहर में ई रिक्शों की भरमार है, लाखों की संख्या में ई रिक्शा सिर दर्द बने हैं, लेकिन सरकार ने ई रिक्शों को बेरोजगारों को रोजगार देने से जोड़ दिया है, जिससे ई रिक्शों पर लगाम लगाना अब आसान नहीं है। यही कारण है कि अब ई रिक्शों को व्यवस्थित करने पर ही अधिकारी अधिक जोर दे रहे।

डीपीसी ट्रैफिक रवींद्र कुमार के मुताबिक शहर के 27 थानों एवं एसीपी यातायात कार्यालय में ई रिक्शों को क्यूआर कोड आवंटित करने के लिए विशेष काउंटर लगाये गये हैं। ये काउंटर 31 मार्च क्यूर कोर्ड देंगे और फिर उसके बाद 1 अप्रैल से ई रिक्शों पर शिकंजा कसा जाएगा। डीसीपी ट्रैफिक का कहना है कि नई व्यवस्था के अनुरूप ही ई रिक्शों का संचालन होगा।

डग्गामारी के खिलाफ खोला मोर्चा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **राष्ट्रीय मार्गों पर निजी बसों के संचालन से परिवहन को घाटा**

16 अप्रैल से तीन दिनों तक गेट मीटिंग, फिर धरना प्रदर्शन

अमृत विचार। छोटे बड़े डग्गामार वाहनों के चलते उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को हर माह करोड़ों रुपये की चपत लग रही है। डग्गामारी के विरोध और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 16 अप्रैल से परिवहन कर्मियों ने धरना प्रदर्शन, गेट मीटिंग के उपरांत बसों का चक्काजाम और प्रदेश स्तर पर आंदोलन की धमकी दी गई है।

उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद का चुन्नीगंज बस अड्डे पर समारोह आयोजित किया गया जिसमें परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष गिरजा शंकर तिवारी एवं महामंत्री गिरीश चंद्र मिश्रा प्रमुख रुप से मौजूद रहे। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी व कर्मचारियों को परिवहन निगम व संगठन की बेहतरी के लिए संकल्प दिलाया गया और परिवहन अधिकारियों को 14 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा कि आंदोलन की नोटिस प्रबंध निदेशक को दी जा चुकी है। आशीष मिश्रा, वेद रतन वर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष अरविंद कुरील, सुरेंद्र सिंह सेंगर, अशोक गुप्ता, अयाज अहमद, अखिलेश मिश्रा ,प्रेम नारायण शर्मा, जयचंद प्रकाश ,सुनील भारती ,मनोज कुमार सिंह,राजेंद्र पाल, दिनेश यादव,अखिलेश द्विवेदी आदि रहे।

चुन्नीगंज बस अड्डे पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे प्रांतीय अध्यक्ष। अमृत विचार

भाजपा की दक्षिण के मंडल प्रभारी घोषित

कानपुर। भाजपा दक्षिण इकाई के जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने नवनियुक्त मंडल प्रभारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी लोग बैठकों और कार्यकर्ताओं के साथ सीधे संवाद की जिम्मेदारी संभालेंगे। जिलाध्यक्ष ने कानपुर दक्षिण जिले की तीन विधानसभाओं के 13 मंडलों के प्रभारियों के नामों की घोषणा कर दी। जिन्हें प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। इनमें किदवई नगर- प्रवीण गुप्ता, निराला नगर- जितेन्द्र सचान, जूही- शशांक मिश्रा, बर्रा- शिवम मिश्रा, श्यामनगर- विक्रम पण्डित, ओमपुरवा- एलबी सिंह पटेल, छावनी- सुरेन्द्र सिंह चौहान (राजन), बाबूपुरवा- प्रवीण मिश्रा, जरौली- वीरेन्द्र दिवाकर, यशोदा नगर- पवन दीक्षित, रामादेवी- विनय मिश्रा, हरजेन्दर नगर- अंकित गुप्ता, सरसौल- सुरेन्द्र प्रताप सिंह चौहान को जिम्मेदारी दी गई है।

रेलवे क्रॉसिंग का बूम टूटा, जाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **जरीब चौकी से गुमटी नंबर पांच और कोकाकोला चौराहा क्रासिंग तक लगा रहा भीषण जाम**
- **नजीराबाद थाने के सामने भी घंटों फंसा रहा यातायात, हजारों लोग जाम में फंसकर परेशान रहे**

अमृत विचार। बुधवार को शहर के विभिन्न मार्गों पर भीषण जाम लगा जिससे हजारों लोग घंटों जाम में फंसे रहे। उधर फरुखाबाद रेलमार्ग पर रोजगार दफ्तर रेलवे क्रासिंग का गेट अज्ञात वाहन ने टक्कर मारकर तोड़ दिया जिससे गेट खुल नहीं पाया और लोगों को दिक्कत हुई।

बुधवार को जीटी रोड भीषण जाम में फंसा रहा। सबसे ज्यादा जीटी रोड पर जरीब चौकी क्रासिंग, कालपी रोड, गुमटी नंबर पांच, कोका कोला क्रासिंग, नजीराबाद थाना मार्ग समेत विभिन्न मार्गों पर भीषण जाम लगा। इसी प्रकार स्कूल छूटने के बाद परेड, माल रोड, वीआईपी रोड भी जाम में फंसा। देर शाम एक्सप्रेस रोड, घंटाघर, टाटमिल चौराहा, झकरकटी बस अड्डा के सामने, जूही ढाल रोड भी जाम में फंसा रहा।

रोजगार दफ्तर रेलवे क्रासिंग का टूटा बूम। अमृत विचार

दुष्कर्म पीड़िता को मिले मुआवजा

कानपुर। बीते 16 तारीख को जिले के कठेरूआ में हुए दुष्कर्म के आरोपियों को फांसी दिलाने की मांग हुई। बुधवार को वीर शिरोमणि महाराजा बिजली पासी जन कल्याण समिति ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। समिति ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट, परिवार को एक करोड़ मुआवजा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी, मृत बच्ची के पिता को पिस्टल का लाइसेंस व आरोपियों के घरों में बुलडोजर चलाने की मांग की है। इस दौरान पुष्पा पासवान, खागल पासी, अशोक पासवान, राजेश्वर सिंह, संजीव सिंह, विजयवीर पासी, अधिवक्ता मनोज वर्मा आदि रहे।

कारगिल पार्क झील में मिला किशोर का शव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **मंगलवार सुबह से लापता था किशोर, मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा**
- **परिजनों का आरोप, जब बिना टिकट प्रवेश नहीं मिलता तो अंदर कैसे जाने दिया**

अमृत विचार। स्वरूपनगर स्थित कारगिल पार्क झील में बुधवार सुबह किशोर का शव उतराता दिखा तो हड़कंप मच गया। पता चला किशोर मानसिक अस्वस्थ था और अपने मामा के घर रह रहा था। वह मंगलवार सुबह से लापता था। परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। परिजनों ने नगरनिगम कर्मियों पर आरोप लगाया है। कहा कि जब बिना टिकट प्रवेश नहीं मिलता तो बेटे को कैसे प्रवेश दिया। वहीं नगरनिगम ने भी बिना टिकट चुपके से दूसरी तरफ से घुसने का आरोप लगाया है। स्वरूपनगर पुलिस जांच कर रही है।

बिठूर के चौधरीपुर निवासी बाबू सिंह यादव के परिवार में पत्नी पिंकी और 13 वर्षीय बेटा शिवओम था। शिवओम मानसिक अस्वस्थ था। पिंकी के भाई अभिनेष यादव के अनुसार बाबूसिंह ने 10 साल पहले बहन व भांजे को छोड़ दिया था। तबसे दोनों उनके पास रहते हैं। अभिनेष के परिवार में उनकी पत्नी भावना है। उसने बताया पिंकी व शिवओम स्वरूप नगर जैन मंदिर के पास रहते थे। शिवओम मंगलवार सुबह करीब 11 बजे घर से अचानक लापता हो गया था। इसका पता चलने पर परिजन उसकी खोजबीन में जुट गए। आसपास के घरों, इलाके में उसकी तलाश की गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इस पर बुधवार सुबह पुलिस को भांजे के लापता होने की सूचना दी। तब पता चला कि मिलती-जुलती उम्र के किशोर का शव कारगिल पार्क झील में उतराता मिला है। परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, जहां चीख-पुकार मच गई।

पुलिस व नगर निगम पर लगाया आरोप

- अभिनेष की पत्नी भावना ने बताया कि तीन साल पहले भी शिवओम कहीं चला गया था। तब स्वरूप नगर थाने में गए थे। उस समय पुलिस ने कहा था कि 24 घंटे बाद आना, लेकिन उससे पहले ही वह घर आ गया था। यही कारण है कि इस बार भी जब शिवओम लापता हुआ तो 24 घंटे का इंतजार कर रहे थे। उसके बाद थाने गए तो शव मिला। वहीं परिजनों ने नगरनिगम पर भी आरोप लगाया कि बिना टिकट प्रवेश नहीं मिलता तो शिवओम को अंदर कैसे जाने दिया गया। वहीं नगरनिगम का कहना है कि किशोर कूड़ाघर के पास से चुपके से अंदर घुसा है।

भाई समझ सफाई कर्मी ने तलाशा था

- झील व परिसर में नौकरी करने वाले सफाईकर्मी समेत अन्य ने बताया कि किशोर कूड़ाघर के पास से घुसकर आया था। वह जब झील में गिरा तो समीप ही मौजूद सफाईकर्मी ने सोचा उसका भाई गिरा है। इसलिए वह कूदा था, मगर काफी तलाश के बाद सफल नहीं हुआ। इसी बीच उसका भाई दिखा गया तो वह भी शांत हो गया। अगले दिन शव उतराता मिलने पर सीसीटीवी खंगाला गया तो किशोर दूसरे रास्ते से आता दिखा है।

शहादत को सलाम | त्याग, बलिदान व सामाजिक समरसता के आदर्शों को याद कर मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

गोष्ठी में याद आई विद्यार्थी जी की बलिदानी गाथा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महान स्वतंत्रता सेनानी और निर्भीक पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी की पुण्यतिथि पर बुधवार को महानगर कांग्रेस की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। तिलक हाल में आयोजित गोष्ठी में कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके त्याग, बलिदान और आदर्शों को स्मरण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता शंकर दत्त मिश्रा ने की, जबकि संचालन उपाध्यक्ष रितेश यादव ने किया। पूर्व जिलाध्यक्ष हरप्रकाश अग्निहोत्री ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी ने अपना पूरा जीवन देश की स्वतंत्रता, सामाजिक समरसता और मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया। इस अवसर पर प्रतिभा अटल पाल, हरीश बाजपेई, इकबाल अहमद, नरेश पाठक रहे।

विद्यार्थी जी के पत्रकारिता आदर्श सर्वोत्तम: कानपुर। प्रेस क्लब सभागार में आयोजित कार्यक्रम में गणेश शंकर विद्यार्थी को श्रद्धांजलि दी गई और उन्हें पत्रकारिता का आदर्श बताया गया। वरिष्ठ पत्रकार शिव शरण त्रिपाठी ने कहा कि विद्यार्थी के मार्ग पर चलना कठिन है, लेकिन यदि ऐसा कर सके तो समाज और देश की सच्ची सेवा होगी। नीरज तिवारी ने कहा कि अब डिजिटल युग में पत्रकारिता में चुनौतियां हैं, लेकिन इसके बीच तथ्यों और साक्ष्य पर ध्यान जरूरी है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष गौरव सरस्वत , मंत्री शिवराज साहू, कोषाध्यक्ष सुनील साहू, उत्सव, अभिषेक मिश्रा, गगन पाठक, नीरज तिवारी, अभिषेक मिश्रा, मो. फैज, शिवा मिश्रा, शिवम, बलराम, विवेक, ज्ञानेंद्र मिश्रा, कुशाग्र अवस्थी मौजूद रहे। संचालन महामंत्री शैलेश अवस्थी ने किया।

प्रेस क्लब में श्रद्धांजलि देते पत्रकार। अमृत विचार

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की सभा

- **कानपुर।** अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी की पुण्यतिथि पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महानगर कानपुर की ओर से उनकी शहादत दिवस पर पुष्पांजलि सभा एवं उनके व्यक्तित्व पर एक गोष्ठी का आयोजन जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में किया गया, जिसमें गणेश शंकर विद्यार्थी के पौत्र अशोक विद्यार्थी उपस्थित थे। उन्होंने गणेश शंकर विद्यार्थी जी के व्यक्तित्व पर आपने विचार रखे। इस अवसर पर पूर्व विधायक सतीश निगम, पार्षद राजेश श्रीवास्तव, साहित्यकार मृदुल कपिल पांडेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन संस्था के अध्यक्ष चित्रांश रिपुसूदन निगम ने किया। यहां पत्रकार अंजनी निगम, अजय श्रीवास्तव, हेमेंद्र श्रीवास्तव, हर्षवर्धन माथुर, किशोर सक्सेना, राजन सिन्हा, सुनील कुमार श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार निगम, दीपक श्रीवास्तव, राजीव सक्सेना, शोभित श्रीवास्तव, ओम श्रीवास्तव आदि रहे।

शहादत दिवस पर भी प्रतिमा की सुधि नहीं

- देश में अमन चैन शांति के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर बलिदान होने वाले कानपुर की धरोहर गणेश शंकर विद्यार्थी जी की शहादत को भूल गए उनके अनुयायी। फूलबाग पार्क में लगी में गणेश शंकर विद्यार्थी जी की प्रतिमा पर धूल और गंदगी की मोटी परत चढ़ी रही, लेकिन किसी ने भी फूलों की एक माला तक नहीं चढ़ाई। विद्यार्थी जी की प्रतिमा पर गर्दन से लटकती सूखी माला प्रतिमा की उपेक्षा की कहानी बयां करती रही।

फोटो - मनोज तिवारी

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिलेंडर की मारामारी, पीएनजी की बढ़ी डिमांड

गैस का दर्द

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। शहर में सिलेंडर की किल्लत के बीच पीएनजी लाइन की मांग बढ़ गई है। हालात यह है कि पिछले 15 दिनों के भीतर सीयूजीएल में आने वाले आवेदन लगभग 4 गुना तक बढ़ गए हैं। माना जा रहा है कि यदि रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत और अधिक बढ़ती है तो आवेदन करने वाले लोगों की संख्या में भी इजाफा संभव हो सकता है।

शहर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत है। इस किल्लत की वजह से लोगों को गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइन लगानी पड़ रही है। इस स्थिति में सिलेंडर लेने में परेशानी न उठानी पड़े इसके लिए लोगों ने पीएनजी लाइन के लिए आवेदन करना शुरू कर दिया है। फिलहाल सीयूजीएल में रोजाना 10 से 12 ऑनलाइन आवेदन आ रहे हैं। यह स्थिति दस से पंद्रह दिनों के भीतर बनी है। इससे पहले जब शहर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत नहीं थी आवेदनों की संख्या केवल 2 से 3 ही रोजाना आती थी।

सीयूजीएल में आने वाले आवेदनों में घरेलू और कॉमर्शियल दोनो ही तरह के आवेदन शामिल हैं। अधिक संख्या में घरेलू आवेदन आ रहे हैं। यह आवेदन शहरवासी ऑनलाइन एप के जरिए कर रहे हैं। पूरे मामले पर सीयूजीएल के प्रबंधक मुही खान ने बताया कि हमारे पास रहे आवेदनों पर जल्द कार्रवाई की जा रही है। हम पूरे शहर में लगभग 99 फीसदी भाग पर अपनी पाइप लाइन बिछा चुके हैं। आवेदन के अनुसार तय समय पर उपभोक्तओं के घर पर गैस पहुंचा दी जाएगी।

कनेक्शन के लिए ऑनलाइन अप्लाई करना होगा

- ऐसे उपभोक्ता जो सीयूजीएल के नए गैस कनेक्शन लेना चाहते हैं उन्हें ऑनलाइन अप्लाई करना होगा। वेबसाइट पर ही नए गैस कनेक्शन संबंधी सभी तरह की जानकारियां भी वे हासिल कर सकते हैं। शुरुआती कनेक्शन में लगभग 5 हजार रुपये शुल्क देय होगा। ऑनलाइन अप्लाई करने के साथ ही क्षेत्र के अनुसार उन्हें कनेक्शन लगाए जाने की सभी शर्तों की जानकारी भी हासिल हो सकेगी।

बर्रा और नौबस्ता क्षेत्र में कनेक्शन मिलने में होगी देरी

- नए गैस कनेक्शन के लिए बर्रा व नौबस्ता के उपभोक्तओं को कनेक्शन लगाए जाने में सबसे अधिक समय लग सकेगा। इसकी वजह इन दोनो ही क्षेत्रों में कुछ इलाकों में पाइप लाइन का पड़ना अभी बाकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन क्षेत्रों में भी कुछ ही समय में सभी इलाकों में गैस कनेक्शन जल्द पहुंचाने के लिए काम चल रहा है। इसके अलावा पूरे शहर में गैस कनेक्शन दिए जाने की सुविधा के तहत काम पूरा हो गया है। फिलहाल शहर में लगभग सवा लाख उपभोक्त मौजूद हैं। इनमें घरेलू व कॉमर्शियल दोनो ही तरह के उपभोक्ता शामिल हैं।

गैस किल्लत को लेकर सड़क जाम

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार। एलपीजी सिलेंडर की किल्लत को लेकर लोगों ने सड़क जाम की। सुबह 11:30 बजे 30 से 35 लोग मंडलायुक्त के.विजेंद्र पांडियन के आवास के बाहर धरने पर बैठ गए, जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सड़क जाम करने को लेकर राहगीरों की प्रदर्शनकारियों से बहस हुई।

मंडलायुक्त आवास के बाह सड़क पर प्रदर्शन को लेकर 10 से ज्यादा संख्या में पुलिस वाले पहुंचे। सभी को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। प्रदर्शन कर रहे शाहबुद्दीन, सौरभ, गोपाल चंदोला, शशि, निरंजन ने बताया कि पुष्पा गैस एजेंसी कई लोगों को सिलेंडर बांट रही है। सिंहपुर में एजेंसी के गोदाम में ताला लगा हुआ है। जिनके

मंडलायुक्त बंगले के बाहर धरना देकर लोगों ने उठाई आवाज। अमृत विचार

- **मंडलायुक्त बंगले के बाहर क्षेत्रीय लोग धरने पर बैठे**

सिलेंडर बुक है उन्हें डिलवरी के मैसेज मिल रहे हैं लेकिन सिलेंडर नहीं दिए गए हैं।

प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने गैस एजेंसी पर कालाबाजारी का आरोप लगाया। कई लोगों ने एजेंसी पर केवाईसी के नाम पर 300 रुपए तक चार्ज लेने की बात कही। लोगों ने कहा कि जिन लोगों की बुकिंग की डिलीवरी का मैसेज गया है उन्हीं से केवाईसी कराने को कहा जा रहा है। ग्वालटोली निवासी विक्रम कुमार ने बताया कि 200 रुपए और आधार व पैनकार्ड की फोटोकॉपी देकर केवाईसी का आवेदन दिया है। उसके बाद भी सही जवाब नहीं मिल रहा है।

सिटी ब्रीफ

आरटीए की बैठक 30 मार्च को होगी

कानपुर। संभागीय परिवहन अधिकारी राकेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 27 मार्च को प्रस्तावित आरटीए की बैठक अब 30 मार्च को आयुक्त कानपुर मंडल शिविर कार्यालय छ: बंगलिया, आर्य नगर में सायं 5 बजे आयोजित होगी।

बेनाझाबर में ईद मिलन समारोह

कानपुर : बुधवार को बेनाझाबर युवा समिति के अध्यक्ष अजीजुल हसन कुरैशी के द्वारा ईद मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व लोकसभा प्रत्याशी आलोक मिश्रा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में एमएमए जौहर फैन्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी, ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला शामिल हुए। अमित पाण्डेय, हाजी नासिर खान, दिलदार गाजी, उमर मारुफ,अब्दुल समद, कौशल बाल्मीकि, मोहम्मद ईशान,मोहसिन राईन,लक्ष्मी कोरी,अनिल बाजपेयी आदि थे।

एआई के टूल्स को समझना जरूरी

कानपुर। इनकम टैक्स बार एसोसिएशन की स्किल डेवलपमेंट कमेटी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य वक्ता मनु अग्रवाल ने बताया कि पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में एआई ने मजबूती से अपनी जगह बना ली है। जो दिन पर दिन अपनी पैठ बनाता जा रहा है। उन्होंने सदस्यों को एआई टूल्स की कार्यप्रणाली को समझने पर जोर दिया। कहा कि एआई से बेहतर परिणाम पाने के लिए जरूरी निर्देश व कमांड देना चाहिए। केस लॉ व सिटेशन्स मामलों में सत्यापन कराने को जरूरी बताया। संचालन महासचिव सीए शरद सिंघल व मनीष श्रीवास्तव ने किया।

केस्को के कैंप में 64 शिकायतें दर्ज

कानपुर। केस्को ने बुधवार को केशवपुरम हेल्पडेस्क पर सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक जनसमस्या निवारण कैंप आयोजित किया। शिविर में बिल संशोधन, मीटर, भार वृद्धि और नए कनेक्शन जैसी कुल 64 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 27 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। 26 मार्च गुरुवार को प्रस्तावित वाणिज्यिक कैंप स्थगित कर दिया गया है।

महावीर जयंती पर 31 मार्च को खुले रहेंगे बैंक

कानपुर। भारतीय रिजर्व बैंक ने 26 मार्च से 1 अप्रैल के मध्य 6 दिनों तक बैंकिंग लेन- देन बंद होने के कारण सभी सरकारी कारोबार करने वाली स्टेट बैंक एवं 11 सरकारी बैंकों की शाखाओं को 31 मार्च को महावीर जयंती के अवकाश के दिन खोलने का निर्देश दिया है। पंजाब नेशनल बैंक स्टाफ एसोसिएशन के चेयरमैन अनिल सोनकर व मंत्री डीके सती ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन ने 27 मार्च को भी नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के तहत अवकाश घोषित कर दिया है। जिससे अब 7 दिनों में केवल 1 दिन 30 मार्च, सोमवार को बैंक खुलेंगे। 26 मार्च एवं 27 मार्च को रामनवमी अवकाश रहेगा। जबकि 28 मार्च एवं 29 मार्च को चतुर्थ शनिवार एवं रविवार होने के कारण बैंक बंद रहेंगे। 31 मार्च मंगलवार को महावीर जयंती का अवकाश है। 1 अप्रैल को बैंको की वार्षिक लेखा बंदी के कारण ग्राहक सेवा बंद रहेगी। 30 मार्च सोमवार को ही बैंक खुलेंगे। इन अवकाशों के मद्देनजर ही रिजर्व बैंक ने 31 मार्च मंगलवार को स्टेट बैंक सहित सभी सरकारी बैंकों की उन शाखाओं को खोलने का निर्देश दिया है।

गैस संकट से 50 फीसदी उद्योग बंद

उद्यमियों ने गैस की किल्लत के साथ कच्चे माल का संकट बताई वजह

संकट गहराया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गैस किल्लत का असर औद्योगिक इकाइयों में तेजी से पड़ रहा है। हालात यह है कि इस समय 50 फीसदी फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं। 30 प्रतिशत इकाइयां बंदी के कगार पर हैं। 20 प्रतिशत फैक्ट्रियां 70 से 80 प्रतिशत उत्पादन क्षमता पर चल रही हैं। ऐसी स्थिति में उद्योग श्रमिकों को नियमित रोजगार व वेतन नहीं दे पा रहे हैं। इन विषम हालातों में उद्यमी खासा परेशान हैं।

यह कहना है कोआपरेटिव इस्टेट चेयरमैन विजय कपूर का। बुधवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान तेल व गैस संकट के कारण उद्योगों के सामने खड़ी जटिल समस्याओं एवं उनके संभावित समाधान पर उद्यमियों ने अपनी बात रखी। कहा कि मध्य पूर्व के देशों में जारी युद्ध की विभीषिका के चलते आज पूरा विश्व संकट के दौर से गुजर रहा है और तेल व गैस आपूर्ति प्रभावित होने से भारत भी अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि तेल और गैस की आपूर्ति में कमी तथा उनके मूल्यों में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण इससे जुड़े सभी उत्पादों के दाम बढ़ गए हैं, जिसका सीधा असर आम जनमानस पर पड़ रहा है।

बुधवार को कोआपरेटिव इस्टेट चेयरमैन विजय कपूर ने प्रेसवार्ता में उद्यमियों की समस्याएं बताईं। अमृत विचार

- **श्रमिकों को नियमित रोजगार और वेतन नहीं दे पा रहे हैं उद्यमी**

30 फीसदी उद्योग पर मंडरा रहा संकट

20 फीसदी फैक्ट्रियों में घटा उत्पादन

उन्होंने कहा कि तेल और गैस की अनुपलब्धता और कमी के कारण उद्योग और रोजगार दोनों बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उद्योगों को न तो पर्याप्त एलपीजी गैस मिल पा रही है और न ही इकाइयों में आवश्यक रॉ-मैटीरियल की उपलब्धता हो पा रही है, जिसके परिणामस्वरूप 50 प्रतिशत फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं। इसके साथ ही 30 प्रतिशत बंदी के कगार पर हैं और शेष 20 प्रतिशत फैक्ट्रियां मात्र 70 से 80 प्रतिशत उत्पादन क्षमता पर चल रही हैं। ऐसी स्थिति में उद्योग श्रमिकों को नियमित रोजगार व वेतन नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे में श्रमिक वर्ग के सामने आजीविका का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

इस दौरान उद्यमी बलराम नरूला, हरीश ईसरानी, सुशील मोहन टकरू, संदीप मल्होत्रा, निखिल गुप्ता, एनके गुप्ता, रमेश गुलाटी, दिनेश कुशवाहा, अनूप कुशवाहा, अर्पित अवस्थी, अरूण जैन, श्यामलाल मूलचंदानी, वीरेन्द्र मिश्रा, अरविन्द झा, अशोक जुनेजा, अवधपाल सिंह, भीमसेन, बॉबी कपूर, दीपक रामचंदानी, गिरीश बजाज सहित अन्य उद्यमी मौजूद रहे, जिनका दर्द साफ दिखा।

श्रमिकों को पांच रुपये में भोजन की व्यवस्था

- उद्यमियों ने बताया कि दादा नगर औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिकों के लिए केवल पांच रुपये में भोजन की व्यवस्था की गई है। जिन श्रमिकों के पास भुगतान करने के लिए पैसे नहीं होते, उन्हें निशुल्क भोजन कराया जा रहा है। इस व्यवस्था के तहत प्रतिदिन लगभग 8 सौ से 1 हजार श्रमिकों के भोजन की समुचित व्यवस्था की जा रही है।

बिजली बिल व टैक्स वसूली रोकने की मांग

- हाउस टैक्स, वाटर टैक्स, बिजली बिल, जीएसटी आदि की वसूली के अपने लक्ष्यों को मार्च माह में ही हर हाल में पूरा करने का दबाव है। जब फैक्ट्रियां बंद हो रही हों, श्रमिकों को वेतन तक न मिल पा रहा हो और उनके सामने रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो, तब इस प्रकार की वसूली की सख्त नीति उद्योग और व्यापार के लिये अत्यंत चिंताजनक है। कुछ इसी प्रकार की नीति के तरह केस्को द्वारा 10 प्रतिशत फ्यूल चार्ज बढ़ाया गया था। ऐसी परिस्थितियों में आवश्यक है कि सरकारी विभाग अपने मार्च माह के वसूली लक्ष्यों को आगे की तिथि तक स्थगित करें, ताकि उद्योग-व्यापार को संभलने का कुछ समय मिल सके।

उद्योगों के लिए मांगा विशेष राहत पैकेज

- इस दौरान मांग हुई कि शासन उद्योगों के अस्तित्व को बचाने के लिए अवैध कालाबाजारी पर कड़ी रोक लगाई जाए, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा उद्योगों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा की जाए। जिससे उद्योगों को पुनर्जीवन मिल सके और वे पूर्ववत देश की अर्थव्यवस्था में अपना सार्थक योगदान दे सकें।

मंत्री बोले, देश में जल्द ही सुधरेंगे संकट के हालात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **डीएम ने कहा, एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें पैनिक के कारण हैं**

अमृत विचार। शहर में चल रहे गैस संकट और एजेंसी के बाहर लग रही लाइनों पर मंत्री ने कहा- हम लोगों को पैनिक क्रिएट नहीं करना चाहिए। कहा कि दूसरे देशों के बीच युद्ध से पनपे हालात से भारत पीड़ित है। कहा कि जिस रास्ते से तेल और गैस आयात होता है, वहां देश अपनी सारी कोशिश कर रहा है। हमारा पीएम मोदी 140 करोड़ लोगों के लिए सभी से अकेला बात कर रहा है। हालात जल्द सुधरेंगे।

मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा यदि कोई गैस की कालाबाजारी कर रहा है तो उसे माफ नहीं किया जा सकता। कालाबाजारी करने वाला देश और लोगों से गद्दारी कर रहा है। कहा कि घरेलू सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में हैं। विपक्षी दलों पर मंत्री ने कहा कि उनके पास कोई मुद्दा नहीं है तो फालतू का तूल दे रहे हैं। प्रेसवार्ता के बीच जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने पिछले साल की तुलना में इस साल अब तक 5000 से ज्यादा सिलेंडर वितरित करने की बात कही। डीएम ने कहा कि एजेंसियों के बाहर जो कतारें देखी जा रही हैं वे पैनिक के कारण है। लोग घबराकर एजेंसी की ओर जा रहे हैं। अगर बुकिंग सामान्य दिनों की तरह की जाए तो सभी को समय पर गैस सिलेंडर मिलेगा। जिला प्रशासन ने गैस सिलेंडर वितरण के आंकड़ें भी जारी किए हैं।

जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि वितरण प्रणाली पूरी तरह से सामान्य है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि अफवाह में पड़कर पैनिक बुकिंग के चक्कर में ना पड़ें। आंकड़ों के अनुसार इस साल 11 से 24 मार्च के बीच 14 दिन में 3,24,300 सिलेंडर की डिलीवरी हुई है। जो पिछले वर्ष (3,21,536) की तुलना में 2,764 अधिक हैं।

तिथि	2025	2026	अंतर
14 मार्च	18,200	28,457	10,257
15 मार्च	17,100	25,126	8,026
16 मार्च	22,481	25,711	3,230
17 मार्च	24,282	25,951	1,669
20 मार्च	21,349	23,858	2,509
23 मार्च	17,936	24,250	6,314
24 मार्च	23,187	26,130	2,943

सपा कार्यालय में मौजूद विधायक नसीम सोलंकी और पदाधिकारी। अमृत विचार

श्रमिकों का पलायन शुरू सरकार भटका रही ध्यान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **गैस के अभाव में नवरात्र में इस बार भंडारों की संख्या में बड़ी कमी**
- **हॉस्टल और ढाबों पर पर्याप्त भोजन नहीं, चाय-मिठाई की दुकानें बंद**

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी का आरोप है कि गैस के अभाव में कानपुर में छोटी बड़ी लगभग 70 हजार से अधिक फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं जिसके कारण श्रमिक अपने गांव पलायन कर रहे हैं। हॉस्टल और ढाबों में छात्रों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है, लेकिन सरकार जनता के हितों की रक्षा करने के बजाए जनता का ध्यान भटका रही है।

बुधवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय नवीन मार्केट में सपा नगर अध्यक्ष बनने के तीन वर्ष पूरे होने पर हाजी फजल महमूद का स्वागत किया गया। इस दौरान सीसामऊ विस की विधायिका नसीम सोलंकी के अलावा पांचों विधानसभा क्षेत्रों के अध्यक्षों, 78 वार्ड समितियों, पार्षदों, प्रकोष्ठ फ्रंटल संगठनों तथा पीडीए मिशन के कार्यकर्ता मौजूद रहे। नगर अध्यक्ष ने कहा कि चाय-मिठाई के दाम बढ़ गए हैं, कंपनियों ने साबुन के दाम बढ़ा दिए हैं और नवरात्र के भंडारों की संख्या में भी कमी आ गई है लेकिन भाजपा सरकार जनता के हितों की रक्षा करने के बजाय सड़क निर्माण के नाम पर ध्यान भटका रही है।

नगर अध्यक्ष ने वादा किया कि 2027 में यूपी में पीडीए सत्ता में आएगी तो बेरोजगारों को प्राथमिकता दी जाएगी। संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव ने किया। पूर्व विधायक दिलीप सिंह, प्रदेश सचिव केके शुक्ला, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, सचिन तांगडी, फैसल महमूद, नंदलाल जयसवाल, कमलेश यादव,पिंटू ठाकुर, रजत मिश्रा, यदुवेंद सिंह,मोहन जीत गंभीर,कुलदीप यादव,सुधांशु मिश्रा,विनय गुप्ता,अरशद दद्दा,सत्यनारायण गहरवार आदि मौजूद थे।

सिलेंडर चौराहे पर सपा ने किया अनोखा प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **सिलेंडर पर माला चढ़ाकर थाली बजाई, सरकार विरोधी नारेबाजी**

अमृत विचार। रावतपुर स्थित सिलेंडर चौराहे पर बुधवार की शाम को समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बुधवार को समाजवादी पार्टी ग्रामीण के जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक सिलेंडर पर माला चढ़ाकर और थाली बजाकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इस दौरान प्रदर्शनकारी सड़कों पर बैठकर नारेबाजी करते रहे। अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाये गये। पुलिस ने किसी तरह प्रदर्शनकारियों को समझा बुझाकर शांत कराया। जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा कि लोग गैस के लिए घंटों लाइन में लगने को मजबूर हैं। लोगों के कामकाज ठप हो चुका है। प्रदर्शनकारियों ने रावतपुर थाना प्रभारी को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

पेंशनर्स ने पट्टी बांध मनाया काला दिवस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **सेवानिवृत्त शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की उठी मांग, डीएम को सौंपा ज्ञापन**

अमृत विचार। अखिल भारतीय राज पेंशन संघ के आवाहन और संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति के निर्देश पर बुधवार को पेंशनर्स ने वैधता अधिनियम 2025 के विरोध में काला दिवस मनाया। इस दौरान पेंशनर्स ने हाथों में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

मंडल संयोजक इंजीनियर ए.एन. द्विवेदी के नेतृत्व में पेंशनर्स ने केंद्र सरकार से मांग की कि आठवें वेतन आयोग से संबंधित पेंशनरों के लिए नुकसानदेह वैधता अधिनियम 2025 को तत्काल वापस लिया जाए। साथ ही पेंशनर्स को सातवें वेतन आयोग की तरह समान लाभ प्रदान किए जाने की मांग भी की गई। इस अवसर पर पेंशनर्स ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें पेंशनर्स की लगातार उपेक्षा कर रही हैं और उन्हें उनके न्यायोचित लाभ नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उनमें आक्रोश व्याप्त है। इसके अतिरिक्त सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षकों को राज्य कर्मियों की भांति कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर भी अलग से ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन सौंपने के दौरान अनिल कुमार मिश्रा, इंजीनियर आर.डी. पांडेय, डॉ. सुशील कुमार, इंजीनियर बी.एस. तिवारी, मुजफ्फर हुसैन, शिव किशोर, पी.एन. सचान, गेंदालाल त्रिपाठी, राकेश तिवारी, एस.एम.जेड. नकवी, अशोक वाजपेयी, संजय श्रीवास्तव, मनोज सचान, हरिश्चंद्र वर्मा, सहाबुद्दीन, बस दीक्षित, ओमप्रकाश यादव, आर.पी. सिंह चौहान सहित कई पेंशनर्स उपस्थित रहे।

थमने लगी रफ्तार गुजरात और मध्य प्रदेश में सबसे अधिक दिक्कत, शहर के ट्रांसपोर्टर्स खासे परेशान

ट्रकों को नहीं मिल पा रहा डीजल, रास्ते में फंसे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ईरान, इजराइल और अमेरिका युद्ध की वजह से अब ट्रकों के रास्ते में खड़े होने की नौबत आने लगी है। हालात यह है कि पर्याप्ट डीजल न मिल पाने की वजह से ट्रकों को शहर आने में लंबा समय लग रहा है। इस वजह से उद्योगों में कच्चे माल की सप्लाई में भी बधा सामने आ रही है।

शहर के ट्रांसपोर्टर्स का कहना है कि गुजरात में डीजल की सबसे अधिक परेशानी सामने आ रही है। बताया गया कि वहां पर पूरा डीजल न मिलने या फिर बिल्कुल ही न मिल पाने की वजह से ट्रक की रफ्तार पर असर पड़ रहा है। यही स्थिति कमोबेश मध्य प्रदेश में भी है। वहां पर ही ट्रकों को पूरा डीजल नहीं मिल पा रहा है। इस स्थिति के बनने के बाद जो ट्रक पहले तीन से चार दिन में शहर आ पाते थे उन्हें लगभग हफ्तेभर का समय लग रहा है। इसी तरह ऐसे ट्रक जिन्हें डीजल नहीं मिलपा रहा है वह रास्ते में डीजल के इंतजार में खड़े हुए हैं।

पेट्रोल पंपों पर भीड़: शहर में भी पेट्रोल पंपों पर वाहनों की कतार लगी। रात में पेट्रोल पंप में भीड़ की वजह से कई बार वाहन सवारों को पेट्रोल देने से मना कर दिया गया। अशोक नगर स्थित एक पेट्रोल पंप पर वाहन सवारों की भीड़ के चलते शाम को ही पेट्रोल खत्म होने की बात लोगों से कही गई। उधर सोशल मीडिया पर गुजरात और मध्य प्रदेश के वीडियो आने के बाद शहरवासी पेट्रोल पंप पर अधिक पहुंच रहे हैं।

ट्रकों को दूसरे राज्यों में डीजल न मिलने की वजह से काफी परेशानी खड़ी हो गई है। औद्योगिक क्षेत्रों में कच्चा माल पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रहा है। इस स्थिति में ट्रांसपोर्ट काफी परेशान है। उम्मींद है कि सरकार की ओर से इस ओर भी कदम उठाए जाएंगे।

-मनीष कटारिया, ट्रांसपोर्टर

डीजल की कीमत बढ़ने या कमी होने से भाड़े बढ़ेंगे, ट्रांसपोर्टर परेशान होंगे और माल समय पर नहीं पहुँच पाएगा। सरकार से निवेदन है कि डीजल की किल्लत न होने का स्पष्ट आश्वासन दें और भय का माहौल बनाने के बजाय ठोस समाधान करें।

-कमल गांधी, ट्रांसपोर्टर

ट्रकों का संचालन बाधित होने से शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में कच्चा माल देरी से पहुंच पाएगा। इससे युनिट्स के प्रोडक्शन पर सीधा असर पड़ेगा। ट्रकों का पहिया लगातार चलता रहे इसके लिए सरकार को जल्द ही ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है।

-राघवेंद्र वर्मा, ट्रांसपोर्टर

सिटी ब्रीफ

आईआईटी टीम को 11 रन से हराया

कानपुर। केडीएमए क्रिकेट लीग में बुधवार को चार मुकाबले खेले गए। पहले मैच में नेशनल क्लब ने उदित श्रीवास्तव के सात विकेट की बदौलत रोलैंड क्लब को 8 रन से हराया। दूसरे मैच में रिजर्व बैंक ने आईआईटी को 11 रन से मात दी, अमित मेहरा प्लेयर ऑफ द मैच रहे। तीसरे मुकाबले में काउंटी क्लब ने एवरो क्लब को 3 विकेट से हराया, प्रियांशु पाल ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। चौथे मैच में वंडर्स क्लब ने एसएसएस क्लब को 8 विकेट से हराया, जहां यश यादव ने पांच विकेट लेकर मैच जिताया। सभी मैच रोमांचक रहे।

प्रतीक दीक्षित का मुक्केबाजी में चयन

कानपुर। राज्य स्तरीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता 1 से 3 अप्रैल तक हापुड़ में आयोजित होगी। इसमें किदवई नगर स्थित डॉ. चिरंजी लाल राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के छात्र प्रतीक दीक्षित का चयन हुआ है। प्रतीक इस प्रतियोगिता के यूथ अंडर-19 पुरुष के 50 किग्रा वर्ग में अपनी मुक्केबाजी का दम दिखाएंगे।

प्रशासन ने 750 वर्ग गज जमीन मुक्त कराई

कानपुर। सदर तहसील के ग्राम पतरसा में ग्राम सभा की चारागाह भूमि पर हुए अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए करीब 750 वर्ग गज जमीन कब्जामुक्त कराई। गाटा संख्या 208 व 210 पर तीन लोगों ने पक्की बाउंड्री बनाकर मौरंग-गिट्टी का कारोबार शुरू कर दिया था। एसडीएम अनुभव सिंह के नेतृत्व में राजस्व व पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बाउंड्री तोड़ी और दुकान हटवाई। करीब 40 लाख रुपये मूल्य की भूमि को मुक्त कराई है।

स्टेट जीएसटी विभाग का पांच जगह सर्वे

कानपुर। स्टेट जीएसटी विभाग ने टैक्स की हेराफेरी के आरोप में शहर में पांच जगह सर्वे किया। विभागीय सूत्रों के अनुसार बुधवार को जोन 1 व 2 की 20 से ज्यादा अधिकारियों की टीम अलग-अलग प्रतिष्ठानों में पहुंची। बताया जा रहा है कि लेदर एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट के एक प्रतिष्ठान पर टैक्स अनियमितता पकड़ी है। खबर लिखे जाने तक जीएसटी विभाग के अधिकारी कागजों की जांच में जुटे थे। आचार्य नगर और चटाई मोहाल की कैटरिंग फर्म पर रसीद और बिल को लेकर अधिकारी सांसत में दिखे। शादी-समारोह की बुकिंग लेने पर आधी रकम की ही बिलिंग की जानकारी अधिकारियों को लगी है। फर्म के दस्तावेज सीज कर कार्यालय लाए गए हैं जिनकी पड़ताल की जा रही है। कैटरिंग फर्म के बारे में अधिकारी ने बताया कि कच्चे माल और प्लेट के आधार पर बुकिंग में अंतर देखने को मिला है।

शोभायात्रा मार्ग को लेकर पनपा विवाद

कानपुर। श्रीराम नवमी की शोभायात्रा के मार्ग को लेकर शहर की दो समितियों के बीच विवाद की स्थिति बन गई है। शिवाला स्थित श्री राम नवमी महोत्सव कमेटी का कहना है कि वह पिछले लगभग 40 वर्षों से राम चौक शिवाला से अपने पारंपरिक मार्ग से शोभायात्रा निकालती आ रही है और इस वर्ष भी 27 मार्च को उसी मार्ग से यात्रा निकाली जानी प्रस्तावित है।

वहीं लाठी मोहल्ला की श्री राम नवमी महोत्सव समिति, जो करीब 74 वर्षों से अपने निर्धारित मार्ग से यात्रा निकालती रही है, इस बार मार्ग परिवर्तन कर शिवाला के मार्ग से सवारी निकालना चाहती है। इसे लेकर दोनों समितियों में सहमति नहीं बन सकी है। मामले को लेकर 18 मार्च को पुलिस कमिश्नर की अध्यक्षता में बैठक हुई थी, जबकि 22 मार्च को कोतवाली में दोनों पक्षों की बैठक भी हुई, लेकिन समाधान नहीं निकल सका। बुधवार को शिवाला कमेटी ने पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से मिलकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है।

भाजपा ने कन्या भोज कराकर खुशहाली की कामना की

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित भाजपा कानपुर उत्तर जिला कार्यालय में हवन-पूजन और कन्या भोज हुआ। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल भी पूजन में शामिल हुए। उत्तर प्रदेश सरकार के सफल 9 वर्ष पूर्ण होने पर 9 कन्याओं का विधि-विधान से पूजन किया गया। कन्याओं को वस्त्र व उपहार भेंट कर प्रदेश की समृद्धि की कामना की गई। इस दौरान प्रकाश पाल ने कहा कि बीते 9 वर्षों में सरकार ने सुशासन और सुरक्षा के मानक स्थापित किए हैं। अनिल दीक्षित, अवधेश सोनकर, अभिनव दीक्षित और मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धर्म, संस्कृति का संगम देखने आए 67 लाख पर्यटक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजे जाने से कानपुर पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसका प्रमाण है कि वर्ष 2025-26 के लिए शहर में घरेलू पर्यटकों की संख्या 66,98,519 और विदेशी पर्यटकों की संख्या 3,931 दर्ज की गई है।

प्रदेश की योगी सरकार बिठूर को आस्था और पर्यटन का नया केंद्र बनाने पर पहले ही जोर दे रही है। इसके लिए बिठूर को धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां मंदिरों के सौंदर्यीकरण, फसाड लाइटिंग और घाट सुधार के काम तेजी से पूरे किए गए हैं। बिठूर में स्थित ध्रुवटीला पर 75.02 लाख रुपये से गंगा पर घाट की नींव, आरसीसी रैंप, फ्लोरिंग और म्यूरल आर्ट्स का काम किया गया है।

बिठूर स्थित टिकैत राय की बारादरी। अमृत विचार

खेरेश्वर मंदिर का 1.34 करोड़ से विकास : शिवराजपुर कस्बे में 700 वर्ष पुराने खेरेश्वर मंदिर को पर्यटन विभाग आस्था का केंद्र बना रहा है। यह मंदिर गंगा के तट पर खेर टीले पर बना है। पर्यटन विभाग मंदिर परिसर में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 134.69 लाख रुपये से काम करा रहा है। यहां पर यात्री हॉल, वाटर कूलर, पत्थर की बेंच और म्यूरल का काम किया जा चुका है। इस मंदिर के पास ही एक प्राचीन तालाब है, जिसे सशक्त सामूहिक प्रयास से पुनर्जीवित किया जा रहा है। जिला प्रशासन और मंदिर समिति के पूर्ण सहयोग से क्रियान्वित किए जा रहे इस काम का उद्देश्य ऐतिहासिक स्थल की आध्यात्मिक पवित्रता को संरक्षित करना है।

- योगी सरकार की पहल से आस्था और पर्यटन का नया केंद्र बन रहा बिठूर, ध्रुव टीला लगा चमकने

बारा देवी मंदिर पर 1.12 करोड़ खर्च मेस्कर घाट में 93 लाख से सुविधाएं

- छावनी क्षेत्र में स्थित गंगा के मेस्कर घाट पर 93 .24 लाख लागत से डेक, घाट फ्लोरिंग, टूरिस्ट शेल्टर, चेंज रूम और वेलकम गेट का निर्माण किया गया है। बारादेवी स्थित बारह देवी मंदिर में 111 .96 लाख रुपये से यात्री विश्राम गृह, शौचालय, इंटरलॉकिंग और साइनेज का कार्य किया गया है। पनकी कटरा हनुमान मंदिर में 13 .10 लाख से शौचालय ब्लॉक बनाया गया है। कल्याणपुर स्थित मझियारी देवी मंदिर में 115 .98 लाख से यात्री विश्राम हॉल, सीसी रोड, शौचालय ब्लॉक, बाउंड्री वॉल और हाईमास्ट लाइट का काम किया गया है।

देवी मंदिरों में जवारा लेकर पहुंचने लगे भक्तों के जत्थे। अमृत विचार

इस बार दो दिन मनाई जाएगी रामनवमी

कानपुर। चैत्र मास शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को लेकर लोगों में भ्रम है। ज्योतिषाचार्य मनोज द्विवेदी के अनुसार पंचांग के मुताबिक शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 26 मार्च को सुबह 11 बजकर 48 मिनट पर शुरू हो रही है। इस तिथि का समापन 27 मार्च को सुबह 10 बजकर 06 मिनट पर होगा। रामनवमी का पर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आता है, जो नवरात्रि के अंतिम दिन होता है। इसलिए रामनवमी का पर्व 26 और 27 मार्च को मनाया जाएगा। यह दिन भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे भारत में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। नवमी तिथि पर कन्या पूजन 27 मार्च को सुबह 10 बजकर 06 मिनट तक किया जाएगा। इस दौरान चैत्र नवरात्रि का व्रत पारण भी 27 मार्च को ही किया जाएगा। उधर बुधवार को शहर में श्रद्धालुओं ने जवारा जुलूस निकाला और मां बारा देवी को अर्पित किया।

प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने प्रेसवार्ता कर योगी सरकार के विकास कार्य गिनाए

9 वर्ष में जिले की 252 परियोजनाएं पूरी हुईं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 2017 से अब तक जिले में योगी सरकार ने 1503.89 करोड़ रुपये की लागत से 252 विकास परियोजनाएं पूरी कराईं हैं। इन 9 सालों में योगी सरकार ने मेट्रो, रिंग रोड और स्मार्ट सिटी मिशन, मिशन शक्ति, डिजिटल शिक्षा, ई-लर्निंग और स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से नई पहचान बनी है। यह बातें प्रदेश के उच्च शिक्षा व जिले के प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहीं। वे सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में योगी सरकार के नौ साल पूरे होने पर प्रेसवार्ता के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि नौ वर्ष प्रदेश के लिए उत्कर्ष वर्ष रहे हैं।

उन्होंने किसान सम्मान निधि को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताई। प्रभारी मंत्री ने कहा कि 2017 से पहले यूपी में माफियाओं का बोलबाला था। लोग कुशासन से पीड़ित थे। योगी सरकार बनने के बाद यूपी सुशासन, सुरक्षा और विकास की पटरी पर निकला है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन जैसे मेट्रो, इलेक्ट्रिक बसें, बेहतर होती सड़कें और कई परियोजनाओं ने शहर की सूरत बदली है। इसके साथ ही रक्षा औद्योगिक गलियारे और थर्मल पावर प्लांट से औद्योगिक विस्तार को नई दिशा मिली है।

नवीन सभागार में प्रेसवार्ता करते प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय। अमृत विचार

उन्होंने कहा कि जीरो टॉलरेंस नीति के कारण ही कानून का राज स्थापित हो पाया है। जिससे व्यापारी, उद्यमी निवेश कर सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। कहा कि इन 9 वर्षों में यूपी को अब तक 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है। प्रेसवार्ता में महापौर प्रमिला पाण्डेय, विधायक महेश त्रिवेदी, कल्याणपुर विधायक नीलिमा कटियार, घाटमपुर सरोज कुरील, भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित आदि मौजूद रहे।

- सम्मान नहीं मिलने पर जिलाध्यक्ष नाराज, अधिकारी के मनाने के बाद कुर्सी पर बैठे
- अपराधियों और माफियाओं के खात्मे को लेकर एक फिल्म का मंत्री ने जिक्र किया

नाराज होकर सभागार से बाहर निकले जिलाध्यक्ष

प्रेसवार्ता में उत्तर भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित नाराज होकर पूरी जिला इकाई के साथ सभागार से बाहर निकल गए। प्रेसवार्ता शुरू होते ही तहसीलदार सदर विनय कुमार की बातों से जिलाध्यक्ष नाराज हो गए। भाजपाइयों की नाराजगी देख डीएम व सीडीओ असहज हो गए। सीडीओ दीक्षा जैन ने अधिकारी से उन्हें आगे बैठाने को कहा। जब तहसीलदार, जिलाध्यक्ष को मनाने पहुंचे तो गुस्से में बाहर चले गए। काफी मान-मनौव्वल के बाद आखिर जिलाध्यक्ष फिर प्रेसवार्ता में शामिल हुए। यह मामला चर्चा का विषय बना रहा।

सिटी डायरी

गंगा घाटों की सफाई करते ऑटो चालक।

नवरात्र पर गंगा घाटों की सफाई में जुटे शहर के ऑटो चालक

कानपुर। नवरात्र पर गंगा घाटों की सफाई के लिए ऑटो चालकों की टीम कई घंटे जुटी रही और कई घाट बिल्कुल साफ कर दिये। अब प्रत्येक रविवार को घाटों की सफाई करने की घोषणा की गई। बुधवार को इस स्वच्छता अभियान में राकेश कुमार सोनी गरीब ऑटो चालक के अतिरिक्त ऑटो चालक अजय पाठक एवं मनोज सोनी, पंकज सिंह व अन्य ऑटो चालकों ने सरसैया घाट समेत कई घाटों की सफाई की। इस दौरान भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल कानपुर दक्षिण युवा के अध्यक्ष अनुज त्रिपाठी एवं आवास विकास हंसपुरम व्यापार मण्डल के महामंत्री शिव प्रताप परिहार भी शामिल रहे।

श्रवण कुमार का स्वागत करते अध्यक्ष सतेंद्र सिंह।

श्रवण कुमार प्रवक्ता मनोनीत

कानपुर। जन समस्या मेला समिति – भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं फिल्म अभिनेता सतेंद्र सिंह यादव ने शहर निवासी श्रवण कुमार को उत्तर प्रदेश राज्य प्रवक्ता मनोनीत किया है। श्रवण कुमार ने कहा कि वे कानपुर एवं कानपुर देहात में जनसुनवाई चौपाल कार्यक्रम को और मजबूत करेंगे। अंकित मित्तल, अवलेंद्र सिंह, आशिक सहित आदि ने उन्हें बधाई दी।

संगोष्ठी में शामिल हुए प्रोफेसर।

संगोष्ठी में प्रोफेसर ने रखे विचार

कानपुर। डीएवी कॉलेज भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से 'भारतीय ज्ञान परम्परा : भौतिकी के परिप्रेक्ष्य में अतीत, वर्तमान और भविष्य' विषयक संगोष्ठी में प्रो. रीता बत्रा विश्वास पश्चिम बंगाल, प्रो. पीजूस कांता आसाम, प्रो. रश्मि आगरा, प्रो. अरविंद धरवे मध्य प्रदेश, जूही देवांगन छत्तीसगढ़ और प्रो. मुक्ता महाराष्ट्र ऑनलाइन जुड़े।

आश्रम स्थल का निरीक्षण करने पहुंची टीम।

आश्रय स्थल के बच्चों को मानसिक परामर्श और शिक्षा दें: न्यायाधीश

कानपुर। अनमोल पाल ने बुधवार को अचानक स्वरूप नगर स्थित राजकीय बाल गृह (बालिका), नवाबगंज बालिका यूनिट-2, कल्याणपुर बाल गृह (बालक) पहुंचे। उनके साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुदेश कुमारी, एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार और जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह भी रहे। स्वरूप नगर बालिका गृह में न्यायाधीश ने बालिकाओं से बात कर समस्याएं सुनीं। नवाबगंज यूनिट-2 में कुछ अव्यवस्थाएं मिलने पर अधीक्षक को फटकार लगाई। वहीं कल्याणपुर बाल गृह में बच्चों की पढ़ाई, खेलकूद और आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से संस्थानों में स्वच्छता, सुरक्षा, अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और मानसिक परामर्श की व्यवस्था सुधारने को कहा।

सिग्नेचर सिटी बस अड्डे पर महिलाओं इंटरव्यू हुआ।

रोडवेज कंडक्टर बनने के लिए साक्षात्कार में पहुंचीं 81 महिलाएं

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में कंडक्टर के पद पर 81 महिलाओं ने अपना आवेदन किया। अब इसमें जो भी महिलाएं मानक में आएंगी, उनका चयन किया जाएगा। बुधवार को सिग्नेचर सिटी बस अड्डा आजाद नगर में महिला कंडक्टरों की भर्ती के लिए 81 महिलाएं आवेदन करने पहुंचीं, जिनका साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार पूरा होने के बाद उनके जरूरी कागजात जमा किये गये। इस संबध में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम कानपुर परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार का कहना है कि महिला कंडक्टरों की भर्ती के लिए नियमित रोजगार मेला लगाया जा रहा है।

जोखिम लेकर आईपीएल टीमों के शेयरों की बैटिंग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजियों की वैल्यूएशन में तेजी अब निवेश का नया ट्रेंड बन रही है। स्पोर्ट्स बिजनेस में इस बदलते माहौल का सबसे बड़ा फायदा चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को होता दिख रहा है। उसके अनलिस्टेड शेयरों में अचानक तेजी आई है। पिछले 24 घंटों में सीएसके के शेयरों का भाव 280 से 325 प्रति शेयर के दायरे में पहुंच गया है। कानपुर में भी बड़ी संख्या में निवेशक पारंपरिक शेयरों के साथ वैकल्पिक एसेट क्लास में रुचि दिखा रहे हैं। ऐसे में आईपीएल टीमों के अनलिस्टेड शेयर उन्हें हाई-रिटर्न का अवसर नजर आ रहे हैं।

जो निवेशक अब तक केवल एनएसई-बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों तक सीमित थे, वे अब अनलिस्टेड स्पेस को नए अवसर के रूप में देख रहे हैं। सीएसके के शेयर अभी स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड नहीं हैं, लेकिन बाजार में यह धारणा तेजी से बन रही है कि भविष्य में कंपनी लिस्टिंग का रास्ता चुन सकती है। इसी उम्मीद में कई निवेशक इसे प्री-आईपीओ अवसर मानकर खरीदारी कर रहे हैं। दरअसल, आईपीएल की ब्रांड वैल्यू और बिजनेस मॉडल लगातार मजबूत हो रहा है। निवेशकों को लगता है कि आने वाले वर्षों में इसमें शामिल टीमों की वैल्यू और बढ़ सकती है। इस ट्रेंड को गति देने में शेयर बाजार की मौजूदा सुस्ती भी योगदान दे रही है। बाजार में उतार-चढ़ाव और सीमित रिटर्न के चलते रिटेल निवेशक नए विकल्पों की तलाश में हैं।

वित्तीय सलाहकार राजीव सिंह का कहना है कि अनलिस्टेड शेयरों में निवेश उतना आसान नहीं है, जितना दिखता है। इनमें लिक्विडिटी सीमित होती है, यानी जरूरत पड़ने पर तुरंत बेचना मुश्किल हो सकता है। कीमतों में पारदर्शिता की कमी से सही वैल्यू का आकलन कठिन होता है। यह बाजार सेबी द्वारा पूरी तरह से रेगुलेटेड भी नहीं होता है।

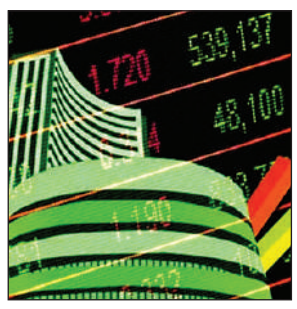

- शहर में सीएसके के अनलिस्टेड शेयरों की प्री-आईपीओ की उम्मीद में बढ़ी खरीदारी

सेंसेक्स में उछाल से 2200 करोड़ की वृद्धि का अनुमान

पश्चिम एशिया में जारी तनाव में कमी आते ही शेयर बाजार में रौनक लौटने लगी है। निवेशकों का भरोसा लौटने से दूसरे दिन भी बाजार में तेजी देखने को मिली। बुधवार को कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1205 अंक, निफ्टी 394 अंकों की बढ़त के साथ बंद हुआ। इससे रामनवमी के पहले शहर के निवेशकों के पोर्टफोलियो में करीब 2200 करोड़ रुपये की वृद्धि का अनुमान लगाया गया। हालांकि शेयर बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यह तेजी अभी पूरी तरह स्थायी नहीं मानी जा सकती है। वैश्विक घटनाक्रम पर नजर बनाए रखना जरूरी होगा। गुरुवार को बाजार में अवकाश रहेगा।

संसाधनों का अव्यवस्थित उपयोग एक बड़ी चुनौती

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। प्राकृतिक ऊर्जा के लिए समुद्र सहित कई स्रोत पर निर्भरता है। ऐसे स्त्रोत को सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। ऊर्जा संसाधनों का अव्यवस्थित उपयोग बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है।

यह विचार बुधवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के कोटक स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी में स्वस्तिभवतु व्याख्यान श्रृंखला के दौरान विशेषज्ञों ने व्यक्त किए। रावत फैमिली ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित इस व्याख्यान का उद्देश्य सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञों को एक मंच पर लाना रहा। व्याख्यान को भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने संबोधित किया। उन्होंने 'ब्लू इकॉनमीः भारत के अवसर और चुनौतियां' विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने भारत के विस्तृत विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र और सतत समुद्र-आधारित विकास के लिए अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने समुद्र से मिलने वाले संसाधनों का उपयोग ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और पानी की जरूरतों को पूरा करने में कैसे योगदान किया जा सकता है, इस पर चर्चा की। साथ ही वैज्ञानिक अनुसंधान, नई तकनीकों और मजबूत नीतियों के महत्व को भी बताया। व्याख्यान में जलवायु परिवर्तन, समुद्री पर्यावरण को नुकसान और संसाधनों के सही उपयोग जैसी चुनौतियों पर भी बात की गई।

हनुमान कथा | भक्ति, ज्ञान और जीवन दर्शन का अद्भुत संगम, कर्म फल और सच्चे गुरु के महत्व पर दिया गया संदेश

हनुमत कृपा से बन जाते बिगड़े काम : कौशल महाराज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीएसजेएमयू सभागार में चल रही हनुमान कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। कथा में भक्ति व आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। पूज्य संत विजय कौशल महाराज ने अपने दिव्य प्रवचनों से श्रोताओं को गहन आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान किया। महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि हनुमान की कृपा से ही जीवन के असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं।

उन्होंने सुग्रीव, विभीषण, माता सीता, लक्ष्मण तथा अयोध्यावासियों के उदाहरण देते हुए बताया कि संकट की हर घड़ी में हनुमान ही सहायक बनते हैं। उन्होंने कहा कि चमत्कार दिखाने और सपने दिखाकर लोगों को आकर्षित करने वाले व्यक्ति केवल भ्रमित कर सकते हैं, लेकिन उनका वास्तविक कल्याण नहीं कर सकते। सच्चा मार्ग केवल भक्ति और सत्संग का ही है।

कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी। अमृत विचार

विजय महाराज ने कर्मफल के सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए कहा कि मनुष्य द्वारा शरीर से किए गए पापों का फल इसी संसार में भोगना पड़ता है। इसलिए व्यक्ति को सदैव अच्छे कर्म करने चाहिए। भक्ति के विषय में उन्होंने बताया कि कलयुग में भजन ही सबसे सरल और प्रभावी साधन है। भजन के चार स्तरों को समझाते हुए उन्होंने कहा कि प्रारंभिक स्तर पूजा का है, इसके बाद सद्ग्रंथों का पाठ, फिर नाम और मंत्र जप, और अंत में वह अवस्था जब मन हर समय भगवान में ही रमा रहता है।

अंत में उन्होंने एक मार्मिक प्रसंग बताते हुए कहा कि राम नाम लिखे पत्थर समुद्र में तैरते थे, जबकि भगवान राम द्वारा छोड़े गए पत्थर डूब जाते थे। इसका संदेश यह है कि जिसे भगवान अपने हाथ में रखते हैं वही भवसागर से पार होता है, अन्यथा मनुष्य डूब जाता है। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु भाव-विभोर होकर कथा का रसपान करते रहे। आयोजन समिति द्वारा सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की गईं।

कार्यक्रम में भवानी भीख प्रान्त संघ चालक, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी, रमा पचौरी, प्रेम त्रिपाठी, सुनील शुक्ला, तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. उमेश पालीवाल, डॉ. विवेक द्विवेदी, अनूप पचौरी, उमेश निगम व संचालक डॉ. सुनील सिंह आदि मौजूद रहे।

नवरात्र के सातवें दिन कालरात्रि के दर्शन को उमड़ी भक्तों की भीड़

मां के दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं के जयकारों से गुंजायमान हो उठा मंदिर परिसर

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि के दर्शन के लिए नगर के विभिन्न मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं की कतारें लग गईं। बालूघाट स्थित गायत्री मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रही, जहां माता का भव्य श्रृंगार किया गया। पट खुलते ही श्रद्धालुओं में दर्शन के लिए उत्साह रहा और जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

गांधी नगर स्थित काली मंदिर में भी मां कालरात्रि का विशेष श्रृंगार किया गया। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा की थाल लेकर पहुंचे। जिसमें नारियल, चुनरी, धूप, दीप व नैवेद्य शामिल था। मंदिर खुलने से पहले ही भक्तों की भीड़ जमा हो गई थी। जैसे ही पट खुले, पहले दर्शन के लिए होड़ मच गई। श्रद्धालुओं ने विधिविधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। दुर्गा मंदिर के

दुर्गा मंदिर में आरती के दौरान श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

पंडित विनोद पांडेय ने बताया कि सच्चे मन से मां के दर्शन करने वालों की मनोकामनाएं जरूर पूर्ण होती हैं। राजमार्ग स्थित दुर्गा मंदिर में भी दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। यहां कानपुर, लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव समेत विभिन्न जिलों से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। सुबह से शाम तक मंदिरों में भक्ति का माहौल बना रहा और श्रद्धालु मां कालरात्रि के जयकारे लगाते नजर आए।

भुवनेश्वरी मंदिर में कन्या भोज के साथ हुआ भंडारा

फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के गांव लोनारपुर स्थित प्रसिद्ध माता भुवनेश्वरी देवी सिद्धिपीठ में बुधवार को नवरात्र के सातवें दिन हवन पूजन के साथ कन्याभोज व भंडारे का आयोजन हुआ। सिद्धपीठ के पीठाधीश्वर नीरज स्वरूप ब्रह्मचारी ने बताया कि सिद्धपीठ में विराजमान माता भुवनेश्वरी नवदुर्गा के सातवें रूप माता कालरात्रि का ही स्वरूप हैं। पीठ की परंपरा के अनुसार पूर्व से नवरात्र के सातवें दिन माता का हवन पूजन होता है। सातवें दिन ही माता के हवन में पूर्णाहुति दी जाती है। बताया कि नवरात्र के सातवे दिन माता के पूजन में शामिल होकर प्रसाद पाने क्षेत्र ही नहीं गैर जनपद से भी श्रद्धालु आते हैं। बुधवार को आचार्य शिवम द्विवेदी, विनय तिवारी, आदित्य तिवारी, आचार्य नितिन, राजेश शुक्ला, कन्हैया लाल तिवारी, प्रांशु, अमन शुक्ला बाला आदि ने वेदमंत्रों के साथ हवन पूजन संपन्न कराया। वहीं पीठ में आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ों कन्याओं के साथ क्षेत्रीय विधायक की पत्नी विभा कटियार, विधायक पुत्र अंशू कटियार, रमेश त्रिपाठी, मोहित मिश्रा, शिवम, विशाल, कल्लू, श्यामजी वर्मा, गणेश, राजेश, परमात्मा, आलोक मिश्रा, प्रभाकर शुक्ला, दिनेश तिवारी समेत हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

माता के भजनों से गूंज उठे देवी मंदिर

शहर के कल्याणी मंदिर में होता महिला संगीत। ● अमृत विचार

उन्नाव: चैत्र नवरात्र के सातवें दिन बुधवार को जिले भर में मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना के लिये शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। विशेष रूप से कल्याणी देवी, दुर्गा माता मंदिर व पूर्णा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं ने मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह मंदिर के कपाट खुलते ही 'जय माता दी' के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। भक्तों ने कतारों में लगकर माता रानी को फल, फूल व नैवेद्य अर्पित किए। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मंदिर समितियों द्वारा विशेष प्रबंध किए गए थे। ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन में असुविधा न हो। दिनभर की पूजा के बाद शाम का नजारा और भी मनमोहक हो गया। मंदिरों में महिलाओं की टोलियों ने ढोलक व मंजीरे की थाप पर पारंपरिक देवी गीतों व भजनों की प्रस्तुति दी। देररात तक चले कार्यक्रमों में महिलाओं ने निमिया की ड़ार मैया जैसे पारंपरिक गीतों से माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। मोहल्ले की महिलाओं ने एकजुट होकर माता की महिमा का गुणगान किया।

परिवार की सुख-समृद्धि के लिए भक्तों ने किया मां कालरात्रि का पूजन

बांगरमऊ, उन्नाव: चैत्र नवरात्र के सातवें दिन बुधवार को नगर व ग्रामीण क्षेत्र के शक्तिपीठों पर श्रद्धालुओं ने मां कालरात्रि का पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिरों में सुबह से लंबी कतारें लगी रहीं। नगर के मोहल्ला नौनिहालगंज बाजार स्थित फुलवरिया मैदान स्थित मां भुवनेश्वरी देवी मंदिर सैकड़ों वर्षों पूर्व तालुकदार चौधरी परिवार द्वारा स्थापित किया गया था। इस मंदिर में देवी की पुरातन प्रतिमा का पूजन पूर्व राज्यमंत्री चौधरी अशोक कुमार सिंह 'बेबी' व रामलीला समिति के अध्यक्ष चौधरी आशीष सिंह 'गोलू' द्वारा किया गया। प्रबंध समिति द्वारा बुधवार को माता रानी का भव्य श्रृंगार किया गया। मोहल्ला शुक्लाना स्थित राज राजेश्वरी माता मंदिर, अहिरन पुरवा मार्ग पर मां शीतला देवी मंदिर, खत्रियाना के संतोषी माता मंदिर व छोटी बाजार स्थित मातंगी माता मंदिर में भक्तों ने चुनरी व नारियल चढ़ाकर माता के दर्शन किए। इसके अलावा मोहल्ला गुलाम मुस्तफा के फूलमती मंदिर, नानामऊ मार्ग के संदोहन देवी मंदिर, न्यू कटरा के दुर्गा माता मंदिर, रेलवे क्रॉसिंग के पास बाला देवी मंदिर व भटपुरी के जगदीश्वरी मंदिर में भी भक्तों की भीड़ रही। मोहल्ला सराय स्थित राधे श्री व सुंदरेश्वरी मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से शीश नवाया।

न्यूज ब्रीफ

मादक पदार्थ तस्कर को मिली सजा

उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने 13 सितंबर-2023 को क्षेत्र के इंदिरा नगर मोहल्ला निवासी रामचंद्र रावत को 1.100 किलो मादक पदार्थ के साथ पकड़कर जेल भेजा था। एसआई हरिनिवास शर्मा ने जांच कर 5 दिसंबर-2023 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश जयवीर सिंह नागर ने शासकीय अधिवक्ता विनय प्रकाश शुक्ला की दलील व साक्ष्य के आधार रामचंद्र को दोषी ठहराते हुए 1 माह 27 दिन की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 5000 का जुर्माना भी लगाया।

किशोरी से छेड़छाड़ के दोषी को तीन साल की सजा

उन्नाव, अमृत विचार : किशोरी से छेड़छाड़ करने के दोषी को कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के बाद 3 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ उस पर 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के एक व्यक्ति ने 22 अक्टूबर-2022 को कोतवाली क्षेत्र के गांव सुमरहा निवासी वीरेंद्र उर्फ लल्लू पर नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ करने का आरोप लगा तहरीर दी थी। इस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर 8 नवंबर को आरोपी को पकड़कर जेल भेजा था। आईओ अचल रावत ने साक्ष्य एकत्र कर 5 दिसंबर-2022 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से मुकदमा एडीजे-12 कोर्ट में विचाराधीन था। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने वीरेंद्र को दोषी ठहराते हुए 3 साल की सजा सुनाई।

डंपर से टकराकर पलटी मिनी बस, 10 तीर्थयात्री घायल

संवाददाता हसनगंज उन्नाव

अमृत विचार: हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर तालासरांय गांव के पास देररात डंपर में पीछे से टकराई मिनी टूरिस्ट बस डिवाइडर किनारे जाकर पलट गई। इसमें चालक सहित 10 तीर्थयात्री घायल हो गए। इसमें 7 को जिला अस्पताल भेजा गया।

महाराष्ट्र के जिला अमरावती के रसूलपुर धनुका हासेगांव निवासी गोपाल (53) पुत्र मधुनाथ अपनी पत्नी प्रांजलि (45), माली (50) पत्नी सरोजकांत, धनपत (40) पुत्र

जिला अस्पताल में भर्ती घायल श्रद्धालु।

दिनेश, विश्वासराव (70), उनकी पत्नी नीलम राव (60), किशन (44), लवकुमार (35), ज्योति (45) पत्नी प्रमोद कुमार, मूला ताई (59) पत्नी रमेशराव सहित 27 श्रद्धालु सोमवार को मिनी बस से तीर्थयात्रा पर निकले थे। राजस्थान के बालाजी व मथुरा वृंदावन के दर्शन कर अयोध्या जा रहे थे। बस को महाराष्ट्र निवासी लाखनराम (34) चला रहा था। तभी हसनगंज कोतवाली के तालासरांय गांव के सामने मंगलवार रात 1 बजे चालक लाखन राम को झपकी आने से आगे चल रहे हैं डंपर में बस पीछे से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। इसमें चालक सहित 10 सवारियां घायल हो गईं। पुलिस व यूपीडा कर्मियों ने रेस्क्यू कर उन्हें औरास सीएचसी भिजवाया। जहां से विश्वासराव, धनपत, माली, लवकुमार, ज्योति व मूला ताई को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद करीब 1 घंटे एक्सप्रेस-वे पर आवागमन प्रभावित रहा। क्षतिग्रस्त बस को रेवड़ी टोला प्लाजा पर खड़ा कराया गया है। हसनगंज कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि आगे चल रहे डंपर में मिनी बस टकराकर एक्सप्रेस-वे पर पलट गई थी। चालक सहित 10 लोग घायल हुए थे। सीएचसी में उपचार के बाद 6 को गंभीर देख जिला अस्पताल भेजा गया है। चालक डंपर लेकर भाग निकला है।

दीक्षांत समारोह में बच्चों की प्रस्तुति ने मोहा मन

पुरुस्कृत प्रतिभागियों के साथ चेयरपर्सन व प्रधानाचार्या।

उन्नाव, अमृत विचार : सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल परिसर में दीक्षांत समारोह हुआ। इसमें बच्चों ने आकर्षक व मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शुभारंभ में एलकेजी व नर्सरी कक्षाओं की छात्राओं वाणी साहू, यशिका, आर्या सिंह, अनाया भारती, शैवी आदि द्वारा वेलकम डांस, यूकेजी के छात्र अरशान, अयांश राजपूत, सूर्यांश, राघव आदि ने गीत 'चंदा चमके चम-चम', की प्रस्तुति दी। मौंटेसरी के बच्चों ने ब्लाइंड फोल्ड व कलर मिक्सिंग जैसी रोचक गतिविधियां पेश कीं। अभिभावकों ने भी एक मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया। बच्चों ने मधुर 'थैंक्यू सॉन्ग' प्रस्तुत कर सभी का आभार व्यक्त किया। स्कूल की चेयरपर्सन रोमा आहूजा ने विजेताओं को पुरस्कार देते हुए शिक्षण कार्य के अतिरिक्त छात्रों की विभिन्न गतिविधियों को उभारने में शिक्षकों के सहयोग की सराहना की। प्रधानाचार्या निधि शर्मा ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बेनहर इंटरनेशनल स्कूल में हुई रोबोटिक प्रयोगशाला की व्यवस्था

प्रोजेक्ट का निरीक्षण करते आईपीएस संचित शर्मा।

उन्नाव, अमृत विचार : बेनहर इंटरनेशनल स्कूल अब्बासपुर में रोबोटिक प्रयोगशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि सहायक पुलिस अधीक्षक संचित शर्मा ने किया। इसमें आयोजित कार्यक्रम में एआई व रोबोटिक्स के महत्व पर प्रकाश डाला गया। विद्यालय प्रबंधक फैज़ अली अल्वी ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए नई तकनीक लाने को कहा गया था। जिसकी व्यवस्था कर दी गई है। अभिभावकों ने बच्चों द्वारा बनाए गए वर्किंग प्रोजेक्ट्स देख खुश हुए व विद्यालय में निरन्तर बदलावों की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि संचित शर्मा ने कार्यक्रम की सराहना की। प्रधानाचार्या पल्लवी हरमन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए एआई व रोबोटिक्स की विशेषताएं बताईं। इस मौके पर विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

उत्साह संग मनाया गया नवारंभ प्रवेश उत्सव

कार्यक्रम के दौरान मौजूद शिक्षक, अभिभावक व बच्चे।

उन्नाव, अमृत विचार : नए शिक्षासत्र के आगाज के साथ परिषदीय विद्यालयों में रौनक लौट आई है। इसी क्रम में बुधवार को प्राथमिक विद्यालय अचलगंज द्वितीय में नवारंभ कार्यक्रम प्रवेश उत्सव का आयोजन हुआ। पहले दिन नए बच्चों का स्वागत त्योहार की तरह हुआ। जिससे विद्यालय परिसर उत्साह से भर उठा। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय की प्रधान शिक्षिका प्रतिभा मिश्रा ने किया। उन्होंने विद्यालय में कदम रखने वाले नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर व स्नेहपूर्वक स्वागत किया। विद्यालय आए अभिभावकों का उत्साहवर्धन करने के लिए प्रधान शिक्षिका ने खुद उन्हें मिठाई व केक खिलाकर मुंह मीठा कराया। प्रधान शिक्षिका ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यालय व अभिभावकों का आपसी समन्वय जरूरी है। उन्होंने नए सत्र की सकारात्मक शुरुआत के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। जो शिक्षा के प्रति सामुदायिक जुड़ाव को दर्शाता है। इस दौरान सहायक अध्यापक धून प्रसाद व अन्नपूर्णा तिवारी मौजूद रही।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण को लेकर हुई बैठक

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : नगर पालिका कार्यालय में बुधवार को विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर चेयरमैन कौमुदी पांडेय की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें जिला मलेरिया अधिकारी डा. अर्चना मिश्रा, प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. राजेश चन्द्रा, ईओ मुकेश मिश्र समेत जनप्रतिनिधि व कर्मचारी मौजूद रहे। अध्यक्ष ने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिये कि नागरिकों को स्वच्छ वातावरण व बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने अभियान का औचक निरीक्षण करने की भी बात कही। बैठक में डा. अर्चना मिश्रा ने 1 से 30 अप्रैल तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान की जानकारी दी। उन्होंने मलेरिया, डेंगू व दिमागी बुखार की रोकथाम के लिए हर वार्ड में एंटी लार्वा छिड़काव, फॉगिंग, जलभराव रोकने, साफ-सफाई व जनजागरूकता पर विशेष जोर दिया। ईओ ने सफाई नायकों से अभियान को प्राथमिकता पर सफल बनाने के निर्देश दिए। सांसद प्रतिनिधि अवधेश दीक्षित व अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पाण्डेय ने भी विचार रखे। इसमें जागरूकता के लिए विशेष वर्कशॉप आयोजित कराने पर सहमति बनी।

विद्युत विभाग ने बदली ट्रांसफार्मर की लीड

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गर्मी को ध्यान में रखते हुए नगर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को विभाग द्वारा महेश मार्ग में करीब 3 घंटे आपूर्ति बंद कर 630 केवीए ट्रांसफार्मर की लीड बदली। इस दौरान सैकड़ों घरों की आपूर्ति बाधित रही। जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सुबह करीब साढ़े 11 बजे एसडीओ के निर्देश पर कर्मचारी पहुंचे और शटडाउन लेने के बाद काम शुरू किया। करीब 3 घंटे तक चले कार्य में ट्रांसफार्मर की 4 लीड बदली गईं। कटौती के चलते लोगों को गर्मी में परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि विभाग द्वारा पहले से सूचना न देने की शिकायत भी सामने आई। दोपहर करीब ढाई बजे कार्य पूरा होने पर आपूर्ति बहाल की गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। एसडीओ राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि गर्मी में लीड खराब होने से आपूर्ति प्रभावित होती है। इसलिए समय रहते मरम्मत कार्य हो रहा है।

एसटीपी निर्माण में ग्रामीणों के विरोध पर रोकी गई खोदाई

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: कटरी पीपर खेड़ा क्षेत्र में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण को लेकर बुधवार को विवाद खड़ा हो गया। जल निगम अर्बन द्वारा जेसीबी से खुदाई शुरू कराने पर स्थानीय लोगों के विरोध पर फिलहाल काम रोक दिया गया।

जानकारी के अनुसार, जल निगम अर्बन के अफसरों ने गाटा संख्या-57 व 58 की भूमि पर एसटीपी निर्माण के लिए खुदाई शुरू कराई थी। अफसरों का कहना है कि यह भूमि नगर पालिका गंगाघाट के ईओ व भूलेख विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई है। हालांकि, खुदाई शुरू होते ही आसपास के ग्रामीणों ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि न तो उन्हें कोई पूर्व सूचना दी गई और न ही कार्य को लेकर स्पष्ट जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने दावा किया कि खुदाई स्थल मझरा पीपर खेड़ा क्षेत्र में आता है। जबकि दस्तावेजों में इसे कटरी पीपर खेड़ा दर्शाया गया है। नक्शे को लेकर भी दोनों पक्षों में असमंजस बना रहा। स्थिति बिगड़ती देख मौजूद अधिकारियों ने निर्माण रुकवा दिया। जल निगम के जेई ने बताया कि उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर ही कार्य शुरू किया गया था। प्रस्तावित प्लांट में इंद्रा नगर व रविदास नगर के नालों का पानी शोधन कर स्वच्छता व्यवस्था बेहतर की जाएगी। आगे के निर्देशों के बाद कार्य पुनः शुरू होगा।

फायरिंग मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता शुक्लागंज , उन्नाव

अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के हाजीपुर चौकी अंतर्गत बसधना गांव में मंगलवार देररात बांस काटने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों में कहासुनी के बाद हुई फायरिंग में एक महिला घायल हो गई थी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर 3 नामित समेत अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर एक को पकड़कर जेल भेजा है।

जानकारी के अनुसार, बेनीपुरवा निवासी नंदिनी निषाद ने पीआरवी को सूचना दी थी कि कुछ लोग सुनील पुत्र चुन्नीलाल के बांस काटकर ले जा रहे थे। तभी बांस रास्ते में उनके घर के विद्युत तार में उलझ गया। जिसे लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और मामला मारपीट के साथ फायरिंग तक पहुंच गया। फायरिंग के दौरान नंदिनी निषाद के पैर में छर्रे लग गए जिससे वह घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर सूरज पुत्र जगदीश, काशीराम पुत्र राजाराम निवासी गांव पटियार गंगाघाट व मनीष पुत्र अज्ञात निवासी दुर्गापुरवा थाना नवाबगंज कानपुर नगर सहित अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। कोतवाल अजय सिंह ने बताया कि एक आरोपी काशीराम को मुखबिर की सूचना पर महानंदपुरवा गांव के बाहर पुल के पास से पकड़कर जेल भेजा गया है। अन्य की तलाश के लिये टीमें दबिश दे रही हैं।

पुलिस गिरफ्त में खड़ा आरोपी। ● अमृत विचार

● मंगलवार देररात हाजीपुर में हुई थी फायरिंग, चार पर रिपोर्ट दर्ज

मेले में बिछड़े दो बच्चों को परिजनों से मिलाया

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार : अजगैन कोतवाली क्षेत्र के कुशहरी देवी मंदिर में नवरात्रि मेले के दौरान परिजनों से बिछड़े दो बच्चों को अजगैन पुलिस व मेला कमेटी की तत्परता से सकुशल परिजनों को सौंप दिया गया। मेला मालिक ज्योतिरादित्य प्रताप सिंह ने बताया कि बुधवार को नवरात्रि पर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। इसमें हसनगंज निवासी बबली सिंह अपने बेटे गुन्नू को लेकर दर्शन करने आई थी। लेकिन भीड़ में बच्चा उनसे बिछड़ गया। रोते बच्चे को देख ग्रामीणों ने उसे मेला कमेटी कार्यालय पहुंचाया। वहां तैनात महिला सिपाही गुड़िया ने परिजनों से संपर्क कर गुन्नू को सकुशल सौंप दिया। वहीं शाहपुर सिंदौरा निवासी पुष्कर परिवार के साथ कुसुंभी मंदिर दर्शन को आया था। तभी मेले में उसकी 4 वर्षीय बेटी गौरी बिछड़ गई। मेला कमेटी, महिला सिपाही गुड़िया व सिपाही प्रदीप यादव ने बच्ची को सुरक्षित परिजनों को सौंपा।

रेलवे पुल की कोठियों की मरम्मत शुरू

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: कानपुर-शुक्लागंज के बीच गंगा नदी पर बने रेलवे पुल को मजबूत करने के लिए रेलवे ने मरम्मत शुरू करा दी है। बुधवार को शुक्लागंज की ओर स्थित पुल की पहली कोठी में ड्रिल मशीन से छेद कर उसमें एपॉक्सी केमिकल डालने का कार्य हुआ।

कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग व्यस्ततम रूटों में शामिल है। जहां रोज सैकड़ों ट्रेनों का संचालन होता है। ऐसे में रेलवे पुल की सुरक्षा व मजबूती सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने व्यापक योजना तैयार की है। इसी क्रम में आगामी 2 अप्रैल से मेगा ब्लॉक लेकर डाउन लाइन के जर्जर ट्रफ बदलने का कार्य भी

रेलवे पुल की कोठी में एपॉक्सी केमिकल डालने का काम करते कर्मचारी।

प्रस्तावित है। बुधवार को कर्मचारी पुल के नीचे मरम्मत कार्य में जुटे रहे। कर्मियों ने कोठी नंबर-1 की दीवार में करीब 6 इंच से 1 फीट तक ड्रिलिंग की। इसके बाद छेद में एल्यूमिनियम की रॉड डालकर एपॉक्सी केमिकल इंजेक्ट किया गया। जिससे कंक्रीट संरचना को अतिरिक्त मजबूती मिल सके। यह प्रक्रिया पुल की दीर्घकालिक मजबूती व सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कर्मियों ने बताया कि इसी तरह पूरे पुल की कोठियों पर एपॉक्सी केमिकल डाला जायेगा। जिससे पुल की कोठी मजबूत हो सके।

● रेलवे पुल की कोठी में ड्रिल कर डाला जा रहा एपॉक्सी केमिकल

1042 परीक्षकों ने जांची 46286 कापियां

● सातवें दिन 1756 परीक्षकों में से 1042 उपस्थित और 714 अनुपस्थित रहे

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटर की कांपियों के मूल्यांकन के सातवें दिन चार केंद्रों में 1042 परीक्षकों ने 46286 कांपियों का मूल्यांकन किया। 1756 परीक्षकों में 1042 उपस्थित व 714 अनुपस्थित रहे।

डॉ. जीनाथजी दयाल बालिका इंटर कॉलेज में हाईस्कूल के 52 डिप्टी हेड में 49 उपस्थित हुए और 517 परीक्षकों में 254 उपस्थित हुए। इसमें 10288 कांपियों का मूल्यांकन हुआ। यहां 27 में 19 अंकेक्षक परीक्षक उपस्थित हुए। अब तक 56518 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। जीआईसी में हाईस्कूल के 52 डिप्टी हेड में 48 उपस्थित व 491 परीक्षकों में 292 उपस्थित हुए। जिन्होंने 12783 कांपियों का मूल्यांकन किया। यहां 26 में 18 अंकेक्षक मौजूद रहे। अब तक 54679 कांपियों का मूल्यांकन हुआ। जीजीआईसी में इंटर के 31 डिप्टी हेड में 26 व 297 परीक्षकों में 195 परीक्षक उपस्थित हुए। यहां 11755 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। यहां 17 अंकेक्षकों में 12 उपस्थित हुए। अब तक 52753 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। अटल बिहारी इंटर कॉलेज में इंटर के 30 डिप्टी हेड में 27 व 286 परीक्षकों में 151 परीक्षक मौजूद रहे यहां 11460 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। यहां 15 में 13 अंकेक्षक उपस्थित हुए। अब तक 41563 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। चारों मूल्यांकन केंद्रों में अब तक 338081 कांपियों में 205513 का मूल्यांकन किया गया। जो 61.5 प्रतिशत है।

26 व 27 मार्च को नहीं होगा मूल्यांकन

उन्नाव: माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव के निर्देशानुसार राम नवमी के पर्व पर 26 व 27 मार्च को शासन द्वारा सार्वजनिक अवकाश घोषित किये जाने से जिले के सभी मूल्यांकन केन्द्रों पर कांपियों का मूल्यांकन कार्य स्थगित रहेगा। यह जानकारी डीआईओएस सुनील दत्त ने दी।

सखी सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज के नेतृत्व में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान, प्रशासन की सख्ती देख अतिक्रमणकारियों ने

गांधीनगर तिराहे पर हटाए गए अवैध कब्जे

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज के नेतृत्व में गांधीनगर तिराहा स्थित कोतवाली के पास अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। जिससे अतिक्रमण कारियों में हड़कंप मच गया। अभियान की शुरुआत शहर के कोतवाली तिराहा से हुई।

नगर पालिका व पुलिस की संयुक्त टीम ने जेसीबी व ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ सड़क किनारे अवैध रूप से लगाई गई अस्थायी दुकानों, ठेलों व टीन शेडों को हटाना शुरू किया। प्रशासन की सख्ती देख कई दुकानदारों ने आनन-फानन में खुद ही अपना सामान हटाना शुरू कर दिया। सुरक्षा की दृष्टि से वहां भारी पुलिस बल तैनात रहा। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि गांधीनगर तिराहा शहर का मुख्य केंद्र है। जहां हर समय वाहनों का आवागमन रहता है। सड़क के दोनों ओर अवैध कब्जों के कारण यहां आएदिन जाम की स्थिति बनी रहती थी। जिससे राहगीरों व एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं को भी परेशानी होती थी। अधिकारियों ने मौके पर ही व्यापारियों व ठेले वालों को हिदायत देते हुए कहा कि यदि दोबारा सड़क या फुटपाथ पर कब्जा मिला तो भारी जुर्माना वसूला जाएगा। बार-बार नियम तोड़ने

सदर कोतवाली के पास अवैध अतिक्रमण हटाते पालिका कर्मी। ● अमृत विचार

वालों पर कानूनी कार्रवाई भी होगी। यह अभियान शहर के अन्य व्यस्त क्षेत्रों जैसे स्टेशन रोड, बड़ा चौराहा, धवन रोड सहित मुख्य बाजारों में भी जारी रहेगा। प्रशासन ने सभी दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकानों का सामान निर्धारित सीमा में रखें। नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि शहर को व्यवस्थित व जाममुक्त बनाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज ने कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

अवैध खनन में लिप्त पोकलैंड व दो डंपर सीज

शुक्लागंज, उन्नाव: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के देवारा गांव में चल रहे अवैध खनन के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की। किसानों की शिकायत पर जिलाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को सिटी मजिस्ट्रेट, एसडीएम व खनन विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर 1 पोकलैंड मशीन व 2 डंपर पकड़कर सीज कर दिये। जानकारी के अनुसार, देवारा क्षेत्र में बीते कई दिनों से किसानों की जमीनों पर अवैध खनन हो रहा था। जिससे क्षेत्रीय लोगों में रोष था। शिकायत पर सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, एसडीएम क्षितिज द्विवेदी, जिला खनन अधिकारी मनीष यादव, गंगाघाट पुलिस व लेखपाल मौके पर पहुंचे। टीम ने छापेमारी के दौरान खनन कर रही मशीन व डंपरों को पकड़ लिया और तत्काल सीज करने की कार्रवाई की। इसके बाद अधिकारियों ने दोबारा मौके का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। एडीएम सुशील कुमार ने बताया कि शासन के निर्देश पर अवैध खनन को गंभीरता से लेते हुए लगातार निगरानी की जा रही है। इसके लिए विशेष टास्क फोर्स गठित की गई है। उन्होंने बताया कि आपसी समन्वय के लिए अधिकारियों का ग्रुप भी बनाया गया है। जिससे त्वरित सूचना साझा कर कार्रवाई की जा सके। अवैध खनन में संलिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अमृत विचार

गुरुवार, 26 मार्च 2026

यदि विश्वास विवेक का ताप नहीं सह सकता है, तो वह अपने आप ध्वस्त हो जाएगा।

–शहीदे आजम भगत सिंह

स्वागत योग्य निर्णय

भारत के सामाजिक न्याय ढांचे के केंद्र में धर्म और जाति के अंतर्संबंधों का प्रश्न अत्यंत संवेदनशील है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय दूरगामी प्रभावों वाला साबित हो सकता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अतिरिक्त किसी अन्य धर्म, जैसे इस्लाम या ईसाई धर्म को अपनाने पर व्यक्ति का अनुसूचित जाति का स्वतः दर्जा समाप्त हो जाता है। यह व्यवस्था मूलतः 1950 के राष्ट्रपति आदेश पर आधारित है, जिसे 1956 में संशोधित कर सिख और 1990 में बौद्ध धर्म को भी शामिल किया गया। यह फैसला इस मामले में एक ओर संवैधानिक स्पष्टता लाता है, तो दूसरी ओर सामाजिक यथार्थ के कई जटिल प्रश्नों को भी उजागर करता है। स्वागत योग्य पहलू यह है कि न्यायालय ने "धर्म-आधारित आरक्षण" की अवधारणा को सीमित करते हुए यह स्पष्ट करती है कि अनुसूचित जाति की पहचान ऐतिहासिक रूप से हिंदू सामाजिक संरचना में निहित अस्पृश्यता से जुड़ी है। इस दृष्टि से यह फैसला उन वर्गों के लिए लाभकारी है, जो मानते हैं कि आरक्षण का आधार सामाजिक-ऐतिहासिक उत्पीड़न होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक या सामान्य पिछड़ापन। किंतु इसके सामाजिक और राजनीतिक फलितार्थ किंचित अधिक जटिल हैं।

भारत में धर्म परिवर्तन के बावजूद जातिगत पहचान का पूर्ण लोप कभी नहीं होता, यह एक स्थापित सामाजिक सत्य है। इस्लाम में पसमांदा, अशरफ, अंसारी जैसे वर्ग और ईसाई समाज में भी दलित ईसाइयों की अलग पहचान, यह दर्शाती है कि सामाजिक भेदभाव धर्म बदलने से स्वतः समाप्त नहीं होती। ऐसे में, अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त होने से इन समुदायों के कमजोर वर्गों को कानूनी सुरक्षा, विशेषकर अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 और आरक्षण लाभ से वंचित होना पड़ेगा। यह उनके लिए एक वास्तविक नुकसान है, जहां तक अनुसूचित जनजाति का प्रश्न है, वे इस संदर्भ में अलग स्थिति में हैं। इनकी पहचान धर्म से नहीं, बल्कि जनजातीय-भौगोलिक और सांस्कृतिक विशेषताओं से जुड़ी है। इसलिए धर्म परिवर्तन के बाद भी उनका दर्जा सामान्यतः बना रहता है। यही कारण है कि यह निर्णय अनुसूचित जाति पर तो लागू होता है, पर अनुसूचित जनजाति पर नहीं। यह एक विवेक सम्मत निर्णय है।

इस फैसले से अत्याचार संबंधी मामलों में कमी नहीं आएगी, बल्कि यह संभव है कि पीड़ित वर्गों के पास कानूनी संरक्षण के सीमित विकल्प रह जाएं, जिससे न्याय तक पहुंच और कठिन हो। "घर वापसी" या पुनर्परिवर्तन के मामलों में न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि व्यक्ति को यह प्रमाणित करना होगा कि उसका पुनः धर्मांतरण वास्तविक और स्वैच्छिक है, न कि केवल आरक्षण लाभ पाने के उद्देश्य से। इसके लिए सामाजिक स्वीकृति, समुदाय में पुनः समावेश और व्यावहारिक परिवर्तन जैसे मानदंड देखे जाएंगे, जो सर्वथा उचित है। यह निर्णय भारत के सामाजिक न्याय विमर्श को एक नए मोड़ पर ले जाता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि सरकार और समाज मिलकर उन कमजोर वर्गों के लिए वैकल्पिक सुरक्षा तंत्र विकसित करें, जो धर्म परिवर्तन के बाद भी भेदभाव का सामना करते हैं। न्याय केवल विधिक परिभाषाओं से नहीं, बल्कि सामाजिक वास्तविकताओं के संतुलन से सुनिश्चित होता है।

प्रसंगवश

युद्ध, मौसम और बाजार के बीच फंसता आम आदमी

मार्च 2026 की यह वसंत ऋतु किसी नवजीवन की नहीं, बल्कि एक ऐसे मौन तूफान की कहानी कह रही है, जिसने भारत के आम घर की रसोई से लेकर खेत की मेड़ तक हर सांस को भारी कर दिया है। एक ओर पश्चिम एशिया में युद्ध की आग भड़क रही है, तो दूसरी ओर धरती पर तपता सूरज और बेमौसम बरसते ओले किसान की उम्मीदों को कुचल रहे हैं। इन सबके बीच एमएसपी को लेकर सुलगता असंतोष उस आग में घी डालने का काम कर रहा है। यह सिर्फ खबरों का विषय नहीं, बल्कि हर उस परिवार की हकीकत है, जिसकी थाली और आजीविका इन संकटों से सीधे जुड़ी है। रसोई का चूल्हा, जो हर घर की धड़कन होता है, आज अनिश्चितता के धुएं में घिरा हुआ है। ईरान के आसपास बढ़े तनाव और हॉर्मुज जैसे महत्वपूर्ण मार्गों पर आई बाधा ने एलपीजी आपूर्ति की रीढ़ हिला दी है। छोटे ढाबे, होटल और ठेले वाले, जो शहरों की जीवंतता का हिस्सा हैं, अब अपने चूल्हे बुझाने को मजबूर हो रहे हैं। महिलाओं की दिनचर्या, जो गैस के इर्द-गिर्द चलती थी, अब इंतजार और चिंता में बदल गई है। यह संकट केवल ईंधन का नहीं, बल्कि जीवन की गति का ठहराव है।

प्रो. आरके जैन

शिक्षाविद्

उधर खेतों में खड़ा किसान आसमान की ओर देखता है, लेकिन अब वहां से राहत नहीं, बल्कि अनिश्चितता बरस रही है। मार्च की असामान्य गर्मी ने रबी फसलों को समय से पहले ही झुलसा दिया, जिससे गेहूं के दाने सिकुड़ गए और पैदावार पर गहरा असर पड़ा। जैसे-तैसे बची फसल को अचानक आई बारिश और ओलावृष्टि ने जमीन पर गिरा दिया। यह दोहरी मार किसान की साल भर की मेहनत पर एक क्रूर प्रहार है, जो खेत कुछ दिन पहले सुनहरे दिखते थे, आज वहां बिखरी उम्मीदें नजर आ रही हैं। यह बदलाव केवल मौसम का नहीं, बल्कि उस जलवायु संकट का संकेत है, जो अब हर खेत में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा है। इस प्राकृतिक और वैश्विक संकट के बीच एमएसपी को लेकर उठती आवाजें एक और संघर्ष का रूप ले चुकी हैं। किसानों का भरोसा पहले ही कमजोर था, और अब अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों की चर्चाओं ने उनकी चिंता को और गहरा कर दिया है। सड़कों पर उतरते किसान केवल अपनी फसल का मूल्य नहीं, बल्कि अपने भविष्य की सुरक्षा मांग रहे हैं। उनके लिए एमएसपी सिर्फ एक आर्थिक नीति नहीं, बल्कि जीवन की गारंटी है। जब 86 प्रतिशत छोटे किसान पहले से कर्ज में डूबे हों, तब यह डर स्वाभाविक है कि सस्ते आयात उनकी मेहनत को बेमानी बना देंगे। यह संघर्ष केवल खेत का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का भी है।

इन तीनों मोर्चों पर चल रहा यह संकट एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि गहराई से जुड़ा हुआ है। रसोई में महंगा होता गैस सिलेंडर, बाजार में बढ़ती अनाज की कीमतें और खेतों में घटती पैदावार, ये सब मिलकर एक ऐसा दबाव बना रहे हैं, जिससे आम आदमी की जिंदगी हर दिन कठिन होती जा रही है। सरकार की ओर से प्रयास जरूर किए जा रहे हैं, लेकिन उनकी पहुंच और प्रभाव पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब समय है कि समाधान भी उतना ही व्यापक और साहसिक हो जितना यह संकट गहरा है। ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, किसानों को मजबूत सुरक्षा कवच, एमएसपी पर स्पष्ट नीति और जलवायु के अनुरूप खेती को बढ़ावा ये केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं। साथ ही, आम आदमी की आवाज को नीतियों के केंद्र में रखना होगा। क्योंकि जब रसोई सुरक्षित होगी और खेत मजबूत, तभी देश स्थिर और समृद्ध बन सकेगा। यह परीक्षा कठिन जरूर है, लेकिन सही दिशा में उठाए गए कदम इसे एक नए अवसर में बदल सकते हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

मानसूनी आपदाओं से निपटना गंभीर चुनौती

अमित शर्मा

हल्द्वानी

हिमालयी राज्य उत्तराखंड विविधताओं से भरा प्रदेश है। प्राकृतिक सुंदरता के साथ यहां मौसमी चुनौतियां भी बेशुमार हैं। यहां जंगलों की आग के साथ कहीं बादल फटने तो सूखे जैसी आपदाओं से जूझना नियति सी बन जाती है। इस साल का शीत सीजन काफी उथल-पुथल भरा रहा है, जो आने वाले ग्रीष्मकालीन मौसम के लिए गंभीर चुनौती के संकेत दे रहा है।

बदलते समय में उत्तराखंड का मौसम कब बदल जाए, यह सटीक कहा नहीं जा सकता, लेकिन अमूमन राज्य में प्रतिकूल मौसम का समय आमतौर पर मानसून के दौरान (जुलाई से सितंबर) और सर्दियों में (दिसंबर से फरवरी) माना जाता है, क्योंकि इस समय में भारी बारिश, बर्फबारी और भूस्खलन की संभावना अधिक होती है। हालांकि अप्रैल में मौसम आमतौर पर सुहावना रहता है, तापमान 15-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है और बारिश की संभावना कम ही होती है। अप्रैल माह के मौसम की खासियत यह भी रहती है कि मौसम दिन में गर्म और रात में ठंडा रहता है। निचले इलाकों में भले ही मौसम सुहाना रहता हो, लेकिन उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी की संभावना बनी रहती है। यही कारण होता है कि इस बनते-बिगड़ते मौसम के लिहाज से संवेदनशील उत्तराखंड राज्य की चुनौतियां देश के दूसरे राज्यों की तुलना में कहीं अलग और गंभीर होती हैं।

मानसून कम बरसे या अधिक, चुनौतियां तो दोनों तरफ हैं। गर्मी अधिक हुई तो पहाड़ों का तपना जोखिम भरा होता है, तो बादल फटने और भूस्खलन जैसी आपदाओं से निपटने की चुनौतियां का सामना करना मजबूरी ही होती है। यहां यह बात उल्लेखनीय है कि सरकार अपने स्तर पर दैवीय आपदाओं से निपटने की साल भर पूरी तैयारी रखती है, जिससे आपदाओं का जख्म गहरा होने से बच जाता है, लेकिन यह भी सत्य है कि कुदरत के कहर के आगे किसी का जोर नहीं चलता और जब यह बरपता है, तो सारी तैयारियां धरी की धरी रह जाती हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अप्रैल और मई के महीने में सामान्य से अधिक तापमान का पूर्वानुमान पहले ही जता दिया है, तो बारिश को लेकर भी बताया जा रहा है कि मानसून के शुरुआती चरण में संभवतः सामान्य से अधिक बारिश होगी। देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी और तराई के इलाके ऊधमसिंह नगर जिले में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने पर हीट वेब यानी लू से जूझने की संभावना रह सकती है। मानसूनी बारिश भी सामान्य से 105 प्रतिशत बरसने का शुरुआती पूर्वानुमान जारी किया गया है। हालांकि यह अनुमान सही रहता है, तो अधिक गर्मी और बारिश, इन दोनों ही परिस्थितियों का प्रभाव पहाड़ों को झेलना पड़ेगा।

गौरतलब है कि इस राज्य में मानसून काल में तीन तरह की चुनौतियों से निपटना प्रमुख होता है। यहां बादल फटना सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक माना जाता है। तेज बारिश के दौरान, जहां बाढ़ जैसे हालात पैदा होते हैं, तो कहीं-कहीं पूरी बस्ती ही बड़े-बड़े बोल्डरों के नीचे समा जाती है। उत्तराखंड के लिए हिमस्खलन की घटनाएं भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं रहती हैं। हिमालय की चोटियों पर गर्मी के दौरान बनने वाली झीलें भी अधिक वर्षा के दौरान फटने लगती हैं। वर्ष 2013 में केदारनाथ की आपदा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। अब अल नीनो भी सक्रिय होने जा रहा है, जिसका असर संभवतः अगस्त माह में भारतीय क्षेत्र में नजर आएगा।

गढ़वाल मंडल के चमोली, रुद्रप्रयाग आदि जिलों में हाल की आपदाओं ने जान-माल की बड़ी क्षति पहुंचाई है और इस सच्चाई से भी कोई इनकार नहीं कर सकता है कि साल-दर-साल की इन आपदाओं के लिए दैवीय से ज्यादा मानवीय गतिविधियां ज्यादा जिम्मेदार हैं, जो चंद वर्षों में ज्यादा बढ़ी हैं। पर्वतीय इलाकों में अवैध निर्माण जहां भूस्खलन और बाढ़ की संभावनाओं को बढ़ाता है, तो लगातार हो रही जंगलों की कटाई से देवभूमि उत्तराखंड की बेशकीमती वपस्पति का विनाश हो रहा है। पहाड़ों पर अनियोजित विकास से आपदाओं की संभावना बढ़ती है, तो सीमित होते जंगलों से होने वाला जलवायु परिवर्तन मौसम चक्र बदलता है, जैसा कि हर साल और इस साल भी देखने को मिल रहा है।

अब सवाल यही बचता है कि मौसम की इन ढेर सारी चुनौतियों से निपटने के लिए करें तो क्या करें? इसका हर बार यही जवाब होता है कि हमें प्रकृति में मानव हस्तक्षेप को बहुत ही सीमित करना होगा। जल-जंगल को बचाने के लिए उनके अंधाधुंध दोहन के बजाय उनके संवर्द्धन पर ज्यादा ध्यान देना होगा। मौसम जनित आपदाओं से निपटने के लिए समयपूर्व तैयारियों को और ज्यादा पुख्ता करना होगा। विशेषज्ञ भी इस बात से इनकार नहीं करते हैं। कहते हैं कि हमारे लिए आपदाओं को रोकना संभव नहीं है, लेकिन आपदा प्रबंधन को बेहद मजबूत करते हुए उसके प्रभाव को कम तो किया ही जा सकता है। हालांकि राज्य सरकार इसको लेकर काफी गंभीर भी दिख रही है और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की समयपूर्व तैयारियां आपदाओं का प्रभाव कम करने में कारगर भी साबित हुई हैं।

नैनीताल के आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभावित क्षेत्र हिमालय राज्य हैं। आपदाओं को रोकना संभव नहीं, लेकिन राहत के लिए आपदा प्रबंधन का सशक्त होना सबसे जरूरी है। इसके साथ ही मजबूत नेटवर्क और संचारतंत्र होना चाहिए। सेटेलाइट नेटवर्क बेहतर होगा, तो आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जल्द राहत पहुंचाई जाना आसान होगा। राज्य में बादल फटने की घटनाएं सर्वाधिक घातक होने लगी हैं, जिससे निपटना मानसून में सबसे बड़ी चुनौती होगी।

उत्तराखंड के लिए हिमस्खलन की घटनाएं भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं रहती हैं। हिमालय की चोटियों पर गर्मी के दौरान बनने वाली झीलें भी अधिक वर्षा के दौरान फटने लगती हैं।

आमने

पश्चिम बंगाल में धार्मिक गतिविधियों की अनुमति को लेकर दोहरे मानदंड हैं। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। यहां नमाज अदा करने की अनुमति है, लेकिन पूजा करने और पंडाल लगाने के लिए हाई कोर्ट से अनुमति मांगनी पड़ती है। मैंने दक्षिणेश्वर में पूजा की और राज्य के लोगों के कल्याण तथा 'विकसित बंगाल' एवं 'सोनार बांग्ला' के निर्माण के लिए देवी से प्रार्थना की। – **नितिन नबीन**, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

सामने

निर्वाचन आयोग, भाजपा और केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रहे। मतदान के अधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं। आज वे मतदान के अधिकार छीन रहे हैं। मैं अपने उम्मीदवारों से नामांकन दाखिल करते समय वकीलों को साथ ले जाने के लिए कहूंगी। असम में कई नामांकन रद्द कर दिए गए हैं। मुझे बीजेपी और निर्वाचन आयोग पर भरोसा नहीं है। – **ममता बनर्जी**, टीएमसी प्रमुख

मध्य-पूर्व युद्ध में नवीन मार्शल प्लान की प्रासंगिकता

डॉ. कल्याण कुमार गांगुली

वरिष्ठ, वैज्ञानिक

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनियाभर में भारी विनाश एक दुःस्वप्न था। युद्ध का केंद्र बिंदु पश्चिमी यूरोप और पूर्वी यूरोप के कुछ हिस्सा था, कुछ ही दिनों बाद सोवियत संघ और जापान भी जुड़ गया। द्वितीय विश्व युद्ध की परिणति जर्मनी के बिना शर्त आत्मसमर्पण और जापान द्वारा पॉट्सडैम समझौते को स्वीकार करने के साथ हुई। छः मिलियन यहूदियों का हाड़ कंपा देने वाला नरसंहार अभी भी जीवित बचे लोगों के लिए दुःस्वप्न है। इस युद्ध के बाद अनेक वर्षों तक कई मोर्चों पर बड़े पैमाने पर आर्थिक मंदी और गिरावट महसूस की गई। इस स्थिति का वर्णन कई बार किया जा चुका है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन की मंजूरी के साथ तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री जॉर्ज सी. मार्शल की ओर से एक व्यापक सहायता योजना लागू की गई, जिसे बाद में मार्शल प्लान के नाम से में जाना गया। इस मार्शल प्लान के अंतर्गत वर्ष 1947-48 में स्वीकृत राशि 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी, जो आज के अनुमान के अनुसार 150 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है। हालांकि यह विरोधाभास ही है कि जर्मनी को केक का एक बड़ा हिस्सा मिला, परंतु जापान को मार्शल प्लान के अंतर्गत एक भी कौड़ी नहीं दी गई। कई राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना था कि यह सहायता केवल जीर्ण-शीर्ण राष्ट्रों के पुनर्निर्माण और विकास के लिए नहीं थी, बल्कि यह देखने के लिए भी थी कि प्रभावित यूरोपीय राष्ट्र कहीं सोवियत छत्रछाया में कम्युनिस्ट न बन जाएं।

मार्शल प्लान 2: आज के मध्य पूर्व युद्ध को अधिक उपयुक्तता से समझने के लिए इन तथ्यों को दोहराया गया। एक तरफ शिया कट्टरपंथ का समर्थन करता है, तो दूसरी तरफ यहूदियों के विनाश के सिद्धांत का पालन करता है। अमेरिकी अपनी सहज प्रवृत्ति के कारण ऐसे राज्य को पनपने नहीं दे सकते, जो उनके तेल के सुचारु प्रवाह के लिए खतरा हों और भला अमेरिका को कौन चुनौती दे सकता है। अमेरिकी सरकार उन्हीं की मदद करती है, जो पिछलग्गू अरब देशों की तरह उनकी हां में हां मिलाएं, जबकि ईरान ऐसा हरगिज नहीं करता। इजराइल अपने अस्तित्व के लिए अमेरिकी लॉबी में शामिल हो गया और निशाना साधने के लिए दोनों देशों को एक साझा लक्ष्य मिल गया। इसके अलावा नेतन्याहू अमेरिकी यहूदियों के प्रिय हैं। अमेरिका में अपने प्रवास के दौरान उन्होंने इजरायली प्रवासियों से यह वादा करके बहुत सहानुभूति बटोरी थी कि वह इजरायल के यहूदी को सम्मान देंगे।

यद्यपि, दिनांक 28 फरवरी, 2026 का दुर्भाग्यपूर्ण दिन पूरी तरह से आश्चर्यचकित करने वाला नहीं था, परंतु ईरान पर हमले की भयावहता कई लोगों की कल्पना से परे थी। डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू की जोड़ी ने अली खामेनी और उनके परिवार सहित ईरान के इस्लामी गणराज्य की केंद्रीय कमान को नष्ट कर दिया। यह एक लॉक स्टॉक और बैरल हमला था। उन्होंने सुनिश्चित किया कि यह हमला उन्हें जल्द से जल्द लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करेगा और वे पृथ्वी पर से सभी बुराइयों से छुटकारा पा लेंगे, अफसोस कि ऐसा नहीं हुआ। युद्ध लगभग एक महीने से चल रहा है और ऐसा प्रतीत होता है कि इस युद्ध की चिंगारी तो दिखाई नहीं देगी, पर युद्ध जारी रहेगा। कई विशेषज्ञों के अनुसार यह एक और इराक या लीबिया बन रहा है।

युद्ध के बाद देश के पुनर्निर्माण और विकास के लिए ईरान को एक और मार्शल प्लान (मार्शल प्लान 2) से समर्थन मिलना चाहिए। इराक-लीबिया सिंड्रोम से बचने के लिए व्यापक चौतरफा सहायता और समर्थन अपरिहार्य है। इजरायली सरकार को नए शासन का भागीदार होना चाहिए। इजराइल को पुनर्निर्माण में भागीदार बनाना हास्यास्पद लग सकता है। पर साझेदारी न केवल दोनों देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि दोनों देशों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की गारंटी भी देगी। इसका उदाहरण वर्ष 1967 के बाद मिस्र और जॉर्डन के साथ इजरायल के मध्य-पूर्व संघर्ष और उसके बाद हुए युद्धविराम से समझा जा सकता है। हालांकि सब कुछ इतना आसान नहीं है, फिर भी, वर्तमान अशांत स्थिति में भी इन देशों के बीच युद्धविराम है।

युद्ध के बाद की किसी भी कार्रवाई को शून्य कर देना और ईरान को अपनी मनमानी करने देना आधुनिक राज्य की राजनीति का हाराकिरी होगा। यदि मार्शल प्लान 2 के अंतर्गत सर्वांगीण अनुदान, सहायता और सहयोग नहीं दिया गया तो ईरान में एक और कट्टर उग्रवादी समूह उभर आएगा, जो इजरायल जैसे पड़ोसी देशों से और दुश्मनी ठानते हुए अमेरिका का दुश्मन बना रहेगा। इस स्थिति में सामान्य जनता के हितों की अनदेखी होने के साथ उग्रवाद को और बढ़ावा मिलता रहेगा। पुनर्निर्माण सहायता और सर्वांगीण समर्थन का मैग्नम हिस्सा संयुक्त राज्य अमेरिका से आना चाहिए। मार्शल प्लान 2 की सफलता से इजराइल और ईरान दोनों के लिए सांस्कृतिक/सभ्यतागत अहंकार से बचने का एक मार्ग प्रशस्त होगा। सह-अस्तित्व ही राज्यों को शांतिपूर्वक रहने में मदद करता है। हालांकि मार्शल प्लान 2 का आयोजन इतना आसान भी नहीं है, परंतु देश के सर्वांगीण विकास के लिए, इस दिशा में काम करना न्यायसंगत होगा। अमेरिका और यूरोपीय देशों को चाहिए कि वे मार्शल प्लान 2 के प्रभावी रूप से अनुपालन में अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करें।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

युद्ध लगभग एक महीने से चल रहा है और ऐसा प्रतीत होता है कि इस युद्ध की चिंगारी तो दिखाई नहीं देगी, पर युद्ध जारी रहेगा। कई विशेषज्ञों के अनुसार यह एक और इराक या लीबिया बन रहा है।

सोशल फोरम

विस्थापन संकट

इजरायल, लेबनान की सीमा में 30 किलोमीटर अंदर घुस गया है। सिर्फ तीन हफ्तों में दक्षिणी लेबनान से 10 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जो उसकी आबादी का लगभग 20 फीसदी है। यह दुनिया का सबसे तेज विस्थापन संकट है। सीरिया और सोमालिया में भी इतनी तेजी से इतना बड़ा विस्थापन नहीं हुआ था। इजरायल ने ये सब हिजबुल्लाह के खिलाफ ऑपरेशन के नाम पर किया है, लेकिन हकीकत यह है कि ग्रेटर इजरायल के तहत यह उसकी पुरानी योजना का हिस्सा है। हिजबुल्लाह अब तक इजरायल को लिटानी नदी पार नहीं करने दे रहा था। वह उसे रोके हुए था। इजरायल ने बीते दिनों लिटानी के ऊपर बने सात पुलों को उड़ा दिया। इन पुलों के ध्वस्त होने से दक्षिणी लेबनान, मुख्य हिस्से से कट गया है।

दिलीप खान

ब्लॉगर

मैंने पहले भी कहा था कि इजरायल का ज्यादा ध्यान अभी लेबनान पर है। वह ईरान पर हमले जरूर कर रहा है, लेकिन लेबनान उसके एजेंडे में अहम है, क्योंकि वहां उसे 'जीत' की गुंजाइश नजर आ रही थी। पिछले तीन हफ्तों से वेस्ट बैंक में भी फिलिस्तीनियों के साथ इजरायली सेना और सेटलर (वहां आकर बसे या बसने की तमन्ना पाले हथियारबंद इजरायली-यहूदी) ने अभूतपूर्व हिंसा की है। व्यापक हत्याएं, बलात्कार, छिनैती, लूट जैसी वीभत्स खबरें तमाम सेंसरशिप के बावजूद रिपोर्ट हो रही हैं। पिछले हफ्ते एक फिलिस्तीनी पत्रकार को सुन रहा था, जिसका कहना था कि उसने ऐसी हिंसा अपनी जिंदगी में नहीं देखी। वह पिछले दो-तीन दशकों की बात कर रही थी। नए इलाके कब्जाने के लिए इजरायली सेना ने सेटलर्स को हथियार दिए हैं और वे गांव के गांव लूट रहे हैं। इन्होंने कई बस्तियों को आग लगाकर खाक कर दिया। इजरायल का शुरू से लक्ष्य है कि वह दक्षिणी लेबनान पर कब्जा कर ले। पहले उसके कुछ नेताओं ने यह मंशा जाहिर की कि वह वहां उसी तरह का घेरा बनाए, जैसा वह गाजा में बना रहा है। इसके बाद की क्रोनोलॉजी देखिए। उसने पहले दक्षिणी लेबनान पर आसमानी हमले किए। फिर लोगों से कहा कि घर छोड़कर भागो। फिर कहा कि जब तक हिजबुल्लाह का असर खत्म नहीं होता, तब तक लौटना मत। फिर टैंक लेकर जमीनी हमले शुरू किया। फिर लिटानी नदी के पुल तोड़े। फिर सेना वहां पहुंची और अब इजरायली नेता कह रहे हैं कि इस इलाके को इजरायल में मिला लो। यानी जो पुराना सपना था, वह इस क्रोनोलॉजी में बाद में जाहिर हो रहा है, लेकिन मूल सपना वही था। हिजबुल्लाह उस सपने के बीच में खड़ा था और अभी भी है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

कानूनी रूप से गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार

किसी भी समाज में यह प्रबल धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की तब तक सेवा की जाए, जब तक उसके प्राण कुदरती तौर पर न निकल जाएं। खासकर भारतीय समाज में इस मुद्दे को लेकर गहरी संवेदनशीलता रही है, लेकिन जब कोई अपना प्रिय उस स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौट पाना संभव ही न हो, तो बदलते वक्त के साथ कानून के दायरे में उसकी मुक्ति की भी बात होने लगी है।

हाल ही में देश के सुप्रीम कोर्ट का 13 वर्ष से कोमा में रहने वाले एक युवा के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने का निर्णय, जीवन के अंतिम चरण की देखभाल पर भारत में विकसित होते न्यायशास्त्र में नया मोड़ है। किसी असाध्य स्थिति में कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने वाला यह फैसला, अदालत द्वारा पहले से निर्धारित प्रक्रिया का पहला व्यावहारिक प्रयोग है। इस मामले में चिकित्सा बोर्डों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य नहीं था। इससे केवल जैविक अस्तित्व को ही लंबा खींच दिया गया। इस बाबत अदालत की स्वीकृति एक कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा, मृत्यु में भी गरिमा तक विस्तारित होनी चाहिए। निस्संदेह, भारत में इच्छामृत्यु पर कानूनी प्रगति धीमी रही है। इस मामले में पहली बार अरुणा शानबाग मामले में ध्यान दिया गया था। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार के अंतर्गत गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार देने के साथ यह मुद्दा अपने चरम पर पहुंचा।

आकाश सपेलकर

अधिवक्ता

दरअसल, इच्छामृत्यु से जुड़ी दुविधा, इससे जुड़े सिद्धांतों के क्रियान्वयन की अनिश्चितता को लेकर बनी रही है, जिसके चलते परिवारों व डॉक्टरों को जटिल प्रकिया व कानूनी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। हालिया फैसले से भी न्यायिक दिशा-निर्देशों मात्र पर निर्भर रहने की सीमाएं उजागर हुई हैं, बल्कि यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत ने भी निष्क्रिय इच्छामृत्यु, लिविंग बिल और जीवन को लेकर अंतिम निर्णय को नियंत्रित करने वाले व्यापक कानून की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। ऐसे कानून में नैतिक संवेदनशीलता और प्रक्रियात्मक स्पष्टता के बीच बेहद संतुलन होना चाहिए। यह प्रक्रिया कमजोर रोगियों को दुर्व्यवहार से बचाते हुए, यह भी सुनिश्चित करे कि परिवार और चिकित्सा पेशेवर कानूनी परिणामों के भय के बिना कार्य कर सकें। इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्तता का सम्मान आवश्यक है। निष्कर्ष यह भी है कि जब उपचार असंभव हो, तो चिकित्सा उपायों से रोगी की पीड़ा को लंबा नहीं खींचा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत की कारगर सलाह के मद्देनजर देश के नीति-नियंताओं को एक मानवीय कानूनी ढांचा तैयार करने के बारे में गंभीरता से सोचना चहिए, जो टाली न जा सकने वाली विषम स्थिति में व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने और मरने की अनुमति दे सके। देश में इस बाबत एक संवेदनशील कानून बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साथ ही ऐसा कानून बनाते वक्त मानवीय संवेदनशीलता तथा कानूनी सुरक्षा कवच के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी होगा। वहीं हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा संकीर्ण लक्ष्यों को पूरा करने के लिए किसी व्यक्ति की दबाव में इच्छामृत्यु के लिए परिस्थितियां पैदा न की जा सकें। दुनिया के तमाम विकसित देशों में इस आशंका के चलते ही इच्छामुत्यु को कानूनी रूप देने से परहेज किया गया है। यह जटिल मामला भी है, जिसके निर्धारण के लिए कानूनी स्पष्टता और मामले की गहन निगरानी भी उतनी ही जरूरी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

वर्ड स्मिथ

एक मजाक से हुई थी 'OK' की शुरुआत

'OK' सिर्फ दो अक्षरों का यह छोटा-सा शब्द आज पूरी दुनिया की साझा भाषा बन चुका है। चाहे आप किसी अनजान देश में हों या अलग भाषा बोलने वाले लोगों के बीच, 'OK' हर जगह समझा जाता है। इसकी शुरुआत जितनी साधारण दिखती है, उतनी ही दिलचस्प भी है। दरअसल, साल 1839 में अमेरिका के अखबारों में एक अनोखा ट्रेंड चल रहा था। शब्दों को जानबूझकर गलत लिखना और उन्हें छोटा करके पेश करना। इसी

मजाकिया अंदाज में 'all correct' को 'oll korrect' लिखा गया और इसका संक्षिप्त रूप बना 'O.K.'। धीरे-धीरे यह मजाक लोगों की जुबान पर चढ़ गया। फिर आया 1840 का अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव, जिसने 'OK' को नई पहचान दी। उम्मीदवार मार्टिन वैन ब्यूरन के समर्थकों ने "OK Club" बनाकर इसे प्रचार का नारा बना दिया- "We're OK!"। यहीं से यह शब्द आम लोगों के बीच लोकप्रिय हो गया। 'OK' की उत्पत्ति को लेकर कई और सिद्धांत सामने आए। कुछ लोगों ने इसे चॉकटॉ जनजाति के शब्द "okeh" से जोड़ा। यहां तक कि अमेरिका के राष्ट्रपति वुडरो विल्सन भी "OK" की जगह "okeh" लिखते थे। भाषा वैज्ञानिकों ने शोध के आधार पर यह साफ कर दिया कि 'OK' की असली जड़ें 'oll korrect' से ही जुड़ी हैं। समय के साथ 'OK' ने भाषाओं की सीमाएं तोड़ दीं और आज यह सहमति, संतोष और सामान्य प्रतिक्रिया का प्रतीक बन गया है। मजाक से जन्मा यह शब्द अब वैश्विक संवाद का सबसे आसान माध्यम बन चुका है।

नए युवा और बदलती करियर संभावनाएं

संध्या राजपुरोहित
शिक्षिका

आज का समय अवसरों, संभावनाओं और प्रतिस्पर्धा का समय है। बदलती तकनीक, वैश्वीकरण और नई आर्थिक संरचनाओं ने करियर के पारंपरिक ढांचे को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। एक समय था जब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी को ही सफलता का पर्याय माना जाता था, लेकिन आज डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल मीडिया, डिजाइन, खेल, उद्यमिता और अनेक कौशल आधारित क्षेत्रों में भी उज्ज्वल भविष्य के द्वार खुले हैं। यह विविधता जहां एक ओर युवाओं को नए अवसर प्रदान करती है, वहीं दूसरी ओर उनके सामने सही चुनाव की चुनौती भी खड़ी करती है।

रोजगार योग्य कौशल

भारत का वर्तमान जनसांख्यिकीय परिदृश्य इस चर्चा को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है और हर वर्ष लगभग 1.2 करोड़ युवा कार्यबल में प्रवेश करते हैं। यह स्थिति भारत को एक बड़ी संभावित शक्ति प्रदान करती है, जिसे "डेमोग्राफिक डिविडेंड" कहा जाता है। यदि इस युवा शक्ति को उचित दिशा, कौशल और अवसर नहीं मिले, तो यही संभावना एक चुनौती में परिवर्तित हो सकती है। यही वह बिंदु है, जहां कैरियर चयन और कौशल विकास के बीच का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। विभिन्न रिपोर्ट्स यह संकेत करती हैं कि देश में रोजगार की समस्या से अधिक "रोजगार योग्य कौशल" की कमी एक बड़ी चुनौती है। आज भी लगभग आधे युवा ऐसे हैं, जो उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप पूरी तरह तैयार नहीं हैं। कई अध्ययन बताते हैं कि केवल लगभग 50 प्रतिशत ग्रेजुएट ही वास्तव में जॉब-रेडी माने जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद बड़ी संख्या में युवा रोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक दक्षताओं से वंचित रह जाते हैं। यह स्थिति शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई को भी उजागर करती है।

युवाओं के लिए अवसर और चुनौती

देश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है, फिर भी बेरोजगारी के आंकड़ों में बड़ी हिस्सेदारी शिक्षित युवाओं की ही दिखाई देती है। लगभग 65 से 67 प्रतिशत बेरोजगार युवाओं का ग्रेजुएट होना इस तथ्य को स्पष्ट करता है कि केवल डिग्री हासिल करना सफलता की गारंटी नहीं है। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली अभी भी अधिकतर सैद्धांतिक ज्ञान पर आधारित है, जबकि उद्योग और समाज को व्यावहारिक कौशल, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता रखने वाले युवाओं की आवश्यकता है। कौशल अंतर या "स्किल गैप" भी इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। देश में औपचारिक रूप से प्रशिक्षित युवाओं का प्रतिशत अभी भी बहुत कम है, जो लगभग 4 से 5 प्रतिशत के आसपास माना जाता है। वहीं, नई तकनीकी क्षेत्रों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और डिजिटल तकनीक में कुशल युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उस अनुपात में प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध नहीं है। यह अंतर युवाओं के लिए अवसर भी है और चुनौती भी, क्योंकि जो इस दिशा में स्वयं को तैयार करेगा, वही भविष्य में आगे बढ़ेगा।

रोजगार की गुणवत्ता

रोजगार की गुणवत्ता भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभर रही है। बड़ी संख्या में युवा अपनी योग्यता से कम स्तर के कार्य करने के लिए मजबूर हैं, जिससे उनमें असंतोष और अस्थिरता की भावना बढ़ती है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी प्रभाव डालती है। इन सभी तथ्यों और आंकड़ों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि विद्यार्थी अपने कैरियर का चुनाव किस प्रकार करें। इसका उत्तर आत्म पहचान में निहित है। प्रत्येक विद्यार्थी की अपनी रुचियां, क्षमताएं और सपने होते हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी रुचि के अनुरूप क्षेत्र का चयन करता है, तो वह उसमें अधिक समय तक टिकता है, बेहतर प्रदर्शन करता है और अंततः संतुष्टि भी प्राप्त करता है। इसके विपरीत, यदि कैरियर का चुनाव केवल सामाजिक दबाव, तुलना या अधूरी जानकारी के आधार पर किया जाता है, तो वह आगे चलकर असंतोष का कारण बनता है। सही निर्णय के लिए आवश्यक है कि विद्यार्थी अपने भीतर झांकें, अपनी रुचियों और क्षमताओं को समझें और विभिन्न कैरियर विकल्पों के बारे में ठोस जानकारी प्राप्त करें।

रुचि, क्षमता और लक्ष्य

आज सूचना के अनेक स्रोत उपलब्ध हैं, लेकिन सही और प्रामाणिक जानकारी का चयन करना भी उतना ही आवश्यक है। इसके साथ ही शिक्षकों, अभिभावकों और कैरियर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेना निर्णय को अधिक सुदृढ़ बनाता है। इस प्रक्रिया में परिवार और विद्यालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर अपने सपनों का बोझ न डालें, बल्कि उनकी रुचियों और क्षमताओं को समझते हुए, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। वहीं शिक्षकों का दायित्व केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि वे विद्यार्थियों के मार्गदर्शक बनकर उन्हें जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए तैयार करते हैं। एक सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास विकसित करता है और उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। आज का समय निरंतर सीखने का समय है। कैरियर अब एक स्थिर विकल्प नहीं, बल्कि एक गतिशील यात्रा बन चुका है, जिसमें समय-समय पर नए कौशल सीखना, स्वयं को अपडेट करना और बदलती परिस्थितियों के अनुसार ढलना आवश्यक है। यही लचीलापन और सीखने की प्रवृत्ति व्यक्ति को दीर्घकालिक सफलता की ओर ले जाती है। अंततः यह स्पष्ट है कि कैरियर का सही चुनाव केवल एक निर्णय नहीं, बल्कि जीवन की दिशा तय करने वाली प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया तभी सफल हो सकती है, जब उसमें आत्मविश्वास, सही जानकारी, कौशल विकास और स्पष्ट लक्ष्य का समन्वय हो। आज के विद्यार्थी यदि इन आधारों को समझकर अपने कैरियर की दिशा तय करते हैं, तो वे न केवल अपने लिए एक सफल भविष्य का निर्माण करेंगे, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे। याद रखना होगा कि कैरियर का चुनाव भीड़ का अनुसरण नहीं, बल्कि अपनी पहचान को समझते हुए अपनी राह बनाने की प्रक्रिया है। सही कैरियर वही है, जहां रुचि, क्षमता और लक्ष्य एक साथ मिलकर जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं।

नोटिस बोर्ड

पीएचडी प्रवेश परीक्षा

■ लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पीएचडी (नियमित) कार्यक्रम में प्रवेश हेतु अनुसंधान प्रवेश परीक्षा की संभावित तिथि घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह परीक्षा 30 और 31 मार्च को आयोजित की जाएगी। दोनों दिन यह परीक्षा सुबह 10:30 बजे से 12:00 बजे तक संचालित की जाएगी। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचें और प्रवेश पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें। परीक्षा से संबंधित अन्य जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

परीक्षाओं का कार्यक्रम

■ महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली ने वर्ष 2026 के लिए बीएससी नर्सिंग, बीपीटी और बीएससी एमएलटी पाठ्यक्रमों की मुख्य एवं पूरक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार ये परीक्षाएं 30 मार्च से शुरू होकर अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षाओं के लिए एक समान समय निर्धारित किया गया है। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी।

कॉलेज का पहला दिन

जब सपना बना हकीकत

भावना
हल्द्वानी

मेरे जीवन के अनुभवों में कॉलेज में मेरा पहला दिन शामिल है, जिन्हें मैं हमेशा संजोकर रखना चाहूंगी। यह सिर्फ एक नए कॉलेज में प्रवेश नहीं था, बल्कि अपने सपनों की दिशा में पहला ठोस कदम भी था। पत्रकारिता की पढ़ाई शुरू करना मेरे लिए लंबे समय से एक सपना रहा था और जब वह दिन आया, तो मेरे मन में उत्साह, जिज्ञासा और हल्की-सी घबराहट एक साथ उमड़ रही थी।

सुबह जब मैं कॉलेज परिसर में पहुंची, तो हर चीज मुझे नई और अलग लग रही थी। चारों ओर अनजान चेहरे, नई-नई इमारतें और एक बिल्कुल अलग माहौल मानो मैं एक नई दुनिया में प्रवेश कर रही थी। दिल की धड़कनें थोड़ी तेज थीं, लेकिन भीतर कहीं एक खुशी भी थी कि अब मैं अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही हूं। पहले दिन की शुरुआत परिचय सत्र से हुई। कक्षा में बैठते ही शिक्षकों ने बड़े सहज और प्रेरणादायक अंदाज में पत्रकारिता के महत्व को समझाना शुरू किया। उन्होंने बताया कि पत्रकारिता केवल खबरें लिखने या दिखाने का काम नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का एक सशक्त माध्यम है। एक सच्चा पत्रकार वही होता है, जो निष्पक्ष होकर सच को सामने लाए, लोगों की आवाज बने और समाज की समस्याओं को उजागर करे। उनकी बातें सुनकर मेरे भीतर इस पेशे के प्रति सम्मान और भी बढ़ गया। क्लास के दौरान मैं ध्यान से हर बात सुन रही थी, लेकिन साथ ही अपने आसपास बैठे छात्रों को देखकर थोड़ी झिझक भी महसूस हो रही थी। सब एक-दूसरे से अनजान थे, फिर भी हर किसी के चेहरे पर कुछ नया सीखने की उत्सुकता साफ दिखाई दे रही थी। पहली क्लास खत्म होने के बाद धीरे-धीरे माहौल थोड़ा सहज होने लगा। मैंने हिम्मत जुटाकर अपने सहपाठियों से बातचीत शुरू की। शुरुआत में थोड़ी झिझक थी, लेकिन जल्द ही वह घुलने लगी। कुछ ही देर में मेरी कुछ नए दोस्तों से अच्छी पहचान हो गई। उनसे बात करके ऐसा लगा जैसे हम पहले से ही एक-दूसरे को जानते हों। इस छोटी-सी पहल ने मेरे आत्मविश्वास को काफी बढ़ा दिया। दिन के अंत तक मेरी सारी घबराहट लगभग खत्म हो चुकी थी और उसकी जगह एक नई ऊर्जा ने ले ली थी। मुझे एहसास हुआ कि यह सफर न केवल सीखने का होगा, बल्कि खुद को समझने और निखारने का भी अवसर देगा। ज्ञानार्थी मीडिया कॉलेज का वह पहला दिन मेरे लिए सिर्फ शुरुआत नहीं, बल्कि एक नई पहचान की नींव था।

करेंट अफेयर्स

■ हाल ही में 1998 बैच के अधिकारी कृष्ण कुमार ठाकुर ने NMDC लिमिटेड में निदेशक (कार्मिक) का पदभार ग्रहण कर लिया है। NMDC भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी है। उन्होंने भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा के अधिकारी के रूप में अपनी सेवा शुरू की थी। उनके पास भारतीय रेलवे और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में मानव संसाधन प्रबंधन का दो दशकों से भी अधिक का अनुभव है।

■ भारत जून 2026 से लिपुलेख दर्रा के माध्यम से चीन के साथ सीमा व्यापार फिर से शुरू करने जा रहा है। यह कदम 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान लगाए गए सात साल के प्रतिबंध को समाप्त करेगा। यह निर्णय विभिन्न मंत्रालयों की मंजूरी और महत्वपूर्ण कूटनीतिक वार्ताओं के बाद लिया गया है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित यह ऐतिहासिक व्यापार मार्ग लंबे समय से स्थानीय लोगों की आजीविका का आधार रहा है और इसके दोबारा खुलने से व्यापारियों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

■ हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के ओपनर साहिबजादा फरहान को फरवरी 2026 के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ घोषित किया गया है। यह सम्मान उन्हें आईसीसी मेन्स टी-20 विश्व कप 2026 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मिला। फरहान ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक रन बनाए और इतिहास रच दिया। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक ही टी-20 वर्ल्ड कप संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का नया रिकॉर्ड बनाया।

■ हाल ही में भारत ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत ने कुल 208 पदक जीतकर पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। तीन दिन तक चले इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन का आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया गया, जिसमें आठ देशों के 257 एथलीटों ने भाग लिया। भारतीय पैरा एथलीटों ने ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 75 स्वर्ण, 69 रजत और 64 कांस्य पदक जीते।

जॉब अलर्ट

IDBI बैंक लिमिटेड

■ पद का नाम: स्पेशलिस्ट ऑफिसर (डीजीएम, एजीएम, मैनेजर, जूनियर असिस्टेंट मैनेजर-सिक्योरिटी ऑफिसर)
■ कुल पद :33
■ योग्यता- आई/कंप्यूटर साइंस/इलेक्ट्रॉनिक्स/डेटा/एआई/रिलेटेड फील्ड में ग्रेजुएट/पोस्टग्रेजुएट डिग्री या XII/डिप्लोमा जेसीओ सर्विस (सिक्योरिटी ऑफिसर के लिए) के साथ, तय एक्सपीरियंस के साथ
■ आयु सीमा-25 से 45 साल, सिक्योरिटी ऑफिसर के लिए 50 साल तक, रिलैक्सेशन के साथ)
■ वेबसाइट- https://www.idbibank.in

को-ऑपरेटिव बैंकिंग एंड टेक्निकल सर्विसेज परीक्षा

■ पद का नाम: मैनेजर, जूनियर मैनेजर, असिस्टेंट कैशियर, असिस्टेंट/टाइपिस्ट, असिस्टेंट इंजीनियर (सिविल)
■ कुल पद-116 पोस्ट
■ वेबसाइट- https://upcisb.org

IRB GD कांस्टेबल रिक्रूटमेंट

■ पद का नाम-कांस्टेबल बैंड, कांस्टेबल बगलर, कांस्टेबल, कॉन्स्टेबल सिविल पुलिस (महिला), कांस्टेबल सिविल पुलिस (पुरुष), फायरमैन, स्पेशल टाइगर गार्ड
■ कुल पद -984 (APST, UR और एक्स-सर्विसमैन कोटा मिलाकर)
■ पे स्केल- पे मैट्रिक्स लेवल-3 (21,700 – 69,100)
■ योग्यता- क्लास 10 वीं, (पोस्ट के हिसाब से तय फ़िज़िकल स्टैंडर्ड और दूसरी एलिजिबिलिटी शर्तें)
■ आयु सीमा- 18-22 साल कांस्टेबल पोस्ट (पोस्ट कोड 5/26 से 9/26), फायरमैन और स्पेशल टाइगर गार्ड के लिए 18-32 साल (पोस्ट कोड 10/26 और 11/26), एपीएसटी और एक्स-सर्विसमैन के लिए नियम के अनुसार ऊपरी उम्र में छूट
■ वेबसाइट- https://apssb.nic.in

इसरो यूआरएससी

■ पद का नाम: वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एससी', वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एसडी', चिकित्सा अधिकारी 'एससी'
■ कुल पद : 4
■ पे स्केल: पद के हिसाब से अलग-अलग स्केल
■ योग्यता: पदानुसार
■ आयु सीमा: 25-35 वर्ष
■ वेबसाइट: www.isro.gov.in & www.ursc.gov.in

स्टडी से लेकर ट्रैवल तक, अपनाएं ये स्मार्ट कोर्स

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

12 वीं के बाद करियर चुनना केवल पारंपरिक ग्रेजुएशन तक सीमित नहीं रह गया है। आज के समय में कई ऐसे प्रोफेशनल और डिप्लोमा कोर्स मौजूद हैं, जो न सिर्फ बेहतर करियर के अवसर देते हैं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का रास्ता भी खोलते हैं। इन कोर्स के जरिए छात्रों को विदेश में ट्रेनिंग, सेमिनार, प्रोजेक्ट और यहां तक कि नौकरी के मौके भी मिल सकते हैं। यदि आप पढ़ाई के साथ-साथ दुनिया घूमने का सपना देखते हैं, तो सही कोर्स का चुनाव आपके भविष्य को नई दिशा दे सकता है। आइए जानते हैं ऐसे पांच प्रमुख कोर्स के बारे में, जो आपको वैश्विक मंच तक पहुंचा सकते हैं।

एमबीए इन इंटरनेशनल रिलेशन

आज के दौर में एमबीए इन इंटरनेशनल रिलेशन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह कोर्स उन छात्रों के लिए उपयुक्त है, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, वैश्विक व्यापार और कूटनीति में रुचि है। इसमें देशों के आपसी संबंध, अंतर्राष्ट्रीय संगठन, विदेशी नीतियां और वैश्विक अर्थव्यवस्था जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कोर्स की खासियत यह है कि पढ़ाई के दौरान छात्रों को इंटरनेशनल सेमिनार, एक्सचेंज प्रोग्राम और रिसर्च प्रोजेक्ट में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। भारत में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, जाधवपुर विश्वविद्यालय जैसे संस्थान इस क्षेत्र में बेहतरीन शिक्षा प्रदान करते हैं।

डिप्लोमा इन इंटरनेशनल रिलेशन

यदि कोई छात्र जल्दी इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहता है, तो डिप्लोमा इन इंटरनेशनल रिलेशन एक अच्छा विकल्प है। यह कोर्स सामान्यतः एक से दो वर्ष का होता है और इसमें वैश्विक राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय कानून और कूटनीति की बुनियादी जानकारी दी जाती है।

ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट

अगर आपको घूमना-फिरना पसंद है और नई संस्कृतियों को जानने का शौक है, तो ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इस कोर्स में टूर प्लानिंग, एयरलाइन ऑपरेशन, होटल मैनेजमेंट और इंटरनेशनल टूरिज्म जैसे विषय शामिल होते हैं। इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को अक्सर विदेश यात्रा करनी पड़ती है, क्योंकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय टूर पैकेज तैयार करने, क्लाइंट्स से मिलने और विभिन्न देशों में सेवाएं समन्वित करने का काम करना होता है। कई कंपनियां अपने कर्मचारियों को विदेश में ट्रेनिंग और बिजनेस ट्रिप के लिए भी भेजती हैं, जिससे अनुभव और आय दोनों बढ़ते हैं।

फॉरेन ट्रेड एंड इंटरनेशनल बिजनेस

ग्लोबलाइजेशन के दौर में फॉरेन ट्रेड एंड इंटरनेशनल बिजनेस से जुड़े कोर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस कोर्स में इंपोर्ट-एक्सपोर्ट, अंतर्राष्ट्रीय बाजार, फाइनेंस और ट्रेड पॉलिसी की जानकारी दी जाती है। इस क्षेत्र में कार्यरत प्रोफेशनल्स को ट्रेड फेयर, बिजनेस मीटिंग और मार्केट रिसर्च के लिए विदेश जाना पड़ सकता है। भारत में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड (आईआईएफटी) इस क्षेत्र का प्रमुख संस्थान है। यहां से पढ़ाई करने के बाद छात्रों को बेहतरीन प्लेसमेंट मिलते हैं और सैलरी पैकेज भी आकर्षक होता है।

यूपीएससी के जरिए इंडियन फॉरेन सर्विसेस

अगर आप सरकारी सेवा के माध्यम से विदेश में काम करना चाहते हैं, तो संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा के जरिए भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में शामिल हो सकते हैं। यह भारत की सबसे प्रतिष्ठित सेवाओं में से एक है। आईएफएस अधिकारी भारत का प्रतिनिधित्व विदेशों में करते हैं और उन्हें विभिन्न देशों में दूतावासों में नियुक्त किया जाता है। हालांकि इसमें चयन के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा और उच्च रैंक आवश्यक होती है, लेकिन यह करियर सम्मान, अनुभव और अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	75,273.45	23,306.45
बढ़त	1205.00	394.05
प्रतिशत में	1.63	1.72

सोना 1,49,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,250 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार ,26 मार्च 2026

www.amritvichar.com

कच्चे तेल में नरमी से बाजार में दूसरे दिन तेजी सेंसेक्स 1,205 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 1,205 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 394 अंक के लाभ में रहा। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद के बीच कच्चे तेल के दाम में कमी और वैश्विक बाजारों में मजबूती के साथ घरेलू शेयर बाजार बढ़त में रहे।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,205 अंक यानी 1.63 प्रतिशत बढ़कर 75,273.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,781.31 अंक चढ़कर 75,849.76 अंक पर पहुंच गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 394.05 अंक यानी 1.72 प्रतिशत बढ़कर 23,306.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन, इंटरग्लोब एविएशन और ट्रेंट प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 5.07 प्रतिशत टूटकर 99.19 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक जोखिम धारणा में सुधार और पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद बढ़ने से शेयर बाजारों में तेजी बनी रही।

अमेरिका और ईरान के बयान में विरोधाभास के बावजूद, दोनों देशों के बीच संभावित राजनयिक प्रगति के कारण कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर से नीचे आ गईं, जिसका बाजार ने स्वागत किया।

छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 3.05 प्रतिशत चढ़ गया, जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 2.50 प्रतिशत चढ़ा। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 8,009.56 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,867.15 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रुपया 29 पैसे टूटकर 94.05 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। रुपया बुधवार को 29 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 94.05 (अस्थायी) पर आ गया। विदेशी पूंजी की भारी निकासी और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से निवेशक चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर के कमजोर रुख और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा के बावजूद स्थानीय मुद्रा को कोई राहत नहीं मिल सकी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.94 पर खुला। डॉलर के मुकाबले 93.86 से 94.08 की सीमा में कारोबार करने के बाद अंतत: यह 94.05 (अस्थायी) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 29 पैसे की गिरावट है।

15.80 लाख करोड़ रुपये बढ़ी निवेशकों की संपत्ति

नयी दिल्ली, एजेंसी। स्थानीय शेयर बाजार में आई तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति दो सत्र में 15.80 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और पश्चिम एशिया युद्ध को लेकर तनाव कम होने की उम्मीद से बाजार में सुधार देखा गया। शेयर बाजार में पिछले दो कारोबारी सत्र से तेजी बनी हुई है और इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 2,577.06 अंक यानी 3.54 प्रतिशत चढ़ा है। बुधवार को 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 1,205 अंक यानी 1.63 प्रतिशत चढ़कर 75,273.45 अंक पर बंद हुआ। निवेशकों की सकारात्मक धारणा से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण दो सत्र में 15,80,204.92 करोड़ रुपये बढ़कर 4,31,01,834.74 करोड़ रुपये हो गया।

एक अप्रैल से पुनर्खरीद के तहत शेयर बेचने से पूंजीगत लाभ पर एक समान12% अधिभार

- घरों और मंदिरों में है करीब 10,000 अरब डॉलर कीमत का कुल 50,000 टन सोना

नयी दिल्ली, एजेंसी

कंपनियों की पुनर्खरीद पेशकश में शेयर बेचकर व्यक्तिगत या कॉरपोरेट शेयरधारकों द्वारा अर्जित पूंजीगत लाभ पर एक अप्रैल से 12 प्रतिशत का एक समान अधिभार लगाया जाएगा। लोकसभा से बुधवार को वित्त विधेयक को मिली मंजूरी में यह संशोधन किया गया है। सरकार ने बुधवार को वित्त विधेयक 2026 में 32 संशोधन पेश किए। विधेयक को बाद में सदन ने मंजूरी दे दी। संशोधित वित्त विधेयक पर शुक्रवार को राज्यसभा में विचार ह।

संशोधनों पर टिप्पणी करते हुए, नांगिया ग्लोबल एडवाइजर्स के कर भागीदार (विलय एवं अधिग्रहण) संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए पुनर्खरीद से प्राप्त पूंजीगत लाभ पर 12 प्रतिशत का एकसमान अधिभार लगाने से उनकी प्रभावी कर लागत में काफी वृद्धि होगी, क्योंकि पहले कम अधिभार लागू था। वर्तमान में, 50 लाख रुपये तक की कर योग्य आय पर कोई अधिभार नहीं लगाया जाता है, जबकि 50 लाख रुपये और एक करोड़ रुपये के बीच की कर योग्य आय पर पुनर्खरीद (बायबैक) से प्राप्त पूंजीगत लाभ पर 10 प्रतिशत का अधिभार लगता है। झुनझुनवाला ने कहा कि एकसमान 12 प्रतिशत अधिभार लगाने से इन सभी श्रेणियों में कर का भुगतान बढ़ जाएगा, जिससे लाभांश जैसे विकल्पों की तुलना में पुनर्खरीद नकदी जुटाने का एक महंगा तरीका बन जाएगा। इससे व्यक्तिगत शेयरधारकों की पुनर्खरीद में रुचि कम होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि इस संशोधन का प्रभाव मुख्य रूप से छोटी और मध्यम आकार की पुनर्खरीद तक ही सीमित रहेगा। झुनझुनवाला ने कहा कि बड़ी यानी एक करोड़ रुपये से अधिक की पुनर्खरीद पर पहले से ही 15 प्रतिशत का उच्च अधिभार लागू होता है। ऐसे में यह संशोधन वास्तव में इस श्रेणी के लिए अधिभार में तीन प्रतिशत की कमी का संकेत देता है।कॉरपोरेट शेयरधारकों के लिए, पुनर्खरीद पर एकसमान 12 प्रतिशत अधिभार उन स्थितियों में प्रभाव डाल सकता है जहां कर योग्य आय एक करोड़ रुपये तक है, जहां पहले कोई अधिभार लागू नहीं होता था।

बिजनेस ब्रीफ

टाटा ने यूपी कमीशन कीं में दो ट्रांसमिशन लाइनें

नयी दिल्ली। टाटा पावर ने बुधवार को उत्तर प्रदेश में 154 सर्किट किलोमीटर में फैली दो ट्रांसमिशन लाइनों – 400 किलोवोल्ट टांडा–गोंडा और 400 किलोवोल्ट (केवी) गोंडा–बस्ती डबल सर्किट – की कमीशनिंग की घोषणा की। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इसके साथ ही उसने साउथ ईस्ट यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एसईयूपीपीटीसीएल) परियोजना के अंतर्गत सभी एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों का सफलतापूर्वक कमीशनिंग कर लिया है। इस नेटवर्क में अब राज्य भर में 951 सर्किट किमी की तीन 765 केवी लाइनें, 566 सर्किट किमी की चौदह 400 केवी लाइनें और 3,460 एमवीए ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता वाले तीन 765/400 केवी सबस्टेशन हैं।

रेल मार्ग से 35 फीसदी वाहन भेजेगी मारुति

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की योजना वित्त वर्ष 2030–31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। वर्तमान में यह हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि मानेसर संयंत्र के अंदर रेल पटरी सुविधा (इन–प्लांट रेलवे साइडिंग) से जून 2025 में परिचालन शुरू होने के बाद से अब तक एक लाख वाहनों की ढुलाई (डिस्पैच) की जा चुकी है। इससे करीब 16,800 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन कम हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कैलेंडर वर्ष 2025 में कंपनी ने रेलवे के जरिये 5.85 लाख से अधिक वाहनों की ढुलाई कर रिकॉर्ड बनाया।

अकासा एयर ने बनाया 42 माह में 2.5 करोड़ यात्रियों का रिकॉर्ड

नयी दिल्ली। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर ने संचालन शुरू करने के मात्र 42 महीनों (साढ़े तीन साल) से थोड़े अधिक समय में 2.5 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवा देने की उपलब्धि हासिल कर ली है। अकासा ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली सबसे तेज भारतीय एयरलाइन बन गयी है। एयरलाइन ने अगस्त 2022 में पहली उड़ान भरी थी और लगातार उद्योग में उच्च पैसेंजर लोड फैक्टर (भरी सीटों का अनुपात) दर्ज किया है। यह मांग की मजबूती, नेटवर्क की दक्षता और अकासा अनुभव के प्रति बढ़ती ग्राहक पसंद को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए अकासा एयर के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय दूबे ने कहा कि केवल साढ़े तीन साल में 2.5 करोड़ यात्रियों का आंकड़ा पार करना हमारे लिए गर्व का विषय है।

2026–27 में भारत की वृद्धि दर 7.1 फीसदी रहने का अनुमान

नयी दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगामी वित्त वर्ष 2026–27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निजी खपत, निवेश एवं निर्यात वृद्धि के प्रमुख चालक रहेंगे। हालांकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ सकता है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर अपनी नवीनतम त्रैमासिक आर्थिक टिप्पणी में एसएंडपी ने कहा कि नए भू-राजनीतिक तनाव और लगातार बने व्यापार संबंधी अनिश्चितता के जोखिम से भारत पर वस्तु कीमतों, व्यापार मात्रा एवं पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव के माध्यम से असर पड़ सकता है। इसमें कहा गया कि यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो भारत में ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, ताकि सब्सिडी लागत को नियंत्रित किया जा सके।

प्रत्येक 3 में से एक पीसी साइबर हमलों का शिकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत में वर्ष 2025 के दौरान प्रत्येक तीन में से एक निजी कंप्यूटर (पीसी) उपयोगकर्ता स्थानीय स्तर पर होने वाले ऑफलाइन साइबर हमलों का निशाना बना। साइबर सुरक्षा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कैस्परस्काई ने मंगलवार को जारी अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

जापानी तकनीकी से बढ़ेगा यूपी का निवेश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ने भारत-जापान औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक सक्रिय कदम उठाया है।

आईआईए और इंडो-जापान चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईजेसीसी) ने एमओयू साइन किया है। इससे उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम उन्नत जापानी तकनीक को बढ़ावा देगा। इससे उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। साथ ही जापानी उद्योगों की स्थापना से निवेश और औद्योगिक विकास को बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री की जापान यात्रा के बाद मंगलवार को आईआईए और आईजेसीसी के बीच वर्चुअल बैठक की गई। इस अवसर पर आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अवधेश अग्रवाल व अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ आईजेसीसी के चेयरमैन और अन्य सदस्य शामिल हुए। इस रणनीतिक सहयोग का उद्देश्य आईआईए को एक प्रमुख निष्पादन संस्था के रूप में स्थापित करना था ताकि एमएसएमई के विकास और वैश्विक एकीकरण को सुगम बनाकर विकसित उत्तर प्रदेश के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया जा सके। इसके लिए दोनों के बीच एमओयू साइन किया गया है। यह पहल उत्तर प्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य में बदलेगी। साथ ही नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और रणनीतिक वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाएगी।

जापानी आईजेसीसी के साथ वर्चुअल मीटिंग के दौरान आईआईए के पदाधिकारी।

- आईआईए ने इंडो-आईजेसीसी के साथ साइन किया एमओयू

गुणवत्ता सुधार के साथ बढ़ेगी निर्यात क्षमता

साझेदारी में मुख्य रूप से एमएसएमई द्वारा उन्नत जापानी तकनीक अपनाने को बढ़ावा दिया जाएगा। ताकि उनकी उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ सके। इसके अलावा प्रदेश में जापानी उद्योगों की स्थापना को सुगम बनाया जाएगा। इससे निवेश और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय और जापानी उद्यमों के बीच व्यवस्थित बीटूबी बैठकों और व्यावसायिक सत्रों का आयोजन किया जाएगा। एमएसएमई के विकास के लिए काइजेन यानी बेहतरी के लिए बदलाव और जेपीओ आधारित प्रशिक्षण आयोजित करके विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त जापानी उत्पादकता पद्धतियां लागू की जाएंगी। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कौशल विकास और क्षमता निर्माण की पहल मजबूत की जाएगी।

घरों में रखे सोने को वित्तीय प्रणाली में लाना चाहिए

पूर्व मंत्री ने कहा-आर्थिक वृद्धि में सीमित रह जाती है भौतिक रूप से जमा सोने की भूमिका

नयी दिल्ली, एजेंसी

- घरों और मंदिरों में है करीब 10,000 अरब डॉलर कीमत का कुल 50,000 टन सोना

भारत को घरों में रखे सोने के भंडार को वित्तीय प्रणाली में लाया जाना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी.पी. चौधरी और बाजार के वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को यह बात कही और तर्क दिया कि भौतिक रूप से सोना जमा रखने से आर्थिक वृद्धि में उसकी भूमिका सीमित रह जाती है। संसद की वित्त पर स्थायी समिति के सदस्य चौधरी ने कहा कि सोने के अधिक वित्तीयकरण से भारत की सर्राफा आयात पर निर्भरता कम हो सकती है और चालू खाते के घाटे (कैड) पर दबाव घट सकता है।

उद्योग मंडल एसोचैम के एक कार्यक्रम में यहां उन्होंने कहा कि रत्न एवं आभूषण क्षेत्र पहले ही देश के कुल माल निर्यात में करीब 15 प्रतिशत योगदान देता है और करीब 50 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुख्य कारोबार विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा कि भारत के घरों तथा मंदिरों में मिलाकर कुल 50,000 टन सोना है जिसकी कीमत करीब 10,000 अरब डॉलर आंकी जाती है और इसका बड़ा हिस्सा औपचारिक वित्तीय प्रणाली से बाहर है। उन्होंने सरकार से इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) के माध्यम से सोने के वित्तीयकरण में आने वाली बाधाओं को दूर करने का आग्रह करते हुए कहा कि हमारे पास मंच है, क्षमता है एवं प्रौद्योगिकी भी है।

ईजीआर, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) समर्थित एक साधन है जिसके तहत उपभोक्ता भौतिक सोना जमा कर उसे शेयर की तरह स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार के लिए उपयोग कर सकते हैं।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

वो आज वोट का अधिकार छीन रहे कल नागरिकता छीन लेंगे: ममता

मैनागुड़ी (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर बुधवार को तीखा हमला करते हुए उनपर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने यह चेतावनी दी कि उनका अगला कदम राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के जरिये नागरिकता छीनने का प्रयास हो सकता है।

बनर्जी ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान की शुरुआत राजनीतिक रूप से अहम उत्तर बंगाल से करते हुए यह टिप्पणी की। उत्तर बंगाल एक ऐसा क्षेत्र है जो 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गढ़ बनकर उभरा है।

जलपाईगुड़ी जिले के मैनागुड़ी क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से संवैधानिक संस्थानों का उपयोग लोगों के मतदान के अधिकारों को छीनने के लिए किया जा रहा है।

बनर्जी ने चुनाव से पहले अपनी पहली बड़ी चुनावी रैली में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग, भाजपा और केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रहे और

मतदान के अधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा-हमें मध्यरात्रि को आजादी मिली थी और हमें इस पर गर्व है, लेकिन आज वे आजादी को भूल गए हैं। वे संविधान या लोकतंत्र का पालन नहीं कर रहे हैं। वे लोगों के मतदान के अधिकार छीन रहे हैं।

केरल: खाता नहीं खोल पाएगी भाजपा, यूडीएफ को मिलेगी जीत: वेणुगोपाल

त्रिशूर (केरल), एजेंसी

कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने बुधवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केरल में खाता नहीं खोल पाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कर्नाटक और तेलंगाना की तर्ज पर यूडीएफ द्वारा प्रस्तावित कल्याणकारी गारंटी इस दक्षिणी राज्य में भी सफल साबित होंगी। वेणुगोपाल ने एक एजेंसी से कहा कि यह केवल एक धारणा थी कि भाजपा केरल में यूडीएफ के लिए खतरा है, क्योंकि हाल के स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा को नाममात्र की सफलता मिली। कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने कहा कि उन्हें कितने जिला पंचायत सदस्य मिले, उन्हें कितनी नगरपालिकाएं मिलीं? नाममात्र की। कुछ भी ठोस नहीं है। केरल में भाजपा का खाता भी नहीं खुल सकता।

जब उनसे पूछा गया कि क्या कर्नाटक और तेलंगाना विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए कल्याणकारी वादे, जहां कांग्रेस विजयी रही, केरल में कारगर साबित होंगे, तो वेणुगोपाल ने हां में जवाब दिया। बोले-पार्टी ने पांचों वादों की घोषणा करने से पहले गहन शोध किया था, जिनमें सभी महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और कॉलेज जाने वाली छात्राओं को 1,000 रुपये की मासिक सहायता शामिल है।

वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी ने राज्य की आर्थिक स्थिति का विश्लेषण किया और ये वादे इसलिए किए क्योंकि केरल जैसे प्रगतिशील राज्य में भी महिलाएं बेहद कष्ट झेल रही हैं। चाहे वे कृषि मजदूर हों, मनरेगा कार्यकर्ता हों, काजू मजदूर हों या मछुआरा हों - आप देख सकते हैं कि उन पर कितना बोझ होता है। उनका जीवन दयनीय हो गया है।

तमिलनाडु: अन्नाद्रमुक ने जारी की प्रत्याशियों की पहली सूची

चेन्नई, एजेंसी।

तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का नेतृत्व कर रही प्रमुख विपक्षी अन्नाद्रमुक ने बुधवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें 20 पूर्व मंत्रियों सहित वरिष्ठ नेताओं को बरकरार रखा गया है।

यह सूची सभी प्रमुख सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप देने और मुफ्त वादों वाले घोषणापत्र जारी करने के एक दिन बाद जारी की गई है। इनमें से अधिकांश लोकप्रिय चेहरे हैं जो दिवंगत अन्नाद्रमुक नेता जे जयललिता के कार्यकाल में मंत्री रह चुके हैं। वे उन सीटों से चुनाव लड़ेंगे जिन्हें उनका पारंपरिक गढ़ माना जाता है और जहां वे कई बार जीत हासिल कर चुके हैं।

पार्टी के दिग्गज नेताओं को मैदान में उतारकर, अन्नाद्रमुक के महासचिव के एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि वह सत्तारूढ़ द्रमुक के खिलाफ एक मजबूत चुनौती पेश करने का इरादे रखते हैं, जिसे उन्होंने सत्ता से बेदखल करने की कसम खाई है। पार्टी ने अभी तक आधिकारिक तौर पर उन सीटों की संख्या की घोषणा नहीं की है जिन पर वह चुनाव लड़ेगी, लेकिन उसने कुल 234 विधानसभा सीटों में से 63 सीटें अपने सहयोगियों को आवंटित कर दी है।

अन्नाद्रमुक ने अपनी प्रमुख सहयोगी भाजपा को 27 सीटें, पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद डॉ. अंबुमणि के नेतृत्व वाले पीएमके गुट को 18 सीटें, कुछ महीने पहले एनडीए से अलग होने के बाद वापस लौटे अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कज़गम के टीटीवी दिनाकरन को 11 सीटें, और भाजपा के कमल चिन्ह पर चुनाव लड़ने वाले छोटे सहयोगियों को दो सीटें आवंटित की हैं।

द्रमुक केचुनाव चिह्न पर लड़ेंगे 175 उम्मीदवार: स्टालिन

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने बुधवार को कहा कि धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) के भागीदारों के साथ सीट बंटवारे के मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीके से पूरा कर लिया गया है। विधानसभा चुनाव में द्रमुक के 'उगते सूरज' के चिन्ह के तहत कुल 175 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। द्रमुक ने अपने नौ सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे का समझौता किया है, जिसके तहत कुल 234 विधानसभा सीटों में से 66 सीटें आवंटित की गई हैं। पार्टी ने लंबे समय से सहयोगी रहे मुस्लिम संगठनों इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और मानवतानेय मक्कल काची (एमएमके) को दो-दो सीटें, अपने मुख्य सहयोगी कांग्रेस को 28, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम को चार, कोंगुनाडु मक्कल देशिया कच्ची (केएमडीके) को दो, भाकपा माकपा को पांच-पांच सीटें दी हैं।

तृणमूल कांग्रेस ने मुस्लिम वोट तो लिये लेकिन उनके लिए किया कुछ नहीं: ओवैसी

कोलकाता, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने मुस्लिम वोट तो हासिल कर लिए लेकिन समुदाय के लिए कुछ नहीं किया। ओवैसी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीति ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उभरने में मदद की। ओवैसी ने कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि पश्चिम बंगाल के लोग घुटन महसूस कर रहे हैं और उनकी पार्टी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ हाथ मिलाया है ताकि जनता को वह विकल्प प्रदान किया जा सके जिसकी उन्हें तलाश है। उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा कि लगभग पांच लाख ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) प्रमाणपत्र रद्द कर दिए गए। इनमें से कई मुस्लिम परिवारों से थे।

पश्चिम बंगाल में नमाज की आजादी लेकिन पूजा के लिए लेनी पड़ती है अनुमति: नितिन नवीन

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के नेता नितिन नवीन ने पश्चिम बंगाल में धार्मिक गतिविधियों की अनुमति को लेकर दोहरे मानदंड अपनाए जाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि राज्य में नमाज अदा करने की पूरी आजादी है लेकिन पूजा आयोजित करने या पंडाल लगाने के लिए अदालत से अनुमति लेनी पड़ती है। नवीन ने कोलकाता के बाहरी इलाके में स्थित दक्षिणेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद पत्रकारों से कहा कि यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यहां नमाज अदा करने की अनुमति है लेकिन पूजा करने और पंडाल लगाने के लिए उच्च न्यायालय से अनुमति मांगनी पड़ती है। नवीन ने कहा कि मैंने दक्षिणेश्वर में पूजा की और राज्य के लोगों के कल्याण तथा 'विकसित बंगाल' एवं 'सोनार बांग्ला' के निर्माण के लिए देवी से प्रार्थना की।

वर्ल्ड ब्रीफ

झारखंड में द्वितीय विश्व युद्ध के दो बम निष्क्रिय

रांची। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा प्रखंड के पानीपाड़ा नागुडसाई क्षेत्र में सेना की बम निरोधक विशेषज्ञ टीम ने अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए दोनों बमों को सफलतापूर्वक आज निष्क्रिय कर दिया गया। स्वर्णरेखा नदी किनारे बीते दिनों द्वितीय विश्व युद्ध काल के दो बम बरामद हुए जो लोगों के बीच कौतूहल का विषय बना हुआ था। सूचना मिलते ही प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं थी। घाटशिला के एसडीओ सुनील चन्द्रा ने घटना की पुष्टि की है। वहीं घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल के आसपास लगभग एक किलोमीटर के क्षेत्र को खाली करा दिया गया। आम लोगों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई और पूरे इलाके की घेराबंदी कर सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई थी, ताकि किसी भी संभावित खतरे से बचा जा सके।

रूस ने करीब 400 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि उसकी हवाई सुरक्षा प्रणाली ने यूक्रेन के 389 ड्रोन मार गिराए। यह हमला रात के दौरान रूस के अलग-अलग इलाकों व क्रीमिया पर किया गया। बताया जा रहा है कि यह हमला चार साल पहले यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला था। ड्रोन को रूस के 13 क्षेत्रों के साथ-साथ क्रीमिया प्रायद्वीप के ऊपर भी रोका गया, जिसे रूस ने 2014 में यूक्रेन से अवैध रूप से अपने कब्जे में ले लिया था। इस हमले ने यूक्रेन के स्वदेशी रूप से विकसित और निर्मित लंबी दूरी के ड्रोनों की बढ़ती क्षमता को रेखांकित किया। यह घटना एक दिन बाद हुई, जब रूस ने 24 घंटे के भीतर यूक्रेन के नागरिक इलाकों पर लगभग 1,000 ड्रोन और 34 मिसाइलें दागी थीं।

गुरुग्राम में स्कूल बम से उड़ाने की धमकी

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने बुधवार को एक निजी स्कूल को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, सूचना मिलते ही डीएलएफ फेज वन थाना, श्वान दस्ता, बम निरोधक दस्ता और अन्य विशेष दलों की एक टीम मौके पर पहुंची तथा स्कूल परिसर, कक्षाओं, इमारतों व आसपास के क्षेत्र की गहन तलाशी ली। पुलिस ने बताया कि जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है।

आतंकवादी संगठनों से संपर्क रखने में 12 संदिग्ध गिरफ्तार

अमरावती, एजेंसी

- आंध्र प्रदेश की पुलिस ने आधा दर्जन राज्यों में की कार्रवाई

आंध्र प्रदेश पुलिस ने समन्वित बहु-राज्य अभियान के तहत आतंकवादी संगठन से संबंध के आरोप में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि संदिग्धों को गिरफ्तार करने के लिए बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और राजस्थान में विशेष टीम तैनात की गई थी।

एक खुफिया अधिकारी ने बताया कि बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और राजस्थान में कई टीम तैनात कर चरमपंथी नेटवर्क से जुड़े 12 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें आंध्र प्रदेश से तीन लोग शामिल हैं। आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार तीन आरोपियों की पहचान बाइक टैक्सी चालक मोहम्मद रहमतुल्ला शरीफ, लेजर मार्किंग पेशेवर मोहम्मद दानिश मिर्जा और रेस्तरां में काम करने वाले सोहेल बेग के रूप में हुई है। ये सभी विजयवाड़ा शहर के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों चरमपंथी विचारधारा को फैलाने और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़ी गतिविधियों में सहयोग करने में शामिल थे। आरोपियों का विदेश स्थित अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया के सरगनाओं से संपर्क था।

तेजी से बढ़ रही अदृश्य महामारी

आज हम जिस हवा में सांस ले रहे हैं, वह जीवन देने के बजाय धीरे-धीरे मौत का कारण बन रही है। स्विस एयर क्वालिटी टेक्नोलॉजी कंपनी आईक्यू एयर की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के अधिकांश हिस्से अब जहरीली हवा की चपेट में हैं। रिपोर्ट ने वैश्विक स्तर पर वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर को लेकर एक बार फिर दुनिया को सतर्क किया है। वायु प्रदूषण अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है। वर्ष 2025 की रिपोर्ट दिखाती है कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों ने वायुमंडल में सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5) की सघनता को इस हद तक बढ़ा दिया है कि केवल 14-17% शहर ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों पर खरे उतर पा रहे हैं। प्रदूषण एक तरह से महामारी का रूप ले रहा है जो तेजी के साथ बढ़ रहा है।

दुनिया में प्रदूषण का संकट

एक अदृश्य हत्यारा

- यह प्रदूषण एक अदृश्य हत्यारा है। दुनिया भर में हर साल लाखों लोग इसके कारण अपनी जान गंवाते हैं। विशेष रूप से दक्षिण और मध्य एशिया में स्थिति बेहद भयावह है, जहां भौगोलिक परिस्थितियाँ और औद्योगिक उत्सर्जन मिलकर एक जानलेवा मिश्रण तैयार करते हैं। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देश इस संकट के केंद्र में हैं।
- प्रदूषण की यह बढ़ती स्थिति केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह हमारी अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जब तक हम सामूहिक रूप से स्वच्छ ऊर्जा और टिकाऊ विकास की ओर नहीं बढ़ेंगे, यह संकट गहराता ही जाएगा।

मुख्य कारक

- जीवाश्म ईंधन का दहन : वाहनों, बिजली संयंत्रों और उद्योगों में कोयले व तेल का अत्यधिक उपयोग।
- कृषि गतिविधियां : पराली जलाना और उर्वरकों से होने वाला उत्सर्जन। • निर्माण और धूल : तेजी से होता शहरीकरण और निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल। • जलवायु परिवर्तन : जंगलों की आग (वाइल्ड फायर) और धूल भरी आंधियों की बढ़ती आवृत्ति। • डेटा सेंटर : उभरते हुए स्रोतों में एआई के लिए उपयोग होने वाले डेटा सेंटर और उनके डीजल जनरेटर भी अब प्रदूषण में योगदान दे रहे हैं।

पीएम 2.5 क्या है

- वायु प्रदूषण को मुख्य रूप से पीएम 2.5 की सांद्रता के आधार पर मापा जाता है। ये सूक्ष्म कण 2.5 माइक्रोमीटर से भी छोटे होते हैं। ये सांस के जरिए सीधे फेफड़ों और रक्त प्रवाह में प्रवेश कर जाते हैं। • डब्ल्यूएचओ मानक : 5 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर वार्षिक औसत। • भारतीय मानक : 40 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर, जो डब्ल्यूएचओ के मानक से 8 गुना अधिक उदार है।

टॉप 10 प्रदूषित देश

- रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान लगातार दूसरे वर्ष शीर्ष पर है। भारत की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है लेकिन यह अभी भी बेहद खतरनाक स्तर पर है। पीएम 2.5 औसत के अनुसार पाकिस्तान प्रदूषण के मामले में नंबर एक पर है। उसके बाद क्रमशः बांग्लादेश, ताजिकिस्तान, चाड, कांगो, भारत, इराक, नेपाल, यूएई और उजबेकिस्तान है।

कैसे बचेगी दुनिया

- नवीकरणीय ऊर्जा : कोयले और तेल के बजाय सौर और पवन ऊर्जा को अपनाना।
- इलेक्ट्रिक मोबिलिटी : सार्वजनिक परिवहन और निजी वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलना।
- कठोर मानक : उद्योगों के लिए उत्सर्जन मानकों को सख्त करना और निरंतर निगरानी।
- हरित क्षेत्र : शहरों में वनीकरण बढ़ाना और प्रदूषण सोखने वाले अर्बन फॉरेस्ट विकसित करना।

बच्ची से दुष्कर्म मामले में हरियाणा की पुलिस का रवैया बेहद शर्मनाक

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में हल्की धारा लगाने पर गुरुग्राम पुलिस को लगाई कड़ी फटकार

- जांच के लिए महिला आईपीएस अधिकारियों की बनाई टीम

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के गुरुग्राम में तीन साल की बच्ची से बलात्कार के मामले में राज्य पुलिस के रवैये को बेहद शर्मनाक और असंवेदनशील बताते हुए बुधवार को इसकी निंदा की तथा इस घटना की निष्पक्ष जांच के लिए महिला आईपीएस अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम का गठन किया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने हरियाणा सरकार को तत्काल विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करने का निर्देश दिया और गुरुग्राम पुलिस को मामले के रिकॉर्ड जांच समिति को सौंपने के निर्देश दिए। पीठ ने हरियाणा पुलिस को इस बात के लिए फटकार लगाई कि उसने पॉक्सो (यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी में गंभीर धारा लगाने की बजाय हल्की धारा लगाकर अपराध को कमतर दिखाने की कोशिश की। न्यायालय ने बच्ची के बयान पर अपना पक्ष पूरी तरह से बदलने के लिए एक निजी अस्पताल की डॉक्टर को भी फटकार लगाई और कहा कि एक डॉक्टर का ऐसा करना शर्मनाक है।

शीर्ष अदालत ने गुरुग्राम पुलिस के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा कि मामले में लापरवाही से जांच के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने पुलिस के रवैये को शर्मनाक और असंवेदनशील बताते हुए कहा कि पुलिस पीड़ित के घर क्यों नहीं जा सकती? क्या वे राजा हैं? जो गया भी था, उसे भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया था कि सेक्टर 54 स्थित एक सोसाइटी में तीन साल की बच्ची से दो महिला घरेलू सहायिकाओं और उनके एक पुरुष साथी ने लगभग दो महीने तक कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया था।

बच्ची के माता-पिता द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद चार फरवरी को सेक्टर 53 थाने में भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस के अनुसार, यह घटना दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 के बीच हुई थी, लेकिन लड़की द्वारा अपनी आपबीती अपनी मां को बताने के बाद ही माता-पिता ने पुलिस को मामले की सूचना दी।

वंदे मातरम् से संबंधित याचिका खारिज की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन से संबंधित गृह मंत्रालय के एक परिपत्र के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई से बुधवार को इनकार करते हुए कहा कि यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने मोहम्मद सईद नूरी द्वारा दायर याचिका को समय से पहले दायर की गई याचिका बताया और इसे भेदभाव की अस्पष्ट आशंका पर आधारित करार दिया। नूरी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि वे देश के हर धर्म का सम्मान करते हैं, लेकिन यह गीत गाने के लिए बाध्य किया जाता है।

गुरुग्राम बाल कल्याण समिति को भी जारी किया कारण बताओ नोटिस

पीठ ने गुरुग्राम बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया कि उन्हें क्यों नहीं हटाया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि पांच फरवरी की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि सीडब्ल्यूसी सदस्यों के आचरण ने उत्पीड़न को और बढ़ा दिया। आयुक्त से लेकर उप-निरीक्षक तक, पूरे पुलिस बल ने यह साबित करने की हरसंभव कोशिश की कि बच्ची के पास कोई सबूत नहीं है और माता-पिता ने कोई मामला नहीं बनाया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पॉक्सो की धारा छह के तहत अपराध को स्पष्ट रूप से अंजाम दिया गया है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने गुरुग्राम के जिला न्यायाधीश को निर्देश दिया कि वह इस मामले को गुरुग्राम में पॉक्सो अदालत की अध्यक्षता करने वाली एक वरिष्ठ महिला न्यायिक अधिकारी को सौंप दें।

राज्यसभा में पेश किया गया केंद्रीय सशस्त्र बल बिल

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को सरकार ने विपक्ष के विरोध के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पेश किया और सदन ने इस संबंध में विपक्ष के नोटिस को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। यह विधेयक पांच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए अलग-अलग सेवा नियम व्यवस्था के मौजूदा तंत्र की जगह, विभिन्न सीएपीएफ बलों में कर्मियों को नियंत्रित करने वाला एक एकीकृत कानूनी ढांचा बनाने का प्रावधान करता है।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक पेश करते हुए इससे संबंधित चिंताओं को दूर करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, सीएपीएफ धारा 312 के तहत शासन प्रणाली को प्रभावित या परिवर्तित नहीं करता है, उन्होंने कहा कि बलों के कर्तव्य, शक्तियां और शासन उनके मौजूदा जनादेश के तहत बरकरार रहेंगे।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने संसद के विधायी अधिकार का जोरदार बचाव किया और कहा कि संसद को कानून बनाने का अधिकार संविधान ने दिया। विपक्षी सदस्य इस बात पर बल दे रहे थे कि यह विधेयक न्यायालय में खारिज हो जाएगा। रीजीजू ने कहा हम इस सदन की विधायी क्षमता कैसे छीन सकते हैं?

उभयलिंगी व्यक्ति संशोधन विधेयक पर संसद की मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी

- लोकसभा के बाद राज्यसभा ने भी ध्वनिमत से किया पारित

उभयलिंगी व्यक्तियों को कानूनी अधिकार देने और उनके हितों की रक्षा करने से संबंधित उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक 2026 को राज्यसभा ने बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन ने विधेयक को प्रवर समिति को भेजे जाने से संबंधित विपक्षी सदस्यों के संशोधन प्रस्तावों को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है और राज्यसभा में पारित होने के साथ ही इस पर संसद की मुहर लग गई।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने विधेयक पर करीब तीन घंटे की चर्चा का जवाब देते हुए सदन को आश्वस्त किया कि इस विधेयक के प्रावधानों से उभयलिंगी व्यक्तियों की गरिमा और अधिकार सुरक्षित रहेंगे। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 11 वर्षों में आर्थिक विकास को गति देने के साथ- साथ सामाजिक समावेशन को भी बढावा दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपनी नीतियों और योजनाओं से समावेशी समाज बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इन्हीं योजनाओं के आधार पर उभयलिंगी व्यक्तियों को सम्मान और गरिमामय जीवन देने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है । कहा कि सरकार इस समुदाय के लोगों के हर संभव कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। कुमार ने कहा कि समाज की कठिनाईयों को समझकर उनका सही समाधान करना सरकार का फर्ज है। यह कानून गंभीर सामाजिक बहिष्कार का सामना कर रहे लोगों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए बनाया गया है।

हितधारकों से भी की गई थी बातचीत

मंत्री ने कहा कि यह विधेयक समुचित विचार विमर्श और संबंधित हितधारकों के साथ बातचीत के आधार पर लाया गया है और इसे प्रवर समिति में भेजे जाने की जरूरत नहीं है। यह विधेयक उभयलिंगी व्यक्तियों को कानूनी अधिकार देता है और आम लोगों की तरह उनके अधिकार सुनिश्चित करता है। इससे सभी नागरिक देश की प्रगति में बराबर की भागीदारी कर सकेंगे। विधेयक में उभयलिंगी व्यक्तियों के खिलाफ भेदभाव खत्म करने तथा अपराधियों के खिलाफ दंडात्मक प्रावधान किए गए हैं।

जापान व अमेरिका एशिया में तेल आपूर्ति को बनाएंगे भंडार

टोक्यो, एजेंसी

- दोनों देशों के बीच संयुक्त तेल विकास पर हुई चर्चा

जापान और अमेरिका एशिया में तेल की आपूर्ति सुरक्षित रखने के लिए संयुक्त तेल विकास और रणनीतिक भंडार बनाने पर विचार कर रहे हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में आने वाली बाधाओं के कारण ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने बताया कि इन चर्चाओं में अलास्का से तेल प्राप्त करना, जापान में तेल का भंडार बनाना और क्षेत्रीय ऊर्जा प्रवाह को स्थिर रखने के लिए पश्चिम एशिया के देशों को इसकी आपूर्ति करना शामिल था। उन्होंने कहा, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान हमने संयुक्त विकास की संभावना पर चर्चा की, जिसमें अलास्का से तेल प्राप्त करना, जापान में भंडार बनाना और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों को आपूर्ति के लिए उनका उपयोग करना शामिल है।

उन्होंने कहा कि इस तरह का दृष्टिकोण मध्य-पूर्व में जारी अस्थिरता के बीच न केवल जापान को, बल्कि इस क्षेत्र के अन्य देशों को भी ऊर्जा संसाधन उपलब्ध कराने में मददगार साबित हो सकता है। जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग राज्य मंत्री रयोसेई अकाज़ावा ने इससे पहले इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया था कि क्या दोनों देशों के नेताओं के बीच अमेरिका के साथ एक संयुक्त रिज़र्व परियोजना पर चर्चा होगी। जापान अपनी 94 प्रतिशत तेल आपूर्ति के लिए मध्य-पूर्वी देशों पर निर्भर है।

दुर्घटनावश डूबने से हुई थी जुबिन गर्ग की मौत

सिंगापुर। सिंगापुर के एक जांच अधिकारी ने बुधवार को भारतीय गायक जुबिन गर्ग की मौत को दुर्घटनावश डूबने से हुई मौत करार दिया। गर्ग की सितंबर 2025 में सिंगापुर के एक द्वीप के पास डूबने से मृत्यु हो गई थी। अधिकारी ने सिंगापुर की पुलिस कोस्ट गार्ड की जांच को सही ठहराते हुए कहा कि इस घटना में किसी भी प्रकार की साजिश या बाहरी दबाव का कोई सबूत नहीं मिला है। जांच अधिकारी एडम नाखोदा ने गर्ग की पत्नी द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पीसीजी ने मामले में व्यापक और सावधानीपूर्वक जांच की थी। उन्होंने कहा कि गर्ग की मौत महज एक दुर्भाग्यपूर्ण और दुर्घटनापूर्ण रूप से डूबने के कारण हुई थी और किसी ने भी उन्हें पानी में जाने के लिए मजबूर नहीं किया था और न ही धक्का दिया था। नाखोदा ने बताया कि जांच के अनुसार, गर्ग (52) शराब के नशे में थे।

दिल्ली में बस पलटने से दो लोगों की गई जान, 23 व्यक्ति घायल

- जयपुर से आ रही थी स्लीपर बस, करोलबाग में हादसा

नई दिल्ली, एजेंसी

जयपुर से आ रही एक तेज रफ्तार स्लीपर बस मंगलवार देर रात यहां करोल बाग के झंडेवालान इलाके में हनुमान मंदिर के पास एक मोड़ पर मुड़ने के दौरान पलट गई जिससे दो यात्रियों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रात करीब एक बजे करोल बाग थाने को घटना की सूचना मिली जिसमें बताया गया कि दुर्घटना के बाद कई यात्री एक बस के अंदर फंसे हुए हैं।

मध्य दिल्ली के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर ने बताया कि जयपुर से दिल्ली आ रही बस में लगभग 30 यात्री सवार थे। दुर्घटनास्थल के पास एक चौकी पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस तेज गति से चल रही थी और मंदिर के पास एक गोलचक्कर पर मोड़ लेते समय नियंत्रण खो देने के बाद पलट गई। अधिकारी ने बताया कि उनकी टीम यातायात व्यवस्था संभाल रही थी, तभी उन्हें गोलचक्कर के पास एक तेज आवाज सुनाई दी। उन्होंने कहा, हम तुरंत मौके पर पहुंचे, लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे, कई लोग गाड़ी से बाहर निकलने की कोशिश में शीशे तोड़ने का प्रयास कर रहे थे।

बांग्लादेश में 40 यात्रियों सहित बस नदी में गिरी

ढाका। बांग्लादेश में बुधवार को 40 लोगों को ले जा रही एक बस परिवहन नौका पर चढ़ने की कोशिश करते समय नदी में गिर गई जिसमें कई यात्रियों के लापता होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना दक्षिण-पश्चिमी राजबारी में दौलाडिया टर्मिनल पर शाम लगभग 5.15 बजे हुई और बस पद्मा नदी में गिर गई। ढाका जा रही बस में 40 यात्री सवार थे।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। कामकाज में सफलता के संकेत मिलेंगे। ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे।

वृष आज आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। नई योजनाओं पर काम शुरू करेंगे। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मिथुन आज का दिन मिलाजुला रहेगा, धैर्य जरूरी है। नए संपर्क लाभदायक बन सकते हैं। छोटी यात्रा का योग है।

कर्क आज भावनात्मक रूप से संवेदनशील रहेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। कार्यस्थल पर सराहना मिल सकती है।

सिंह आज कार्यक्षेत्र में नेतृत्व क्षमता उभरकर सामने आएगी। रुके हुए काम पूरे होंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कन्या आज आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। दिनभर काम में व्यस्तता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला आज नौकरीपेशा लोगों को नई जॉब का ऑफर मिल सकता है। संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। रिश्तों में मधुरता आएगी।

वृश्चिक आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पूर्व की बनाई हुई गोपनीय योजनाएं सफल होंगी।

धनु आज व्यापार संबंधी यात्रा के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। नई सीख हासिल होगी।

मकर आज आपको मेहनत का फल मिलने वाला है। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कुंभ आज कोई भी निर्णय सोच-समझकर लें। नए विचारों से सफलता मिलेगी। दोस्तों का सहयोग मिलेगा।

मीन आज आपकी रचनात्मकता में वृद्धि होगी। व्यापार में धन लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

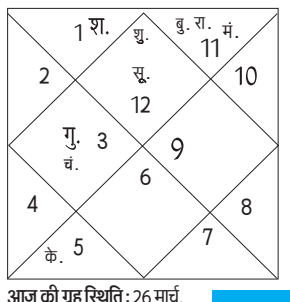

आज की ग्रह स्थिति : 26 मार्च, गुरुवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 11.48 तक तत्पश्चात नवमी।

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु-** वसंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- आर्द्रा 16.19 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

सुडोकू - 99 का हल

1	4	7	5	2	9	6	3	8
5	3	9	1	8	6	4	2	7
6	8	2	4	7	3	5	1	9
8	1	6	7	9	4	3	5	2
3	7	4	2	5	1	9	8	6
9	2	5	3	6	8	7	4	1
2	5	8	6	4	7	1	9	3
7	9	3	8	1	5	2	6	4
4	6	1	9	3	2	8	7	5

सुडोकू -100

7		4		2				3
	6					2		
2					9			7
	2			7				8
4		7				1		
			6	1			9	
			5			6		9
		9					8	
1				9		4		5

पाकिस्तान में ट्रेन बेपटरी, 25 घायल

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक ट्रेन के सात डिब्बे पटरी से उतर जाने के कारण 25 लोग घायल हो गए। मंगलवार देर रात लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर लोधरान में हुई घटना के बाद रेलवे अधिकारियों ने प्रभावित पटरी पर यातायात निलंबित कर दिया। रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा कि लोधरान में तेजगाम एक्सप्रेस के पटरी से उतरने के पीछे मानवीय त्रुटि और कुछ यांत्रिक खराबी ही सबसे संभावित कारण हैं। लोधरान के उपायुक्त के अनुसार, कराची जाने वाली तेज़गाम एक्सप्रेस शाम को लाहौर से रवाना हुई थी।

क्यूएस रैंकिंग | चार आईआईटी, जेएनयू और बीआईटीएस पिलानी ने बढ़ाया मान

विश्व के 50 शीर्ष शिक्षण संस्थानों में देश के छह संस्थान शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, चार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटीएस), पिलानी विभिन्न विषयों के मामले में विश्व के शीर्ष 50 संस्थानों में शामिल हैं। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग ने बुधवार को यह घोषणा की।

विश्वविद्यालय रैंकिंग के लिए प्रसिद्ध लंदन स्थित क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाय सब्जेक्ट का 16वां वार्षिक संस्करण प्रकाशित किया है। यह रैंकिंग 100 से अधिक देशों के 1900 विश्वविद्यालयों में 21000 से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन करती है, जिसमें 55 विषय और पांच व्यापक संकाय क्षेत्र शामिल हैं। रैंकिंग के अनुसार, भारत ने विभिन्न विषयों और व्यापक संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 स्थानों में 27 स्थान हासिल किए हैं, जो 2024 में दर्ज किए गए 12 स्थानों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। ये स्थान 12 संस्थानों द्वारा प्राप्त किए गए हैं। धनबाद स्थित भारतीय खनन विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने खनिज एवं खनन अभियांत्रिकी अध्ययन में वैश्विक स्तर पर 21वां स्थान प्राप्त किया है जबकि विपणन, उद्योग और प्रबंधन शिक्षा में पढ़ाई के लिए आईआईएम-अहमदाबाद विश्व के शीर्ष 50 संस्थानों में शामिल है। शीर्ष 50 में आईआईटी-बॉम्बे, आईआईटी-खड़गपुर और ईआईटी-मद्रास के अलावा जेएनयू और बीआईटीएस पिलानी शामिल हैं। क्यूएस 'क्वाक्वेरेली साइमंड्स' की मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेसिका टर्नर ने कहा कि इस वर्ष भारत की प्रगति केवल पैमाने के बारे में नहीं बल्कि यह गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में गति को भी दर्शाती है।

आईआईटी दिल्ली ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

इस संस्करण में आईआईटी-दिल्ली ने छह विषयों में शीर्ष 50 में जगह बनाई है। आईआईटी-दिल्ली ने केमिकल इंजीनियरिंग में 48वां स्थान, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में 36वां, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल और मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियरिंग में 44वां स्थान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 36वां स्थान और कंप्यूटर विज्ञान में 45वां स्थान प्राप्त किया है।

''जनजातीय खेल सिर्फ पदक के बारे में नहीं हैं। वे जीवन जीने का एक तरीका, संस्कृति और तालमेल सिखाते हैं। वे संतुलन, जज्बा तथा जीतने और सीखने की भावना सिखाते हैं।''
– मनसुख मांडविया, केंद्रीय खेल मंत्री

स्टेडियम

कानपुर नगर, गुरुवार, 26 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

बीसीसीआई के सीओई को रिपोर्ट करेंगे बुमराह

मुंबई, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए बीसीसीआई के बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) को रिपोर्ट करेंगे। सूत्रों के अनुसार बुमराह मुख्य रूप से स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग पर काम करने के लिए सीओई में हैं। ऐसा समझा जाता है कि सीओई में बुमराह के काम करने का प्लान बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने जुलाई में इंग्लैंड के भारत के व्हाइट-बॉल टूर पर फोकस करते हुए बनाया है, जहां वे पांच टी20 और तीन वनडे खेलेंगे। समझा जाता है कि बुमराह सीओई में बॉलिंग जारी रखेंगे और जल्द ही मुंबई इंडियंस के साथ जुड़ेंगे ताकि वे आईपीएल 2026 का अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हो सकें, जो 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक होम गेम है।

इंपैक्ट प्लेयर नियम पर क्रिकेटरों ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अधिकतर कप्तानों ने बुधवार को इंपैक्ट प्लेयर नियम पर अपनी आपत्ति दर्ज की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2024 में इंपैक्ट प्लेयर नियम को 2027 तक बढ़ा दिया था। इसके बावजूद इस रणनीतिक नियम पर प्रशंसकों और खिलाड़ियों के बीच समान रूप से बहस जारी है। मुंबई में हुई सभी 10 आईपीएल टीमों के कप्तानों की बैठक में इस पर विस्तार से चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार अधिकांश कप्तानों ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर अपने विचार रखे और अपनी आपत्तियां व्यक्त कीं, हालांकि बीसीसीआई ने इस नियम को 2027 तक बढ़ा दिया है। उन्हें बताया गया कि इसकी समीक्षा केवल आईपीएल 2027 के बाद ही की जा सकती है, उससे पहले नहीं। अक्षर पटेल, रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, ग्लेन फिलिप्स ने इंपैक्ट प्लेयर नियम पर विरोध जता चुके है।

जैकसन समूह ने गांगुली को ब्रांड दूत बनाया

नोएडा, एजेंसी। ऊर्जा और बुनियादी ढांचा समूह जैकसन ग्रुप ने भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को अपना पहला ब्रांड दूत बनाया है। गांगुली इस करार के तहत जैकसन समूह के प्रमुख ब्रांड अभियानों और रणनीतिक पहल में कंपनी का प्रतिनिधित्व करेंगे। गांगुली ने इस मौके पर कहा कि वितरित ऊर्जा, सौर ऊर्जा, हरित अणु और बुनियादी ढांचे जैसे ऊर्जा, मेट्रो, सिविल और पानी को लेकर जैकसन का विजन सामयिक और प्रभावी है। मैं एक ऐसे ब्रांड के साथ जुड़कर उत्साहित हूं जो भारत के ऊर्जा बदलाव और एक हरित भविष्य में सार्थक योगदान दे रहा है।

लखनऊ सुपर जायंट्स को ट्रॉफी जीतने पर ही मिलेगा असली सम्मान : संजीव गोयनका

नई दिल्ली, एजेंसी।

लखनऊ सुपर जायंट्स टाटा आईपीएल 2026 में एक नई पहचान के साथ-साथ टीम और सपोर्ट स्टाफ़ में कुछ बड़े बदलावों के साथ आगे बढ़ना चाहेगी। एक खेल चैनल से बाचीत में एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका और क्रिकेट के ग्लोबल डायरेक्टर टॉम मूडी ने पिछले सीजन से टीम में हुए सुधारों और पहला टाइटल जीतने के दबाव पर अपने विचार साझा किए।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने उन एरिया के बारे में बताया जिनमें फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2026 सीजन में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि अच्छी बात यह थी कि हमारे ज़्यादातर फ्रंटलाइन बॉलर के चोटिल होने के बावजूद हमने अपने पहले छह में से चार गेम जीते।

कुछ बड़े कदम उठाए गए, एडेन मार्करम और मिशेल मार्श ने ओपनिंग की, जो उनकी आम पोजीशन नहीं है, और यह उन दोनों के लिए उनका सबसे अच्छा आईपीएल सीजन साबित हुआ। दिग्वेश राठी बिल्कुल नए खिलाड़ी के तौर पर आए और उन्होंने हमारे लिए अच्छा किया। हालांकि, हमें एहसास हुआ कि हमारे पास एक मजबूत बॉलिंग कोर की कमी है, और हमने इस बार एक घरेलू बॉलिंग यूनिट बनाकर इस पर ध्यान दिया है। आप हमेशा सुधार कर सकते हैं, सुधार का कोई अंत नहीं है। अब यह एक साथ आने और अकेले परफॉर्म करने की बात है। बहुत सारे लोग परफॉर्म कर रहे थे। इस साल, हम एक टीम के तौर पर परफॉर्म करना चाहते हैं।

एलएसजी के लिए अपनी पहचान बनाने के लिए ट्रॉफी जीतना कैसे ज़रूरी होगा, इस पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि असली पहचान अभी भी बन रही है। किसी भी स्पोर्ट्स टीम के लिए, जब तक आप जीतते नहीं हैं, आपको ट्रॉफी उठाने जैसा सम्मान या प्यार नहीं मिलता है। हां, हम दो बार प्लेऑफ़ में पहुंचे हैं, लेकिन यह साफ़ तौर पर काफ़ी नहीं है। आप कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं, लेकिन हमें अपनी पहली ट्रॉफी जीतनी है।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करें पंत : फाफ डु प्लेसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी का मानना है कि ऋषभ पंत को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जोखिम लेकर खेलने की बजाय उन्हें आगामी आईपीएल में निरंतरता पर फोकस करना चाहिये। पंत ने अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करके पिछले सत्र में चौथे नंबर से सलामी बल्लेबाज के तौर पर और फिर निचले क्रम पर भी बल्लेबाजी की। वह लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिये आखिरी मैच में तीसरे नंबर पर 61 गेंद में नाबाद 118 रन की पारी खेल सके। डु प्लेसी ने एक कार्यक्रम के दौरान शायद पंत के लिये तीसरे नंबर पर खेलने का मौका हो। लगता है कि वह तीसरे नंबर के पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। मैंने पिछले सत्र में उन्हें लखनऊ लिये तीसरे नंबर पर खेलते देखा जब निकोलस पूरन चौथे नंबर पर उतरे थे। आरसीबी के पूर्व कप्तान ने कहा कि लखनऊ टीम की 2026 की नीलामी को देखें तो उनके पास शीर्षक्रम पर पंत के साथ एडेन मार्क्रम, मिचेल मार्श और पूरन जैसे धुरंधर हैं। पंत को अपना प्रभाव और छोड़ना होगा। लखनऊ सुपर जाइंट्स को एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से पहला मैच खेलना है। डु प्लेसी ने कहा कि पंत अपार प्रतिभा का धनी है। टेस्ट क्रिकेट में उसे बल्लेबाजी करते देखो तो लगता है कि उसके पास सारे शॉट्स हैं।

10 भारतीय कप्तान, किसके सिर सजेगा ताज

आईपीएल 2026 शुरू होने में कुछ ही दिन शेष, खिताब को लेकर टीमों का प्रबंधन बना रहे रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी।

आईपीएल 2026 शुरू होने में कुछ दिन रह गए हैं और इस बार सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय हैं उनमें से कुछ के पास साबित करने के लिए पॉइंट्स हैं, जबकि दूसरे अभी भी टी20 क्रिकेट में अपने शानदार साल की ऊंचाई पर हैं।

यह देखना दिलचस्प होगा कि आईपीएल में कौन कप्तान बाजी मारता है और किसके सर ताज सजता है। खिताब को लेकर टीमों का प्रबंधन कवायद कर रहा है।

रजत पाटीदार (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)

पाटीदार को यह सोचने के लिए माफ किया जा सकता है कि उनके पास गोल्डन टच है। आरसीबी अपने पहले 17 सालों में कई बार आईपीएल टाइटल के करीब आई थी, लेकिन हार गई। फिर, अपने 18वें सीज़न में, पाटीदार को कैप्टन बनाया गया।

अक्षर पटेल (दिल्ली कैपिटल्स)

अक्षर में बड़े स्टार्स के बीच भी नज़र न आने की अनोखी काबिलियत है, और फिर भी वह भारत की हालिया टी20 वर्ल्ड कप जीत में अहम थे। जडेजा जैसे रोल में आकर, उन्होंने बैटिंग ऑर्डर में जगह बनाई और गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन किया।

श्रेयस अय्यर (पंजाब किंग्स)

अय्यर कुछ समय से भारत की टी20 टीम से बाहर रहे हैं, और आईपीएल में एक बात साबित करने के लिए लौटे हैं। उन्होंने पिछले साल एक जोशीले कैंपेन में पंजाब किंग्स को आगे से लीड किया था, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण क्वालिफायर 2 में उनकी 41 गेंदों में नाबाद 87 रन की पारी थी, जब पंजाब किंग्स ने 204 रन का टारगेट चेज़ किया था। वे फाइनल में हार गए, और फिर अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में अय्यर को स्प्लीन इंजरी हो गई।

अजिंक्य रहाणे (कोलकाता नाइट राइडर्स)

यह आईपीएल में रहाणे के लिए आखिरी मौका हो सकता है। केकेआर ने पिछले सीज़न में 14 गेम में सिर्फ़ पांच जीत हासिल की थी, और 37 साल की उम्र में, समय उनके साथ नहीं है। पिछले आईपीएल में उनके 390 रन 147.72 के स्ट्राइक रेट से आए थे।

ईशान किशन (सनराइज़र्स हैदराबाद)

ईशान नेशनल टीम के प्लान से बाहर, उन्होंने एक नया मुकाम हासिल किया, दो तेज़ शतक बनाए और झारखंड को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया। उन्होंने भारत की टी20 टीम में वापसी की, न्यूज़ीलैंड सीरीज़ में पहली पसंद के ओपनर बने, और वर्ल्ड कप जीत के साथ इसे खत्म किया। किशन के पास अपनी कामयाबी में एक और उपलब्धि जोड़ने का मौका है।

हार्दिक पांड्या (मुंबई इंडियंस)

हार्दिक के लिए पिछले कुछ महीने बहुत अच्छे रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी, एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप। वह नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, खासकर बल्ले से फिनिशर के तौर पर, जबकि पावरप्ले के अंदर और बाहर गेंद से भी योगदान दिया है। पिछले साल एमआई को प्लेऑफ में पहुंचाने के बाद, वह 2020 के बाद उन्हें अपने पहले फाइनल में ले जाने का लक्ष्य रखेंगे।

रुतुराज गायकवाड़ (चेन्नई सुपर किंग्स)

गायकवाड़ के लिए यह तीसरी बार लकी होगा। एमएस धोनी ने आईपीएल 2024 से पहले कमान सौंपी थी, जब गायकवाड़ ने सीएसके को पांचवें स्थान पर पहुंचाया था। पिछले साल, चोट के कारण वह पांच मैचों के बाद बाहर हो गए, और सीएसके सबसे नीचे रही। वापसी के बाद, गायकवाड़ ने वनडे में अच्छा प्रदर्शन किया है।

शुभमन गिल (गुजरात टाइटन्स)

गिल भारत के टी20 उप-कप्तान थे, और फिर वह नहीं रहे। वह वर्ल्ड कप में ओपनिंग करने की लाइन में थे, और फिर खराब प्रदर्शन करने के बाद पूरी तरह से टीम से बाहर हो गए। आईपीएल में अब अपनी जानी-पहचानी जगह पर वापस आकर, अहमदाबाद की सपाट पिचें उनकी बैटिंग के लिए सही रहेंगी, लेकिन वह यह दिखाना चाहेंगे कि जब उनकी टीम को ज़रूरत हो तो वह हालात के हिसाब से खुद को ढाल सकते हैं।

ऋषभ पंत (लखनऊ सुपर जायंट्स)

पंत का पिछले साल आईपीएल बहुत खराब रहा था, उन्होंने 14 इनिंग्स में सिर्फ़ 269 रन बनाए थे। जिनमें से ज़्यादातर रन उन्होंने लीग स्टेज के आखिर में नाबाद 118 रन की शानदार पारी में बनाए थे। तब से, यह एक रुक-रुक कर चलने वाला दौर रहा है।

रियान पराग (राजस्थान रॉयल्स)

पराग लंबे समय से आरआर के लिए एक प्रोजेक्ट रहे हैं, जो एक कमाल के लड़के से एक नए दौर का चेहरा बने हैं। पिछले सीज़न में संजू सैमसन की गैरमौजूदगी में उन्हें कप्तान के तौर पर आज़माया गया था, और अब वे फुल-टाइम कप्तानी संभाल रहे हैं। पराग ने आठ मैचों में आरआर को लीड किया, और 393 रन बनाए, और उनके दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप के पहले चरण में जीते दो कांस्य

बैंकॉक, एजेंसी।

- एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के भारतीय पुरुष और महिलाओं का बेहतर प्रदर्शन

भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में बुधवार को दूसरे दिन दो कांस्य पदक जीते, जबकि पुरुष रिकर्व और महिला कंपाउंड टीम स्पर्धाओं के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया। भारत ने व्यक्तिगत स्पर्धा में भी तीन पदक पक्के किए, लेकिन यह रिकर्व वर्ग के पुरुषों के लिए निराशाजनक अभियान साबित हुआ, जहां चारों तीरंदाजों में से कोई भी पदक की दौड़ में नहीं रहा।

यह पिछले सत्र में विष्णु चौधरी और राहुल द्वारा शीर्ष दो स्थान हासिल करने की तुलना में एक करारा झटका था। महिला कंपाउंड टीम ने पिछली बार कांस्य जीता था, लेकिन इस बार फाइनल में पहुंचकर पदक का रंग बेहतर करेगी। चिकिथा तानीपर्थी, राज कौर और तेजल साल्वे की तिकड़ी ने स्थानीय खिलाड़ी कन्यावी मानीसोम्बात्कुल, कानोकनापुस काएचोम्फू और चानीदप्पा तानारत्पितिनान को 229-226 से हराया। अब फाइनल में उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त कजाखस्तान से होगा। पुरुष कंपाउंड वर्ग में क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष पर रहने के बावजूद भारतीय तीरंदाज खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहे और उन्हें कांस्य से संतोष करना पड़ा। रजत चौहान, ऋषभ यादव और उदय कम्बोज को वियतनाम के हाथों सेमीफाइनल में 233-234 से पराजय मिली। कांस्य पदक के मुकाबले में भारतीय टीम ने भूटान को 234-232 से हराया। रिकर्व वर्ग में भारतीय पुरुष टीम मलेशिया को 5-1 से हराकर फाइनल में पहुंच गई। भारत के देवांग गुप्ता, सुखचैन सिंह और जुयेल सरकार ने एक भी सेट गंवाए बिना जीत दर्ज की। अब उनका सामना कजाखस्तान से होगा। महिला रिकर्व टीम की तिकड़ी रूमा बिस्वास, कीर्ति और रिद्धि फोर ने मलेशिया को 5-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। दोपहर के सत्र में व्यक्तिगत स्पर्धाओं के मुकाबलों में भारत का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। पुरुष कंपाउंड वर्ग में चौहान, जावकर और कम्बोज ने टीम स्पर्धा की निराशा को पीछे छोड़ते हुए पदक दौर में जगह बनाई और क्लीन स्वीप की उम्मीदों को बरकरार रखा।

रोमांचक सेमीफाइनल में जावकर ने चौहान को 149-148 से मामूली अंतर से हराया, जबकि कम्बोज ने स्थानीय दावेदार पीरावत रत्तनापोंगकियात को 147-145 से मात दी। अब स्वर्ण पदक के लिए जावकर और कम्बोज आमने-सामने होंगे, जबकि चौहान कांस्य पदक के मुकाबले में उतरेंगे। महिला रिकर्व वर्ग में रिद्धि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर भारत की उम्मीदों को जीवित रखा। वह अपने पहले अंतरराष्ट्रीय व्यक्तिगत स्वर्ण पदक की दौड़ में बनी हुई हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड से जीती सीरीज

क्राइस्टचर्च, एजेंसी।

पुरुष टी-20 मुकाबला

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर सीरीज जीती

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। अमेलिया केर (105/ दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने बुधवार को खेले गये पांचवें टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 92 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की श्रृंखला 4-1 से अपने नाम कर ली हैं। अमेलिया केर को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज' के पुरस्कार से नवाजा गया। 195 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे बेबस नजर आई।

कॉनर एस्टरहाउजन (75) और रूबिन हरमन (39) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को पांचवें टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 33 रनों से शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली। एस्टरहाउसजन को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में के. क्लार्क (दो) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल सके और विकेट गंवाते रहे। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 154 रन ही बना सकी और मुकाबला 33 रनों से हार गई। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

दक्षिण अफ्रीका के रूबिन हरमन ने 39 रन जबकि एस्टरहाउससजन ने 33 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए 75 रनों की पारी खेली। उन्होंने पारी के आखिरी ओवर में बेन सीयर्स ने आउट किया। दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 187 रनों का स्कोर बनाया।

स्टोइनिस व कोनोली पंजाब किंग्स टीम में

चंडीगढ़, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई स्टार मार्कस स्टोइनिस और कूपर कोनोली को आधिकारिक तौर पर पंजाब किंग्स टीम में शामिल किया गया हैं।

न्यू चंड़ीगढ़ के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी बुधवार को टीम के बाकी सदस्यों से जुड़ने के लिए मोहाली पहुंची। पिछले सीजन की उपविजेता किंग्स पिछले कुछ हफ़्तों से कड़ा अभ्यास कर रहे हैं।

जैनिक सिनर मियामी के क्वार्टर फाइनल में

मियामी, एजेंसी।

विश्व के नंबर दो खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मंगलवार को देर से वापसी करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 सेट जीतने की अपनी रिकॉर्ड-तोड़ स्ट्रीक बनाए रखी और साथ ही मियामी ओपन में क्वार्टर-फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की। सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में घरेलू उम्मीद एलेक्स मिशेलसन को 7-5, 7-6(4) से हराया और प्रतिष्ठित 'सनशाइन डबल' को पूरा करने के अपने मिशन को ट्रैक पर रखा। इंडियन वेल्स चैंपियन सिनर ने दूसरे सेट में 2-5 से वापसी करते हुए एक घंटे, 42 मिनट में जीत हासिल की और मास्टर्स 1000 इवेंट्स में लगातार जीते गए सेटों की संख्या को रिकॉर्ड 28 तक पहुंचाया। नेक्स्ट जेन एटीपी स्टार मार्टिन लैंडाल्यूस ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने के लिए घरेलू पसंदीदा सेबेस्टियन कोर्डा पर 2-6, 7-6(6), 6-4 की नाटकीय जीत में एक मैच पॉइंट बचाया। इस बीच मियामी में चौथे राउंड में जिरी लेहेका ने अमेरिकी नंबर 1 टेलर फ्रिट्ज़ को चौंका दिया। लेहेका ने शानदार फिनिश करते हुए घरेलू पार्टी को क्रैश कर दिया।

नंबर 1 अमेरिकन टेलर फ्रिट्ज़ का सामना करते हुए, 21वीं वरीयता प्राप्त चेक खिलाड़ी ने 6-4, 6-7(4), 6-2 से जीत हासिल की और क्वार्टर-फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की।

जज्बा हरमनप्रीत को उम्मीद है कि जून से होने वाले महिला टी20 विश्व कप में टीम इंडिया फिर बनेगी विजेता

विश्व कप खिताब ने हमें विजेता बनने का दिया आत्मविश्वास

नई दिल्ली,एजेंसी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बुधवार को कहा कि पिछले साल घरेलू मैदान पर वनडे विश्व कप जीतने से टीम को दुनिया में कहीं भी और खिताब जीतने के लिए बहुत जरूरी आत्मविश्वास मिला। भारतीय महिला टीम ने पिछले साल नवंबर में नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता था। हरमनप्रीत को उम्मीद है कि 12 जून से पांच जुलाई तक ब्रिटेन में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में भी टीम यह कारनामा दोहराने में सफल रहेगी। द्वारका के ओमेक्स स्टेडियम में उनके सम्मान में बने स्टैंड के नामकरण समारोह के दौरान हरमनप्रीत ने कहा कि मेरा मानना है कि किसी भी क्षेत्र में आपको कुछ खास करना होता है। आपको कोई खिताब जीतना होता है, तभी आपको पहचान मिलती है। ऐसा न होने पर मानो लगता है कि सारी मेहनत बेकार चली गई। यह भी बताया कि हमारी टीम ही नहीं हमसे पहले की सभी महिला क्रिकेटरों ने कड़ी मेहनत की। उन्हें तो अक्सर अपनी जेब से भी पैसे खर्च करने पड़े थे। इसलिए खिताब जीतना बहुत महत्वपूर्ण था। खिताब हासिल करने के बाद भारतीय प्रशंसकों, मीडिया और बाकी सभी से जो प्रतिक्रिया हमें मिल रही है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखती है। इस साल के टी20 विश्व कप में वनडे विश्व कप का प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद के बारे में हरमनप्रीत ने कहा कि हम टी20 विश्व कप जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। वनडे विश्व कप ने हमें जरूरी आत्मविश्वास दिया है और अब हमें विश्वास है कि हम दुनिया में कहीं भी विश्व कप जीत सकते हैं।'' भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया, जहां उसने कई प्रारूपों की श्रृंखला खेली, जिसमें तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, इतने ही वनडे मैच और एक गुलाबी गेंद का टेस्ट मैच शामिल था। भारत यह श्रृंखला अंकों के आधार पर 4-12 से हार गया लेकिन हरमनप्रीत ने कहा कि इससे उनकी टीम को काफी कुछ सीखने को मिला।

उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की बहु प्रारूप वाली श्रृंखला होनी चाहिए क्योंकि इससे आपको नयी चुनौतियों का सामना करने को मिलता है। एक सप्ताह के बाद आपको दूसरे प्रारूप में खेलना होता है इसलिए मुझे लगता है कि यह बिल्कुल अलग तरह का अनुभव है। हरमनप्रीत ने बताया कि क्रिकेटर के तौर पर हमने कभी ऐसा अनुभव नहीं किया था। पहले हम अधिकतर टी20 या वनडे खेलते थे, लेकिन एक श्रृंखला में तीनों प्रारूप में खेलना थोड़ा चुनौती पूर्ण था।

महिला क्रिकेट को दिया जा रहा बढ़ावा

बीसीसीआई भारतीय महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए लगातार बड़े कदम उठा रहा है। जिसमें घरेलू क्रिकेटरों की मैच फीस 2.5 गुना तक बढ़ाकर 50 हजार रुपये प्रतिदिन करना और रिजर्व खिलाड़ियों की फीस में 100 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी शामिल है। महिला आईपीएल और पुरुष खिलाड़ियों के बराबर समान फीस जैसे ऐतिहासिक फैसलों से महिला क्रिकेट का स्तर ऊपर उठ रहा है।इन बदलावों से ग्रामीण और छोटे शहरों की लड़कियों को भी क्रिकेट को करियर के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष जैसी युवा प्रतिभाओं को निखारने के साथ ही अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया जा रहा है।